www.tamsasanket.com
वर्षः 06 || अंक 134 || लखनऊ
गुरूवार
13 अगस्त 2026 || पृष्ठः 04 || मूल्यः ₹2
आज़ादी का अमृत महोत्सव
https://epaper.tamsasanket.com
दैनिक
तमसा संकेत
लखनऊ व अम्बेडकर नगर से एक साथ प्रकाशित
» डॉ. लोहिया की जन्म भूमि से सर्वप्रथम प्रकाशित समाचार पत्र

मौसम
सूर्योदयः 05:36
सूर्यास्तः 06:46
अधिकतमः 35°00
न्यूनतमः 28°00


पेज 07

विशेष समाचार
अंगदान की संस्कृति ही ... »पेज 04
मुरादाबाद के 50 गांवों में ... »पेज 06
'मुझे वहां काम करने की याद नहीं ...

रील्स के दौर में शॉर्टकट न अपनाएं : मोदी

जेन-जी को दूसरों के संघर्षों से सीखना चाहिए, पूर्व राष्ट्रपति कोविंद की बायोग्राफी लॉन्च की

संबोधन

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। पीएम मोदी ने बुधवार को पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद की बायोग्राफी 'ट्रायम्फ ऑफ द इंडियन रिपब्लिकः माय लाइफ, माय स्ट्रगल्स' लॉन्च की। इस दौरान उन्होंने युवाओं से दूसरों के संघर्षों से सीखने और आत्मकथाएं पढ़ने की अपील की। उन्होंने अपने संबोधन में कहा- आज रील्स का दौर है। सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर आपको कहीं और ले जाते हैं, लेकिन इस दौर में भी रेलवे स्टेशनों पर लिखी बात याद रखें कि शॉर्टकट न अपनाएं।


कार्यक्रम में पीएम मोदी, लोकसभा स्पीकर ओम बिड़ला, रामनाथ कोविंद और उनकी पत्नी सविता कोविंद मौजूद रहीं।

शॉर्टकट आपको छोटा कर देगा। कोविंद का जीवन दिखाता है कि दृढ़ संकल्प से कोई व्यक्ति मुश्किलों को पार कर देश के सबसे बड़े संवैधानिक पद तक पहुंच सकता है। कोविंद की आत्मकथा भारतीय लोकतंत्र की विरासत बनेगी और नई पीढ़ी इससे बहुत कुछ सीख सकती है। राष्ट्रपति पद छोड़ने के बाद कोविंद रुके नहीं हैं और वन नेशन, वन इलेक्शन हल पर काम कर रहे हैं। आत्मकथा पढ़ने से उस दौर को समझने का मौका मिलता है, जिसे लेखक ने खुद जिया है। हमें भविष्य में कोविंद जैसे और युवा चाहिए।

कोविंद बोले- मैंने गांव से बहुत कुछ सीखा

- मैं उत्तर प्रदेश के कानपुर देहात के एक गांव से आता हूं। मेरे घर की छत से बारिश का पानी अंदर टपकता था।
- आज करोड़ों गरीब परिवारों को सरकारी आवास योजनाओं के तहत पक्की छत मिली है, जिससे उन्हें सम्मान के साथ रहने का अवसर मिला है।
- पीएम मोदी के साथ बातचीत और आम कार्यकर्ताओं से जुड़ने की उनकी क्षमता ने भी मुझे प्रभावित किया।
- मैंने BJP से इसलिए जुड़ना चुना, क्योंकि पार्टी वंशवाद और समुदाय से ऊपर राष्ट्र को प्राथमिकता देती है।



> आज करोड़ों गरीब परिवारों को सरकारी आवास योजनाओं के तहत पक्की छत मिली है, जिससे उन्हें सम्मान के साथ रहने का अवसर मिला है।

मुंबई के घाटकोपर में लैंडस्लाइड, 7 की मौत

पहाड़ का हिस्सा तीन घरों पर गिरा, मलबे में दबे लोगों को कैमरों से तलाशा

- लैंडस्लाइड के कारण पहाड़ का बड़ा हिस्सा घरों पर गिर गया।
- हादसे के वक्त ज्यादातर लोग सो रहे थे।

घाटकोपर के चिराग नगर में लैंडस्लाइड के बाद कई दो मंजिला घर भी ढह गए।

तमसा संकेत, एजेंसी

मुंबई। मुंबई के घाटकोपर के चिराग नगर में बुधवार सुबह 3:48 बजे लैंडस्लाइड से पहाड़ी का मलबा 3 घरों पर गिर गया। हादसे में 7 लोगों की मौत और 7 घायल हुए हैं, जबकि 3-4 लोगों के मलबे में फंसे होने की आशंका है। रेस्क्यू टीम विक्टिम-डिटेक्शन कैमरों से तलाश कर रही है। गली बेहद संकरी है।

>> (शेष पेज 06 पर)



जंतर-मंतर सीजन 2 जल्द आएगा : अभिजीत दीपके

हमें दिल्ली में बैठक के लिए हॉल नहीं मिला, बीजेपी पर धमकी देने का आरोप लगाया

- दिल्ली में समर्थकों से बात करते अभिजीत दीपके ने कहा वे जल्द एक अभियान शुरू करेंगे। इसका मकसद देश भर के गांवों के स्कूलों को ठीक करना है जिन्हें इतने सालों से नजरअंदाज किया गया है।

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। कॉकरोच जनता पार्टी (CJP) के फाउंडर अभिजीत दीपके



ने बुधवार को छात्र आंदोलन की तर्ज पर एक और प्रदर्शन जल्द शुरू करने का ऐलान किया। उन्होंने इसे 'जंतर-मंतर सीजन 2' बताया। एक पब्लिक मीटिंग में दीपके ने कहा, इंस्टाग्राम पर कई लोग पूछ रहे थे कि 'जंतर-मंतर सीजन 2' कब शुरू होगा। मैं उन्हें बताना चाहता हूं कि 'जंतर-मंतर सीजन 2' बहुत जल्द शुरू होने वाला है। CJP ने जंतर-मंतर पर 37 दिन धरना प्रदर्शन किया था। यह प्रदर्शन 25 जुलाई को धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे और पार्टी की दूसरी प्रमुख मांगें मान लेने के बाद खत्म हो गया था। दिल्ली में समर्थकों से बात करते अभिजीत दीपके ने कहा वे जल्द एक अभियान शुरू करेंगे। इसका मकसद देश भर के गांवों के स्कूलों को ठीक करना है जिन्हें इतने सालों से नजरअंदाज किया गया है। दीपके ने आरोप लगाया कि हमने आज दिल्ली में अपने वॉलेंटियर्स की बैठक रखी थी। हम एक हॉल की तलाश कर रहे थे।

>> (शेष पेज 06 पर)

36 साल पुराने कश्मीरी पंडित मर्डर-केस में एसआईए की छापेमारी

नई दिल्ली। जम्मू-कश्मीर में स्टेट इन्वेस्टिगेशन एजेंसी (SIA) ने बुधवार को 1990 के कश्मीरी पंडित पिता-पुत्र हत्याकांड में 9 जगह तलाशी ली। इनमें जम्मू, बारामूला, शोपियां, अनंतनाग शामिल हैं। मामला कश्मीरी पंडित लेखक और सामाजिक कार्यकर्ता सरवनंद कौल प्रेमी और उनके बेटे वीरेंद्र कौल के अपहरण और हत्या से जुड़ा है। दोनों अनंतनाग के कोकरनाग स्थित सोफ शाली के रहने वाले थे। 1990 में केस अनंतनाग के डोरू थाने में दर्ज हुआ था। अब इसकी जांच SIA कर रही है। कश्मीरी पंडित कवि सरवनंद कौल प्रेमी और उनके 27 साल के बेटे वीरेंद्र कौल को 29 अप्रैल 1990 की रात हथियारबंद आतंकियों ने उनके घर से किडनैप किया था। इसके कुछ दिन बाद, 1 मई 1990 को दोनों के शव एक पेड़ से लटके मिले थे।

>> (शेष पेज 06 पर)

11 लोगों को बुलाया, सवाल पूछे- शिखा रखते हैं, जनेऊ पहनते हैं

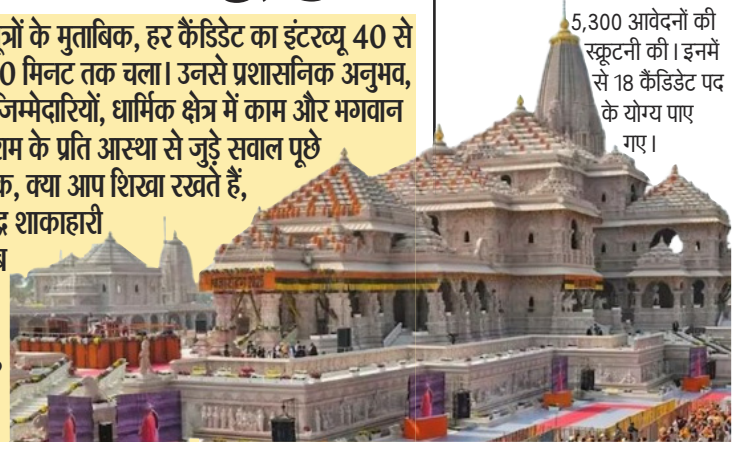
राम मंदिर सीईओ के लिए दूसरे दिन भी इंटरव्यू हुए

तमसा संकेत, एजेंसी

अयोध्या। अयोध्या राम मंदिर के चीफ एग्जीक्यूटिव ऑफिसर (CEO) पद के लिए लगातार दूसरे दिन बुधवार को भी इंटरव्यू हुए। आज 11 लोगों को बुलाया गया था। राम मंदिर परिसर के ग्रीन हाउस में बुधवार सुबह 11:30 बजे शुरू हुए इंटरव्यू 6 बजे तक चले। आज इंटरव्यू देने वालों में बिहार के DIG प्रवेश सक्सेना भी शामिल रहे।

>> (शेष पेज 06 पर)

> सूत्रों के मुताबिक, हर कैंडिडेट का इंटरव्यू 40 से 50 मिनट तक चला। उनसे प्रशासनिक अनुभव, जिम्मेदारियों, धार्मिक क्षेत्र में काम और भगवान राम के प्रति आस्था से जुड़े सवाल पूछे गए। सूत्रों के मुताबिक, क्या आप शिखा रखते हैं, जनेऊ पहनते हैं, शुद्ध शाकाहारी हैं या मांसाहारी, शराब पीते हैं या नहीं और कट्टर हिंदू हैं या सामान्य आस्थावान? जैसे सवाल पूछे गए।



5,300 लोगों ने किया आवेदन, 34 सवालों से हुई स्क्रूटनी

राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामला सामने आने के बाद ट्रस्ट ने CEO पद के लिए 13 से 18 जुलाई तक आवेदन मांगे थे। आवेदकों से ऑनलाइन गूगल फॉर्म के जरिए 34 सवालों के जवाब मांगे गए थे। इन्हीं के आधार पर टीम ने 5,300 आवेदनों की स्क्रूटनी की। इनमें से 18 कैंडिडेट पद के योग्य पाए गए।

फास्ट न्यूज

एमपी-राजस्थान में 3 दिनों से बारिश

नई दिल्ली। देश के मध्य और पूर्वी हिस्से में मानसून एक्टिव है। मध्यप्रदेश, राजस्थान के कई इलाकों में लगातार तीसरे दिन भारी बारिश से हालात खराब हैं। इसकी वजह तीन मानसूनी सिस्टम हैं। इनके कारण अरब सागर और बंगाल की खाड़ी से बड़ी मात्रा में नमी आ रही है। भोपाल में बुधवार को लगातार तीसरे दिन स्कूलों में छुट्टी है।

बेंगलुरु जेल में प्रज्वल रेवन्ना के पास फोन मिला

बेंगलुरु। बेंगलुरु की सेंट्रल जेल में बंद पूर्व सांसद प्रज्वल रेवन्ना के पास मोबाइल और पेन ड्राइव मिली है। सेंट्रल क्राइम ब्रांच (CCB) ने मंगलवार को जेल में छापेमारी की थी। जेल DGP अलोक कुमार ने बुधवार को इसकी जानकारी दी। प्रज्वल जनता दल (सेक्युलर) के विधायक एचडी रेवन्ना का बेटा और पूर्व प्रधानमंत्री एचडी देवेगौड़ा का पोता है। वह महिलाओं से रेप केस में अगस्त 2025 से उम्रकैद की सजा काट रहा है। उन्होंने बताया कि घटना सामने आने के बाद सेंट्रल जेल के असिस्टेंट सुपरिंटेंडेंट को सस्पेंड किया गया है। SP को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है।

बिल्डिंग के 11वें फ्लोर पर आग लगी

मुंबई। मुंबई के विले पार्ले इलाके में मंगलवार रात करीब 10 बजे रिहायशी इमारत शांता भवन की 11वीं मंजिल पर आग लग गई। हदसे में ढाई साल के बच्चे समेत दो लोगों की मौत हो गई। हादसे में आठ लोग घायल हो गए। आग लगने के बाद करीब 15 लोग 3 घंटे तक बिल्डिंग की छत पर फंसे रहे, जिन्हें बाद में रेस्क्यू कर लिया गया।

2 लाख एकड़ जमीन कराई कब्जामुक्त, अब बनेगा यूपी का बड़ा 'लैंडबैंक'

योगी सरकार का भूमाफियाओं पर बड़ा एक्शन

अभियान

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। उत्तरप्रदेश में सार्वजनिक संपत्तियों पर अवैध कब्जों के खिलाफ योगी सरकार का एंटी भूमाफिया अभियान लगातार चर्चा में रहा है। राजस्व विभाग के मुताबिक सख्त कार्रवाई और विभिन्न अभियान के तहत बीते साढ़े नौ साल में प्रदेश में 84,005 हेक्टेयर से अधिक क्षेत्रफल को अवैध अतिक्रमण से मुक्त कराया गया है। यह क्षेत्रफल लगभग 2.08 लाख एकड़ के बराबर है। भूमि को अवैध कब्जों से मुक्त कराने के साथ शिकायतों के निस्तारण, मुकदमों की पैरवी और चिह्नित भूमाफियाओं के खिलाफ आपराधिक कार्रवाई ने इस अभियान को और व्यापक रूप दिया।



लैंडबैंक का हो पाएगा विकास कार्यों में इस्तेमाल

अतिक्रमण से मुक्त कराई गई सरकारी जमीन को योगी सरकार लैंडबैंक के रूप में विकसित कर औद्योगिक निवेश और बुनियादी ढांचे के विस्तार का आधार बनाती आ रही है। अब खाली कराई गई भूमि को व्यवस्थित तरीके से चिन्हित कर उद्योगों, फार्मास्युटिकल और मैन्युफैक्चरिंग इकाइयों, लॉजिस्टिक पार्क, विश्वविद्यालय, मेडिकल कॉलेज व अन्य बड़े निवेश प्रस्तावों के लिए उपलब्ध कराया जा सकता है। इससे निवेशकों को जमीन उपलब्ध कराने में तेजी आएगी और रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे।

> उत्तर प्रदेश में एंटी भूमाफिया अभियान की सबसे बड़ी उपलब्धियों में 84,005 हेक्टेयर से अधिक भूमि को अवैध अतिक्रमण से मुक्त कराया जाना है। इससे प्रदेश के विकास को रफ्तार देने के लिए लगभग 2.08 लाख एकड़ जमीन उपलब्ध हो गई है। इसमें बड़े स्तर पर सरकारी लैंडबैंक भी शामिल है, जिसका इस्तेमाल विभिन्न विकास योजनाओं के लिए किया जाना संभव होगा।

कैश कांड में हाईकोर्ट जस्टिस वर्मा पर लगे आरोप साबित

जांच समिति बोली- सबूतों से छेड़छाड़ हुई, नोटों की बोरी कहां से आई

कार्यवाई

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। संसद की जांच समिति ने जस्टिस यशवंत वर्मा के ऊपर लगे तीनों आरोपों को सही पाया है। यह मामला 2025 में जस्टिस वर्मा के सरकारी आवास के स्टोररूम से नकदी मिलने से जुड़ा है। पैनल की रिपोर्ट बुधवार, 12 अगस्त को लोकसभा और राज्यसभा में पेश की गई। रिपोर्ट के मुताबिक, स्टोररूम में 500 रुपए के नोटों की काफी मात्रा मिली थी। लेकिन जस्टिस वर्मा नकदी के स्रोत, मालिकाना हक या वहां मौजूद होने की संतोषजनक वजह नहीं बता सके। जस्टिस वर्मा इस साल अप्रैल में हाईकोर्ट के जज पद से इस्तीफा दे चुके हैं। 9 अप्रैल 2026 को जस्टिस वर्मा ने इस्तीफा दे दिया था। उन्होंने लिखा था कि, मैं आपके सम्मानित कार्यालय को उन कारणों से परेशान नहीं करना चाहता, जिनकी वजह से मुझे यह पत्र लिखना पड़ रहा है। लेकिन गहरे दुख के साथ मैं इलाहाबाद उच्च न्यायालय के न्यायाधीश पद से तत्काल प्रभाव से इस्तीफा दे रहा हूं। इस पद पर सेवा करना मेरे लिए सम्मान की बात रही है। आग बुझने के बाद स्टोर रूम को तुरंत सील नहीं किया गया। सुरक्षा अधिकारी ने जस्टिस वर्मा के स्टाफ को वहां रात करीब 3 बजे सफाई करते देखा।



- जस्टिस वर्मा के घर 14 अगस्त 2025 को आग लगी थी, दमकल कर्मियों को यहां बोरियों में भरे हुए जले नोट मिले थे।

चर्चा : मैं सदन में रहूंगा, ओम बिरला को लेटर लिखा, राहुल बोले- हमें लेक्चर नहीं सुनना

स्पीकर चर्चा के लिए घंटे तय करें : शाह

तमसा संकेत, एजेंसी

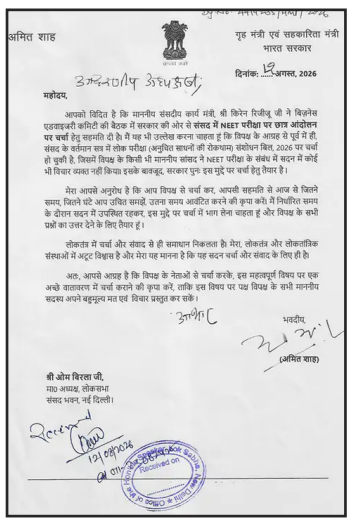
नई दिल्ली। गृह मंत्री अमित शाह ने बुधवार को लोकसभा स्पीकर ओम बिरला को लेटर लिखा। उन्होंने नीट पेपर लीक पर छात्रों के प्रदर्शन के मुद्दे पर चर्चा के लिए समय तय करने की मांग की। इससे पहले सुबह सदन के बाहर शाह ने मीडिया से बातचीत में कहा था कि सरकार हर मुद्दे पर चर्चा को तैयार है, लेकिन विपक्ष सदन को चलने दे। इस पर नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने कहा, 'हमें उनका लेक्चर नहीं सुनना है। पहले ये बताएं कि जंतर-मंतर पर छात्रों पर गोलियां किसने चलवाईं। उन्होंने आदेश नहीं दिया तो वे इस्तीफा दें।' इस बीच सरकार ने FCRA संशोधन बिल, 2026 को



जॉइंट पार्लियामेंट्री कमेटी यानी JPC के पास भेजने का प्रस्ताव लोकसभा में रखा, जिसे मंजूरी मिल गई। समिति में लोकसभा के 21 और राज्यसभा के 10 सदस्य होंगे। राहुल ने कहा- स्टूडेंट्स को गोली किसने मारी? स्टूडेंट्स को कीलों वाली लाठियों से पीटने का ऑर्डर किसने दिया? क्या अमित शाह ने हमारे बच्चों को गोली मारने का ऑर्डर दिया था? अगर उन्होंने दिया है, तो उन्हें इस्तीफा दे देना चाहिए। राहुल ने आगे कहा- शाह घर के सामने हजार पुलिस वाले खड़े होते हैं। 30 गाड़ियां उनके आगे पीछे होती हैं कि कहीं कोई बच्चा न आ जाए।

शाह का लोकसभा स्पीकर को लेटर, कहा- चर्चा के लिए समय तय करें

गृह मंत्री अमित शाह ने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को लेटर लिखा। उन्होंने कहा, आप जानते हैं कि संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने कार्य मंत्रणा समिति (BAC) की बैठक के दौरान सरकार की ओर से NEET परीक्षा को लेकर छात्रों के प्रदर्शन पर संसद में चर्चा कराने पर सहमति जताई है। मैं यह भी बताना चाहता हूं कि विपक्ष की मांग से पहले ही संसद के मौजूदा सत्र में एंटी पेपर लीक बिल पेश किया गया। उस समय विपक्ष के किसी भी सदस्य ने सदन में NEET परीक्षा से जुड़े मुद्दे पर अपनी बात नहीं रखी थी।


अमित शाह
गृह मंत्री एवं सहकारिता मंत्री
भारत सरकार
दिनांक: 12 अगस्त, 2026
महोदय,
आपको विदित है कि माननीय संसदीय कार्य मंत्री, श्री किरेन रिजीजू जी ने बिजनेस एडवाइजरी कमिटी की बैठक में सरकार की ओर से संसद में NEET परीक्षा पर छात्र आंदोलन पर चर्चा हेतु सहमति दी है। मैं यह भी उल्लेख करना चाहता हूं कि विपक्ष के आग्रह से पूर्व में ही, संसद के वर्तमान सत्र में लोक परीक्षा (अनुचित साधनों की रोकथाम) संशोधन बिल, 2026 पर चर्चा हो चुकी है, जिसमें विपक्ष के किसी भी माननीय सांसद ने NEET परीक्षा के संबंध में सदन में कोई भी विचार व्यक्त नहीं किया इसके बावजूद, सरकार पुनः इस मुद्दे पर चर्चा हेतु तैयार है।
मेरा आपसे अनुरोध है कि आप विपक्ष से चर्चा कर, आपसी सहमति से आज से जितने समय, जितने घंटे आप उचित समझें, उतना समय आवंटित करने की कृपा करें। निर्धारित समय के दौरान सदन में उपस्थित रहकर, इस मुद्दे पर चर्चा में भाग लेना चाहता हूं और विपक्ष के सभी प्रश्नों का उत्तर देने के लिए तैयार हूं।
लोकतंत्र में चर्चा और संवाद से ही समाधान निकलता है। मेरा, लोकतंत्र और लोकतांत्रिक संस्थाओं में अटूट विश्वास है और मेरा यह मानना है कि यह सदन चर्चा और संवाद के लिए ही है।
अतः, आपसे आग्रह है कि विपक्ष के नेताओं से चर्चा करके, इस महत्वपूर्ण विषय पर एक अच्छे वातावरण में चर्चा कराने की कृपा करें, ताकि इस विषय पर पक्ष विपक्ष के सभी माननीय सदस्य अपने बहुमूल्य मत एवं विचार प्रस्तुत कर सकें।
भवदीय,
(अमित शाह)
श्री ओम बिरला जी,
माo अध्यक्ष, लोकसभा
संसद भवन, नई दिल्ली।

पिछले 20 दिनों से अमित शाह गायब हैं। गृह मंत्री में हिम्मत नहीं है। वह सदन में नहीं आ सकते। सदन में हंगामे के बीच लोकसभा की कार्यवाही 13 अगस्त सुबह 11 बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई।

>> (शेष पेज 06 पर)

सुप्रीम कोर्ट में भोजशाला मामले की सुनवाई टली

इंदौर हाईकोर्ट के मंदिर घोषित करने के फैसले को चुनौती

तमसा संकेत, एजेंसी

धार। मध्यप्रदेश के धार जिले की ऐतिहासिक भोजशाला मामले में मुस्लिम पक्ष की ओर से दायर याचिकाओं पर बुधवार को भी सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई नहीं हो सकी। इससे पहले 5 अगस्त को भी सुनवाई टल गई थी और कोर्ट ने अगली तारीख 12 अगस्त तय की थी। कार्यवाही आगे नहीं बढ़ने से मामले में अगली सुनवाई का इंतजार है। दरअसल, 15 मई 2026 को इंदौर हाईकोर्ट ने भोजशाला को मां सरस्वती का मंदिर घोषित करते हुए हिंदू समाज को वहां रोजाना पूजा करने की अनुमति दी थी। इस फैसले के खिलाफ मुस्लिम समाज के प्रतिनिधियों ने सुप्रीम कोर्ट में पांच याचिकाएं दायर की थीं। इस मामले में सुप्रीम कोर्ट ने 14 जुलाई को अंतरिम आदेश जारी किया था। कोर्ट ने प्रदेश सरकार को निर्देश दिए थे कि मुस्लिम समाज के लिए हर शुक्रवार जुमे की नमाज अदा करने के लिए भोजशाला के पास ही किसी खाली वैकल्पिक स्थान की व्यवस्था की जाए।



- सुप्रीम कोर्ट में भोजशाला मामले से जुड़ी मुस्लिम समाज ने 5 याचिकाएं लगाई हैं।

>> (शेष पेज 06 पर)

31 जनपदों में महिला नेतृत्व वाला दुग्ध मॉडल, हजारों महिलाएं बनीं 'लखपति दीदी' - केशव प्रसाद मौर्य

'दुग्ध शक्ति' से समृद्ध हो रहीं ग्रामीण महिलाएं

प्रयास

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य की पहल एवं कुशल मार्गदर्शन में उत्तर प्रदेश में महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण, राष्ट्रीय ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती प्रदान करने के लिए निरंतर प्रभावी प्रयास किए जा रहे हैं। उत्तर प्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के माध्यम से स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी महिलाओं को विभिन्न आजीविका गतिविधियों से जोड़कर उनकी आय में वृद्धि करने तथा उन्हें 'लखपति दीदी' के रूप में स्थापित करने की दिशा में उल्लेखनीय कार्य किया जा रहा है। इसी क्रम में प्रदेश में महिला नेतृत्व वाली मिल्क प्रोड्यूसर कंपनियां



ग्रामीण दुग्ध अर्थव्यवस्था में बदलाव की मजबूत धुरी बनकर उभरी हैं। वर्तमान में इन कंपनियों से लगभग 3.25 लाख महिला दुग्ध उत्पादक संगठित रूप से जुड़ी हैं और इनके माध्यम से प्रतिदिन लगभग 12.5 लाख लीटर दूध का संग्रहण किया जा रहा है। यह पहल महिलाओं को केवल दुग्ध उत्पादक के रूप में नहीं, बल्कि संगठित आर्थिक गतिविधियों की सक्रिय भागीदार और उद्यमी के रूप में स्थापित कर रही है।

उत्तर प्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के अंतर्गत गठित पांच महिला मिल्क प्रोड्यूसर कंपनियां—बलिनी मिल्क प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड, काशी मिल्क प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड, सामर्थ्य मिल्क प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड, श्री बाबा गोरखनाथ कृपा मिल्क प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड तथा सृजनी मिल्क प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड—प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों में महिला दुग्ध उत्पादकों को संगठित कर उन्हें बेहतर बाजार, पारदर्शी मूल्य और नियमित आय का आधार उपलब्ध करा रही हैं। बलिनी मिल्क प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड बुंदेलखंड क्षेत्र के 7 जनपदों के 1,217 गांवों में कार्यरत है और इससे 98,010 महिला किसान जुड़ी हैं। कंपनी द्वारा औसतन 3.20 लाख लीटर दूध प्रतिदिन खरीदा जा

3.25 लाख महिला दुग्ध उत्पादक बनीं ग्रामीण अर्थव्यवस्था की ताकत

7 जनपदों के 1,555 गांवों में संचालित

सामर्थ्य मिल्क प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड मध्य क्षेत्र के 7 जनपदों के 1,555 गांवों में संचालित है। इससे 1,12,508 महिला किसान जुड़ी हैं और लगभग 3.75 लाख लीटर दूध प्रतिदिन खरीदा जा रहा है। कंपनी का अब तक लगभग 1,783.80 करोड़ रुपये का कारोबार रहा है तथा कंपनी ने लगभग 43.60 करोड़ रुपये का लाभ अर्जित किया है। कंपनी से जुड़ी लगभग 32,848 महिलाएं 'लखपति दीदी' बन चुकी हैं। श्री बाबा गोरखनाथ कृपा मिल्क प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड गोरखपुर क्षेत्र के 4 जनपदों के 1,087 गांवों में कार्यरत है। कंपनी से 66,057 महिला किसान जुड़ी हैं और लगभग 1.55 लाख लीटर दूध प्रतिदिन खरीदा जा रहा है।



> काशी मिल्क प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड पूर्वांचल क्षेत्र के 7 जनपदों के 1,014 गांवों में कार्यरत है। कंपनी से 49,317 महिला किसान जुड़ी हैं और लगभग 2 लाख लीटर दूध प्रतिदिन खरीदा जा रहा है। कंपनी ने अब तक लगभग 749.80 करोड़ रुपये का कारोबार किया है तथा लगभग 21.77 करोड़ रुपये का लाभ अर्जित किया है। कंपनी से जुड़ी लगभग 11,715 महिलाएं 'लखपति दीदी' बन चुकी हैं।

रहा है। स्थापना से अब तक कंपनी ने लगभग 2,447 करोड़ रुपये का कारोबार किया है तथा लगभग 53.43 करोड़ रुपये का लाभ अर्जित किया है।

यूपी में पानी और जमीन पर दौड़ने वाला 'हनुमान रथ'

कीमत- 3 करोड़, अंधेरे में देखने वाले कैमरे

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ । यूपी में पहली बार बाढ़ में फंसे लोगों को बचाने के लिए 'SHERP' रेस्क्यू व्हीकल का इस्तेमाल होगा। कई खूबियों से लैस यह गाड़ी 360 डिग्री पर घूम जाती है। जमीन पर 40 किमी की रफ्तार से दौड़ सकती है। 5 किमी की रफ्तार से पानी पर चलती है।

लगातार 40 घंटे तक बाढ़ में फंसे लोगों को बचाकर सुरक्षित जगह तक पहुंचा सकती है। इसको इस तरह से डिजाइन किया गया है कि एक बार में यह 8 से 9 लोगों को सुरक्षित जगह तक पहुंचा सके। 3 करोड़ कीमत की यह गाड़ी भाजपा विधायक प्रतीक भूषण सिंह ने गोंडा जिला प्रशासन को दी है। इसका नाम 'हनुमान रथ' रखा गया है।

SHERP एक खास ऑल-टेरेन रेस्क्यू गाड़ी है। इसे ऐसे मुश्किल इलाकों में चलने के लिए बनाया



गया है, जहां सामान्य गाड़ियां, ट्रैक्टर और नाव काम नहीं आतीं। बाढ़ के समय नाव सिर्फ गहरे पानी में चल सकती है। तेज बहाव, जलकुंभी या उथले पानी में फंस सकती है। वहीं, ट्रैक्टर और भारी वाहन कीचड़ या गहरे पानी में धंस जाते हैं।

SHERP की खासियत है कि यह जमीन से सीधे पानी और फिर पानी से कीचड़ या दलदल में जा सकता है। यानी रास्ते में जमीन, पानी या दलदल बदलने पर भी इसे रोकने की जरूरत नहीं पड़ती।

फास्ट न्यूज

शादी के 6 महीने बाद नवविवाहिता की मौत

मलिहाबाद । लखनऊ के रहीमाबाद थाना क्षेत्र के अंहिंडर गांव में बुधवार सुबह करीब 10 बजे 24 वर्षीय नवविवाहिता की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। महिला का शव घर के कमरे में फांसी के फंदे से लटका मिला। घटना की जानकारी मिलते ही परिवार में हड़कंप मच गया। जानकारी के अनुसार, ग्राम अंहिंडर निवासी सीताराम उर्फ गोलू की पत्नी नीलम बुधवार को घर पर थीं।

दोस्तों के साथ निकले लड़के का गोमती में शव मिला

बख्शी का तालाब। लखनऊ में सैरपुर के वीरमपुर गांव निवासी 25 वर्षीय राज शव 10 अगस्त को गोमती नदी के रिंग रोड ब्रिज के पास पानी में उतराता मिला था। राज शनिवार शाम तीन दोस्तों के साथ घर से निकला था। इसके बाद से उसका कोई पता नहीं था। शव मिलने के बाद परिजनों ने हत्या की आशंका जताई है।

मृतक के पिता कुंज बिहारी का आरोप है कि अजीत, विवेक और हंसराज ने पहले राज को शराब पिलाई। इसके बाद कई लोगों के साथ मिलकर उसकी पिटाई की, जिससे उसकी मौत हो गई।

नकली दवाओं के नेटवर्क का पर्दाफाश

लखनऊ। लखनऊ में नकली दवाओं को बाजार में खपाने के कथित नेटवर्क का FSDA ने खुलासा किया है। जांच में फर्जी बिल और कागजी खरीद-बिक्री के जरिए करोड़ों रुपए की दवाओं का लेनदेन सामने आया है। अमीनाबाद की तीन फर्मों और सहारनपुर की बंद फर्म के संचालकों समेत चार लोगों पर FIR दर्ज की गई है। एक फर्म ने 8.87 करोड़ रुपए की दवाओं की खरीद दिखाई, जबकि संबंधित निर्माताओं ने बिक्री से ही इनकार कर दिया।

योगी सरकार में खाद्य प्रसंस्करण उद्योग को नई रफ्तार

पूर्वांचल-मध्यांचल बन रहे निवेश के नए पावर सेंटर

तमसा संकेत, संवाददाता

- वरुण बेवरेजेस, अमूल, आईटीसी, बालाजी वेफर्स और हल्दीराम जैसे बड़े ब्रांड्स ने यूपी पर जताया भरोसा
- योगी सरकार की निवेश-अनुकूल नीतियों से जिलों तक पहुंच रहा औद्योगिक विस्तार, किसानों और युवाओं के लिए खुल रहे नए अवसर

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश अब केवल देश का बड़ा कृषि उत्पादक राज्य ही नहीं, बल्कि कृषि उत्पादों की प्रोसेसिंग और वैल्यू एडिशन का भी बड़ा केंद्र बनने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। योगी सरकार की निवेश-अनुकूल नीतियों और औद्योगिक विकास को प्रदेश के अलग-अलग हिस्सों तक पहुंचाने की रणनीति का असर खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र में दिखाई दे रहा है। प्रदेश में 40 खाद्य प्रसंस्करण परियोजनाओं को लेटर ऑफ कम्फर्ट (एलओसी) जारी किए गए हैं। इनमें पूर्वांचल और मध्यांचल की 21 से अधिक परियोजनाएं शामिल हैं। खास बात यह है कि निवेश अब चुनिंदा औद्योगिक क्षेत्रों तक सीमित नहीं है। प्रयागराज, वाराणसी, गोरखपुर, अयोध्या, अमेठी और देवरिया से लेकर हरदोई, सीतापुर और कानपुर देहात तक बड़े निवेशक अपनी परियोजनाएं स्थापित और विस्तारित कर रहे हैं। इससे पूर्वी और मध्य उत्तर प्रदेश में खाद्य प्रसंस्करण, पेय पदार्थ, डेयरी और कृषि आधारित विनिर्माण का नया औद्योगिक नेटवर्क आकार ले रहा है। पूर्वांचल में खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र से जुड़ी 10 परियोजनाएं सामने आई हैं।

योगी सरकार का भूमाफियाओं पर प्रहार

एंटी भूमाफिया पोर्टल से ऑनलाइन शिकायतों की निगरानी, 99 प्रतिशत का हुआ निस्तारण

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में सार्वजनिक संपत्तियों पर अवैध कब्जों के खिलाफ योगी सरकार का एंटी भूमाफिया अभियान लगातार चर्चा में रहा है। राजस्व विभाग के मुताबिक सख्त कार्रवाई और विभिन्न अभियान के तहत बीते साढ़े नौ साल में प्रदेश में 84,005 हेक्टेयर से अधिक क्षेत्रफल को अवैध अतिक्रमण से मुक्त कराया गया है। यह क्षेत्रफल लगभग 2.08 लाख एकड़ के बराबर है। भूमि को अवैध कब्जों से मुक्त कराने के साथ शिकायतों के निस्तारण, मुकदमों की पैरवी और चिह्नित भूमाफियाओं के खिलाफ आपराधिक कार्रवाई ने इस अभियान को और व्यापक रूप दिया। बीते वर्षों में इन कार्रवाइयों ने भूमाफियों के खिलाफ योगी सरकार ने अपनी मंशा साफ जाहिर की है।

राज्य में एंटी भू-माफिया पोर्टल पर



2 लाख एकड़ से अधिक भूमि अतिक्रमणमुक्त

उत्तर प्रदेश में एंटी भूमाफिया अभियान की सबसे बड़ी उपलब्धियों में 84,005 हेक्टेयर से अधिक भूमि को अवैध अतिक्रमण से मुक्त कराया जाना है। इससे प्रदेश के विकास को रफ्तार देने के लिए लगभग 2.08 लाख एकड़ जमीन उपलब्ध हो गई है। इसमें बड़े स्तर पर सरकारी लैंडबैंक भी शामिल है, जिसका इस्तेमाल विभिन्न विकास योजनाओं के लिए किया जाना संभव होगा।

अवैध कब्जे से संबंधित कुल 4,34,016 शिकायतें प्राप्त हुईं। इनमें से 4,31,697 शिकायतों यानी 99 प्रतिशत से अधिक का निस्तारण किया जा चुका है। वहीं 2,319 शिकायतें निस्तारण के लिए लंबित हैं। योगी सरकार में विभान ने अभियान के जरिए सिर्फ जमीन को कब्जामुक्त कराने पर ही जोर नहीं दिया गया, बल्कि शिकायतों को ऑनलाइन दर्ज करने से लेकर उनके निस्तारण तक निगरानी की व्यवस्था भी बनाई गई है। इससे कार्रवाई की स्थिति को लगातार ट्रैक करने का तंत्र विकसित हुआ। एंटी भू-माफिया पोर्टल अभियान की निगरानी का महत्वपूर्ण माध्यम बना है। अवैध कब्जों के मामलों में प्रशासनिक कार्रवाई के साथ कानूनी कार्रवाई को भी आगे बढ़ाया गया। गत वर्षों में अभियानों के तहत 25,068 राजस्व वाद, 1,168 सिविल वाद और 4,751 एफआईआर दर्ज कराई गईं।

जमीन कब्जा करने वालों पर चौतरफा कार्रवाई, मुकदमे दर्ज करने के साथ जेल भी भेजा

यूपी में नहीं रुकेगा विकास, राजस्व विभाग की सख्त कार्रवाई से उपलब्ध हो रहा बड़ा 'लैंडबैंक'

कब्जामुक्त जमीनों के जरिए प्रदेश में उद्योगों से लेकर रोजगार सृजित करने में मिलेगी बड़ी मदद

चार स्तरों पर गठित टास्क फोर्स के जरिए कार्रवाई

राजस्व विभाग के अधिकारियों के मुताबिक प्रदेश में सार्वजनिक संपत्तियों पर हुए अवैध कब्जों के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई के लिए चार स्तरीय - राज्य, मंडल, जनपद और तहसील स्तर पर एंटी भू-माफिया टास्क फोर्स का गठन किया गया। इसका उद्देश्य अवैध कब्जों की पहचान से लेकर उनके खिलाफ कार्रवाई और जमीन को अतिक्रमण मुक्त कराने तक की प्रक्रिया को व्यवस्थित तरीके से आगे बढ़ाना है। इसके तहत अवैध कब्जों से संबंधित शिकायतों को ऑनलाइन दर्ज कराने और की गई कार्रवाई की प्रभावी निगरानी के लिए एंटी भू-माफिया पोर्टल विकसित किया गया।

जिन्हें जेवर का विकास नहीं दिखता, उन्हें केवल गड्ढे-जलभराव दिखाई दे रहे : धीरेन्द्र सिंह

प्रदेश में हो रहे विकास से जनता का ध्यान भटकाने की हो रही राजनीति

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ/जेवर। नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के निकट पार्किंग स्थल पर बारिश के बाद हुए जलभराव को लेकर जेवर विधायक धीरेन्द्र सिंह ने मौके पर पहुंचकर निरीक्षण किया। उन्होंने कहा कि जिन्हें जेवर का अभूतपूर्व विकास नहीं दिखाई देता, उन्हें केवल गड्ढे और जलभराव नजर आ रहे हैं। इसके साथ ही उन्होंने अधिकारियों को जल निकासी व्यवस्था की समीक्षा कर कमियों को दूर करने और स्थायी समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने इसे प्रदेश में हो रहे विकास से जनता का ध्यान भटकाने की राजनीति बताया।

धीरेन्द्र सिंह ने कहा कि बारिश के बाद विपक्ष को यहां गड्ढे और



नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के पास बारिश से जलभराव वाले स्थल का क्षेत्रीय विधायक ने किया निरीक्षण, अधिकारियों को स्थायी समाधान के दिए निर्देश

बोले-जिनके शासनकाल में एयरपोर्ट कागजों तक सीमित रहा, आज वे बारिश के पानी को लेकर राजनीति कर रहे

जलभराव दिखाई दे रहे हैं, लेकिन इसी धरती पर खड़ा अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट, विश्वस्तरीय सड़कें, औद्योगिक निवेश और हजारों युवाओं के लिए पैदा हो रहे रोजगार के अवसर नजर नहीं आ रहे।

उन्होंने कहा कि जिन लोगों के शासनकाल में एयरपोर्ट वर्षों तक चर्चा और कागजों तक सीमित रहा, आज वे इसके आसपास बारिश के पानी को लेकर राजनीति कर रहे हैं। उन्हें जेवर में हुआ विकास और उत्तर प्रदेश की बदलती तस्वीर स्वीकार नहीं हो रही है।

> विधायक ने कहा कि एक समय जेवर क्षेत्र विकास की मुख्यधारा से दूर था, लेकिन मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में आज यह उत्तर प्रदेश के बदलते औद्योगिक और आर्थिक स्वरूप का प्रमुख केंद्र बन चुका है। नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट ने जेवर को देश-दुनिया के मानचित्र पर नई पहचान दी है।

विपक्ष तस्वीरों में गड्ढे खोजता रहे, हम जेवर में विकास की नई इबारत लिखते रहेंगे

धीरेन्द्र सिंह ने स्पष्ट किया कि जलभराव या किसी तकनीकी कमी को नजरअंदाज नहीं किया जाएगा। संबंधित अधिकारियों से जल निकासी व्यवस्था की समीक्षा कर आवश्यक सुधार करने को कहा गया है। उन्होंने कहा, विपक्ष तस्वीरों में गड्ढे खोजता रहे, हम जेवर में विकास की नई इबारत लिखते रहेंगे। कमी जहां होगी, उसे ठीक कराया जाएगा, लेकिन कुछ समय के जलभराव को जेवर और उत्तर प्रदेश के ऐतिहासिक विकास पर पर्दा डालने का माध्यम नहीं बनने दिया जाएगा।

राज्य हज इंस्पेक्टर की तैनाती हेतु आनलाइन आवेदन

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। हज कमेटी ऑफ इण्डिया, मुम्बई द्वारा सऊदी अरब में हज 2027 के दौरान यात्रियों के सहयोगार्थ/सुविधार्थ राज्य हज इंस्पेक्टर की तैनाती हेतु आनलाइन आवेदन निम्न शर्तों के अधीन आमंत्रित किये गये हैः-

सभी मुस्लिम पुरुष और महिलाएं जिनकी शैक्षिक योग्यता मान्यता प्राप्त संस्था से स्नातक हो तथा केन्द्र/राज्य सरकार के स्थायी सरकारी कर्मचारी हों, जिनकी आयु दिनांक 13.08.2026 को 50 वर्ष के भीतर हो, को ऑनलाइन आवेदन 13 अगस्त, 2026 से 27 अगस्त, 2026 तक हज कमेटी ऑफ इण्डिया, मुम्बई की वेबसाइट https://hajcommittee.gov.in पर करना होगा तथा सभी आवश्यक निर्धारित प्रपत्र अपलोड भी किये जाएंगे। जिन आवेदकों को अंग्रेज़ी, उर्दू, हिन्दी, स्थानीय भाषा व अरबी भाषा बोलने का ज्ञान होगा, उन्हें वरीयता दी जायेगी। ऑफलाइन आवेदन स्वीकार्य नही किया जायेगा। आवेदक मानसिक एवं शारीरिक रुप से पूर्णतः स्वस्थ हो। कम्प्यूटर में निपुण हो, हज सुविधा एप से पूर्णतः भिज्ञ हो। आवेदक को हज के अराकान का समुचित ज्ञान होना आवश्यक है। बड़ी सभाओं को प्रभावी ढंग से संबोधित करने और मार्गदर्शन करने की क्षमता होनी चाहिए। आवेदक के प्रति गत वर्षों में कौंसल जनरल ऑफ इण्डिया/हज कमेटी ऑफ इण्डिया, मुम्बई या राज्य हज समिति से प्रतिकूल रिपोर्ट होगी, उनके चयन पर विचार नही किया जायेगा। आवेदक केन्द्र/राज्य सरकार, केन्द्रीय सशस्त्र पुलिस फोर्स/अर्द्धसैनिक बल/संवैधानिक संस्था व केन्द्र/राज्य सरकार के अधीन पब्लिक सेक्टर अण्डटरेकिंग का होना आवश्यक है। केन्द्र व राज्य सरकार में ग्रुप-ए/क्लास-1 या सातवें वेतन आयोग के आधार पर पे-लेवेल-10 या उससे अधिक या राज्य सरकार में इसके समकक्ष पद के अधिकारी/कर्मचारी आवेदन के पात्र नही होंगे।

मुकदमा : पुलिस को 1 साल चकमा दिया 50 की उम्र में जवान दिखे, इसलिए 7 बार सर्जरी कराई

सेक्स रैकेट चलाने वाली विदेशी लोला पकड़ी गई

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ । लखनऊ में सेक्स रैकेट चलाने वाली उज्बेकिस्तान की लोला कायूमोवा (50) आखिरकार पकड़ी गई। वह एक साल से लखनऊ पुलिस को चकमा दे रही थी। पुलिस ने उसे मंगलवार रात (11 अगस्त) ओमेक्स आर-2 बिल्डिंग में छापेमारी कर पकड़ा और खुफिया एजेंसी को सौंप दिया।

लखनऊ पुलिस ने पिछले साल उसके रैकेट से जुड़ी 2 युवतियों को गिरफ्तार किया था। दोनों उज्बेकिस्तान की रहने वाली थीं। पूछताछ में लोला का नाम सामने आया था। इसके बाद से ही वह अंडरग्राउंड हो गई थी।

जांच में सामने आया था कि लोला ने जवान दिखने के लिए चेहरे, होंठ, अंडरआर्म्स और प्राइवेट



पार्ट की 7 बार प्लास्टिक सर्जरी कराई थी। ये सभी सर्जरी लखनऊ के डॉ. विवेक गुप्ता ने की थीं।

लखनऊ के ओमेक्स हजरतगंज अपार्टमेंट में 21 जून 2025 को पुलिस को सेक्स रैकेट चलने की सूचना मिली थी। छापेमारी में उज्बेकिस्तान की होलिडा और नीलोफर को गिरफ्तार किया गया। दोनों यहां अवैध रूप से रह रही थीं। पुलिस की जांच में सामने आया था कि फ्लैट डॉक्टर विवेक गुप्ता का है।

लोला इन दोनों युवतियों को भारत लेकर आई थी। होलिडा और नीलोफर ने पूछताछ में बताया था कि लोला कायूमोवा के जरिए उनकी मुलाकात पत्रकारपुरम और अहिमामऊ में मिनर्वा क्लीनिक चलाने वाले डॉ. विवेक गुप्ता से हुई थी। डॉ. विवेक गुप्ता ने दोनों की प्लास्टिक सर्जरी की थी। इस दौरान लोला को समझ आया कि भारत में विदेशी युवतियों की मांग है। उसने इसे अपने रैकेट का तरीका बना लिया।

ठिकाना, दिल्ली तक सर्विस

पुलिस सूत्रों के मुताबिक, लोला ने भारत आने के लिए सितंबर 2013 में पासपोर्ट बनवाया था। पुलिस की जांच में सामने आया था कि लोला और डॉ. विवेक की मुलाकात थाईलैंड में हुई थी। इसके बाद विवेक ही लोला को भारत लेकर आया था। शुरुआत में उसने दिल्ली-NCR में ठिकाना बनाया। वहां एजेंटों के जरिए सेक्स रैकेट से जुड़ गई। इसके बाद लखनऊ में केरल के वरेनम निवासी कथित पत्रकार त्रिजिन से उसकी जान-पहचान हुई। 2014 में वह लखनऊ आ गई। त्रिजिन की मदद से स्पा सेंटर में काम करना शुरू किया।



डॉ. विवेक करता था रैकेट से जुड़ी लड़कियों की प्लास्टिक सर्जरी

पुलिस के मुताबिक, डॉ. विवेक भी रैकेट का सक्रिय सदस्य बन गया। वह रैकेट से जुड़ी लड़कियों की प्लास्टिक सर्जरी करता था, ताकि उनका लुक रशियन जैसा दिखे और वे कम उम्र की नजर आएं।

गोसंरक्षण पशु टीकाकरण और दुग्ध विकास योजनाओं में तेजी लाएं

गौशालाओं में हरा चारा, टीकाकरण और बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में व्यवस्थाएं पूरी रहें

- स्थानीय स्तर पर समन्वय बनाकर आवश्यक संसाधनों की उपलब्धता सुनिश्चित करे
- प्रत्येक गांव में गठित हो दुग्ध समिति, पराग उत्पादों की प्रभावी मार्केटिंग पर दें विशेष जोर

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के पशुधन एवं दुग्ध विकास मंत्री श्री धर्म पाल सिंह ने आज विधान भवन स्थित अपने कार्यालय कक्ष में गो संरक्षण एवं हरा चारा, संचारी रोगों से बचाव के लिए चल रहे टीकाकरण अभियान तथा दुग्ध समितियों के कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि गोसंरक्षण, पशु स्वास्थ्य एवं दुग्ध





विकास से जुड़ी योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाए और इसमें किसी भी स्तर पर लापरवाही न बरती जाए। पशुधन मंत्री ने निर्देश दिए कि 30 अगस्त, 2026 तक प्रदेश की सभी गौशालाओं की मंडलवार समीक्षा पूरी कर उसकी रिपोर्ट प्रस्तुत की जाए। उन्होंने कहा कि गौशालाओं का प्रबंधन व्यवस्थित एवं प्रभावी तरीके से किया जाए तथा गोवंश के लिए चारा, पेयजल, स्वास्थ्य एवं अन्य आवश्यक व्यवस्थाएं लगातार सुनिश्चित रहें। उन्होंने किसानों के साथ हरा चारा उपलब्ध कराने के लिए अनुबंध करने के निर्देश देते हुए कहा कि इससे गौशालाओं में हरे चारे की नियमित उपलब्धता सुनिश्चित करने के साथ किसानों को भी लाभ मिलेगा। धर्मपाल सिंह ने संचारी रोगों से बचाव के लिए चल रहे टीकाकरण अभियान की भी समीक्षा की। उन्होंने निर्देश दिए कि 30 अगस्त तक टीकाकरण का कार्य कम से कम 70 प्रतिशत पूरा कर लिया जाए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि टीकाकरण अभियान की नियमित निगरानी की जाए और लक्षित पशुओं का शत-प्रतिशत टीकाकरण सुनिश्चित करने की दिशा में तेजी से कार्य किया जाए।

जिले में पिछड़ेपन की स्थिति का किया अध्ययन, गांव-गांव घूमकर लोगों से लिए सुझाव

पिछड़ा वर्ग आयोग ने की बैठक

अध्ययन

तमसा संकेत, एजेंसी











66 आयोग के अध्यक्ष ने जानकारी दी कि उन्नाव प्रदेश का 21वां जिला है, जहां टीम ने पहुंचकर लोगों और जनप्रतिनिधियों से जानकारी जुटाई है। आयोग को प्रदेश के सभी 75 जिलों का भ्रमण कर एक विस्तृत रिपोर्ट तैयार करनी है। विभिन्न जिलों में बैठकें आयोजित कर लोगों के सुझाव और बयान दर्ज किए जा रहे हैं। इन्हीं तथ्यों और प्राप्त सुझावों के आधार पर आयोग अपनी अंतिम रिपोर्ट तैयार कर सरकार को सौंपेगा।

उन्नाव। उत्तर प्रदेश राज्य स्थानीय ग्रामीण निकाय समर्पित पिछड़ा वर्ग आयोग की टीम ने बुधवार दोपहर दो बजे उन्नाव के विकास भवन सभागार में बैठक की। इस दौरान आयोग ने जिले में पिछड़ेपन की स्थिति का अध्ययन किया। आयोग के अध्यक्ष न्यायमूर्ति राम औतार सिंह की अध्यक्षता में हुई इस बैठक में जिलाधिकारी घनश्याम मीणा सहित जिला स्तरीय अधिकारियों, जिला पंचायत अध्यक्ष, ब्लॉक प्रमुखों, ग्राम प्रधानों और अन्य जनप्रतिनिधियों ने भाग लिया। आयोग के सदस्यों ने जनप्रतिनिधियों से पिछड़ा वर्ग की सामाजिक, शैक्षिक, आर्थिक और राजनीतिक स्थिति के संबंध में सुझाव और जानकारी एकत्र की। आयोग के अध्यक्ष ने बताया कि आयोग प्रदेश के विभिन्न जिलों का भ्रमण कर पिछड़ेपन की स्थिति का अध्ययन कर रहा है। उन्होंने स्पष्ट किया कि पिछड़ापन केवल एक प्रकार का नहीं होता, बल्कि इसका अध्ययन सामाजिक, शैक्षिक, आर्थिक और राजनीतिक सहित कई स्तरों पर किया जा रहा है। बैठक का मुख्य उद्देश्य जिले में विशेष रूप से राजनीतिक पिछड़ेपन की स्थिति को समझना और स्थानीय निकायों में पिछड़े वर्ग की भागीदारी से जुड़ी वास्तविक जानकारी जुटाना था। बैठक में उपस्थित जनप्रतिनिधियों ने जिले में शिक्षा के स्तर को बेहतर बनाने की आवश्यकता पर जोर दिया। आयोग को बताया गया कि ग्रामीण क्षेत्रों में जमीनों की सीमित उपलब्धता के साथ-साथ शिक्षा का अभाव भी पिछड़ेपन का एक प्रमुख कारण है। जनप्रतिनिधियों ने सुझाव दिया कि बच्चों को बेहतर शिक्षा उपलब्ध कराने के साथ ही रोजगारपरक यानी जॉब ओरिएंटेड शिक्षा पर विशेष ध्यान दिया जाना चाहिए, ताकि शिक्षा पूरी करने के बाद युवाओं को रोजगार के बेहतर अवसर मिल सकें।

15 अगस्त से पहले टिकैतनगर में चला विशेष स्वच्छता अभियान

पार्कों की सफाई की, स्वच्छता का संदेश दिया

तमसा संकेत, एजेंसी





बाराबंकी। बाराबंकी के टिकैतनगर में स्वतंत्रता दिवस से पूर्व एक विशेष स्वच्छता अभियान चलाया गया। नगर पंचायत को स्वच्छ और सुंदर बनाने के उद्देश्य से बुधवार सुबह 9:30 बजे शहर के प्रमुख पार्कों में साफ-सफाई कराई गई। इस अभियान का नेतृत्व नगर पंचायत अध्यक्ष जगदीश प्रसाद गुप्ता ने किया, जिसमें सभासदों और कर्मचारियों ने सक्रिय रूप से भाग लिया। यह विशेष सफाई अभियान टिकैतनगर के शहीद भगत सिंह पार्क और कल्याण सिंह पार्क में केंद्रित रहा। अभियान के दौरान पार्कों में फैली गंदगी और कूड़े-कचरे को हटाया गया। नगर पंचायत कर्मियों ने झाड़ लगाकर पार्कों की साफ-सफाई की और स्वच्छता को बेहतर बनाने के लिए विभिन्न स्थानों पर चूने का छिड़काव भी किया। स्वच्छता अभियान के दौरान नगर पंचायत अध्यक्ष जगदीश प्रसाद गुप्ता ने स्वयं सफाई व्यवस्था का जायजा लिया और कर्मचारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता दिवस केवल एक राष्ट्रीय पर्व नहीं, बल्कि देश और समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारियों को याद करने का अवसर भी है। उन्होंने स्वच्छ और सुंदर वातावरण बनाने में प्रत्येक नागरिक की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर दिया। अध्यक्ष ने नगर पंचायत के निवासियों से सार्वजनिक स्थानों पर कूड़ा न फेंकने और अपने आसपास साफ-सफाई बनाए रखने की अपील की। उन्होंने बताया कि नगर पंचायत सफाई व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए लगातार प्रयास कर रही है, लेकिन इसमें आम लोगों की भागीदारी भी बेहद जरूरी है। इस स्वच्छता अभियान में नगर पंचायत अध्यक्ष के साथ सभी सभासद और नगर पंचायत कर्मचारी उपस्थित रहे। स्वतंत्रता दिवस से पहले चलाए गए इस अभियान का उद्देश्य पार्कों की साफ-सफाई के साथ-साथ लोगों को स्वच्छता और जिम्मेदारी का संदेश देना भी था।

फास्ट न्यूज

कोर्ट से लौट रहे बुजुर्ग की तबीयत बिगड़ी

उन्नाव। उन्नाव के हसनगंज थाना क्षेत्र में एक 60 वर्षीय बुजुर्ग की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। मंगलवार शाम को जमीन संबंधी मुकदमे की तारीख से लौटते समय उनकी तबीयत बिगड़ गई थी। परिजनों ने उन्हें जिला अस्पताल में भर्ती कराया, जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। युवक की पहचान साहपुर तोदा मजरा मुंशीखेड़ा गांव निवासी रमेश पुत्र स्व. उजागर के रूप में हुई है।

जेसीबी ड्राइवर ने फांसी लगाई

हरदोई। हरदोई शहर के मोहल्ला ऊंचा थोक में मंगलवार रात एक जेसीबी चालक ने संदिग्ध परिस्थितियों में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। 31 वर्षीय पारस घर में अकेला था। पड़ोसियों की सूचना पर पुलिस ने परिजनों की मदद से दरवाजा तोड़कर उसे बाहर निकाला, लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। मेडिकल कॉलेज ले जाने पर डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। बुधवार दोपहर पुलिस ने शव का पंचनामा भरकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया।

हरदोई स्टेशन पर ट्रेन से बिछड़ा 13 साल का किशोर

हरदोई। हरदोई रेलवे स्टेशन पर मंगलवार देर रात ट्रेन से बिछड़े 13 वर्षीय किशोर को जीआरपी ने सकुशल बरामद कर उसके परिवार से मिला दिया। किशोर अपने परिवार के साथ गोरखपुर जा रहा था, लेकिन गलती से हरदोई स्टेशन पर उतर गया और ट्रेन रवाना होने के बाद परिवार से बिछड़ गया। 'ऑपरेशन मुस्कान' के तहत जीआरपी की टीम ने गश्त के दौरान उसे प्लेटफॉर्म नंबर दो पर ओवरब्रिज के पास अकेले रोते हुए देखा।

खूंखार कुत्तों का आतंक, 11 लोगों को काटा

कटरा मोहल्ले में पालिका की लापरवाही से लोगों में आक्रोश

तमसा संकेत, एजेंसी





आने-जाने वाले राहगीरों को कुत्तों से जान का खतरा।

बाराबंकी। बाराबंकी शहर के कटरा मोहल्ले में आवारा और खूंखार कुत्तों का आतंक बढ़ गया है। इन कुत्तों ने अब तक 11 लोगों को काटकर घायल कर दिया है। स्थानीय निवासियों में दहशत का माहौल है और वे नगर पालिका प्रशासन की लापरवाही पर आक्रोश व्यक्त कर रहे हैं। दर्पण सिनेमा के पीछे स्थित कटरा मोहल्ले के निवासियों का आरोप है कि उन्होंने आवारा कुत्तों की समस्या के समाधान के लिए नगर पालिका प्रशासन से कई बार शिकायत की है। हालांकि, पालिका अधिकारियों ने इस ओर कोई ध्यान नहीं दिया है, जिससे समस्या गंभीर होती जा रही है। स्थानीय लोगों के अनुसार, आवारा कुत्तों की बढ़ती संख्या के कारण स्कूल जाने वाले छोटे बच्चों, बुजुर्गों और राहगीरों को लगातार निशाना बनाया जा रहा है। अब तक 11 लोग इन कुत्तों के काटने से गंभीर रूप से घायल हो चुके हैं। इसके बावजूद नगर पालिका ने कुत्तों को पकड़वाने या उनकी नसबंदी कराने के लिए कोई ठोस कदम नहीं उठाया है। बार-बार शिकायतें मिलने के बाद जब नगर पालिका के कर्मचारी मौके पर पहुंचे, तो वे सिर्फ डंडे लेकर कुत्तों को भगाने का प्रयास करते दिखे। कर्मचारियों से जब इस अस्थायी समाधान की प्रभावशीलता के बारे में पूछा गया, तो वे कोई संतोषजनक जवाब नहीं दे पाए। मोहल्ले के लोगों ने आरोप लगाया है कि नगर पालिका प्रशासन केवल कागजी खानापूर्ति कर रहा है और समस्या के स्थायी समाधान के लिए कोई ठोस कदम नहीं उठा रहा है।

इस लापरवाही और संवेदनहीनता के कारण कटरा मोहल्ले के निवासियों में गहरा असंतोष और आक्रोश व्याप्त है।

छात्र ने टीसी के लिए उत्पीड़न का आरोप लगाया

रामनगर के युवक ने की शिकायत

तमसा संकेत, एजेंसी



रामनगर। बाराबंकी के रामनगर स्थित इंटर कॉलेज, बरैया सूरतगंज पर एक छात्र ने स्थानांतरण प्रमाणपत्र (टीसी) देने में अनावश्यक देरी का आरोप लगाया है। छात्र उत्कर्ष सिंह ने मुख्यमंत्री से मामले की जांच और उचित कार्रवाई की मांग की है। उत्कर्ष सिंह कक्षा 11 (बायो, हिंदी माध्यम) का छात्र था। उसके छोटे भाई कार्तिक सिंह कक्षा एलकेजी और बहन मानवी सिंह कक्षा चार में पढ़ते थे। घर से विद्यालय की लगभग 13 किलोमीटर की दूरी और परिवहन की समस्या के कारण तीनों बच्चों का दाखिला 27 अप्रैल को बाराबंकी के साई इंटर कॉलेज में करा दिया गया था। उत्कर्ष ने 12 मई को बीआरजी पब्लिक इंटर कॉलेज के व्यवस्थापक को विद्यालय छोड़ने का प्रार्थना पत्र देकर तीनों बच्चों के लिए टीसी उपलब्ध कराने का अनुरोध किया। आरोप है कि पहले एक-दो दिन में टीसी देने की बात कही गई, लेकिन बाद में उन्हें जिला विद्यालय निरीक्षक (डीआईओएस) कार्यालय से काउंटर साइन कराने को कहा गया। उत्कर्ष के अनुसार, जिला विद्यालय निरीक्षक कार्यालय में पूछताछ करने पर उन्हें बताया गया कि जनपद के भीतर ही प्रवेश होने के कारण काउंटर साइन की आवश्यकता नहीं है। इसके बावजूद, विद्यालय ने जमा किए गए फॉर्म को दोबारा लेने से इनकार कर दिया।

खाद्य विभाग का अभियान, 25 किलो मिठाई नष्ट

हिन्द मेडिकल कॉलेज कैंटीन से भी नमूने लिए, 5 लैब भेजे

तमसा संकेत, एजेंसी



बाराबंकी। बाराबंकी में खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन (एफए-सडीए) ने मिलावट रोकने के लिए अभियान चलाया। सावन माह और आगामी त्योहारों के मद्देनजर यह कार्रवाई जिले के शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में की गई। इस दौरान मिठाई, डेयरी और किराना प्रतिष्ठानों का निरीक्षण किया गया। अभियान के तहत करीब 25 किलो दूषित मिठाई मौके पर ही नष्ट कराई गई, जिसकी अनुमानित कीमत 7,500 रुपये बताई गई है। इसके अतिरिक्त, दूध, खोया और पनीर सहित पांच खाद्य पदार्थों के नमूने लेकर जांच के लिए प्रयोगशाला भेजे गए हैं। सफेदाबाद स्थित हिन्द मेडिकल कॉलेज की कैंटीन का भी निरीक्षण किया गया। यहां एक्सपायरी डेट वाले खाद्य पदार्थों को अलग कराया गया। साफ-सफाई में कमी पाए जाने पर कैंटीन को नोटिस जारी कर सुधार के निर्देश दिए गए हैं। टीम ने सूरतगंज स्थित कौशल मिष्ठान भंडार का भी निरीक्षण किया, जहां से पनीर और खोया के नमूने लिए गए और लगभग 15 किलो लड्डू नष्ट कराए गए। रानीगंज बाजार स्थित यादव मिष्ठान भंडार में 10 किलो दूषित मिठाई नष्ट की गई और संचालक को नोटिस जारी किया गया। लोधौरा चौराहा स्थित गोपाल डेयरी से दूध का नमूना लिया गया। कोठी के सतनाम मिष्ठान भंडार से खोया और बंगाली स्वीट्स से पनीर के नमूने भी जांच के लिए भेजे गए हैं। कोठी स्थित सुरेंद्र किराना का भी निरीक्षण किया गया, जहां साफ-सफाई में कमी पाई गई और नोटिस जारी किया गया। खाद्य विभाग के अधिकारियों ने बताया कि प्रयोगशाला जांच में नमूने निर्धारित मानकों के विपरीत पाए जाने पर संबंधित प्रतिष्ठानों के खिलाफ खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम-2006 के तहत कानूनी कार्रवाई की जाएगी। नोटिस का अनुपालन न करने वाले प्रतिष्ठानों पर भी कार्रवाई होगी।

राष्ट्रीय लोक अदालत की तैयारी

ज्यादा से ज्यादा मामले निपटाने पर जोर, सुलह-समझौते से होगा निस्तारण

हरदोई में राष्ट्रीय लोक अदालत को लेकर बैठक हुई।

तमसा संकेत, एजेंसी



हरदोई। हरदोई में राष्ट्रीय लोक अदालत को सफल बनाने और अधिक से अधिक वादों का निस्तारण सुनिश्चित करने के उद्देश्य से न्यायिक अधिकारियों की महत्वपूर्ण बैठक हुई। इस बैठक में अधिक से अधिक वादों के निस्तारण और सुलह-समझौते के आधार पर मामलों को निपटाने पर जोर दिया गया। यह बैठक 12 अगस्त 2026 को बुधवार दोपहर 1:30 बजे आयोजित की गई थी।

अपर जिला जज एवं राष्ट्रीय लोक अदालत के नोडल अधिकारी भूपेन्द्र प्रताप की अध्यक्षता में हुई इस बैठक में जिले के सभी न्यायिक मजिस्ट्रेट अधिकारियों ने भाग लिया। माननीय जनपद न्यायाधीश एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की अध्यक्ष श्रीमती रीता कौशिक के कुशल निर्देशन में आगामी राष्ट्रीय लोक अदालत की तैयारियों पर विस्तार से चर्चा की गई। नोडल अधिकारी भूपेन्द्र प्रताप ने न्यायिक मजिस्ट्रेटों को निर्देश दिए कि राष्ट्रीय लोक अदालत में अधिकतम वादों का निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने पक्षकारों के बीच आपसी सहमति और समझौते के माध्यम से विवादों के समाधान को प्राथमिकता देने पर बल दिया। सिविल जज सीनियर डिवीजन एवं प्रभारी सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण स्मिता गोस्वामी ने बताया कि राष्ट्रीय लोक अदालत 12 सितंबर 2026 को आयोजित होगी। इसमें समझौते योग्य आपराधिक मामले, धारा 138 एनआई एक्ट से संबंधित मामले, मोटर दुर्घटना प्रतिकर मामले, वैवाहिक मामले, श्रम विवाद, भूमि अधिग्रहण मामले, विद्युत बिल से संबंधित मामले, सिविल वाद और राजस्व वाद आदि का निस्तारण किया जाएगा। हालांकि, विद्युत से संबंधित अशमनीय वादों को इसके दायरे से बाहर रखा गया है। बैठक में अधिकारियों ने लोक अदालत के माध्यम से मामलों के शीघ्र और आपसी सहमति से निस्तारण के महत्व पर भी चर्चा की। लोक अदालत के जरिए पक्षकारों को लंबी न्यायिक प्रक्रिया से राहत मिलने के साथ विवादों का सरल तरीके से समाधान संभव होता है। इस महत्वपूर्ण बैठक में मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट ऋचा वर्मा, अपर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट अंजली रानी, अनुराग यादव, ऋचा शर्मा, सचिन वर्मा, अपर सिविल जज सीनियर डिवीजन कल्पना यादव, अर्शी नूर, सिविल जज जूनियर डिवीजन कुमार आशीष, न्यायिक मजिस्ट्रेट मोहम्मद यूनिस, साक्षी चौधरी, लवलेश कुमार और विशाल दीक्षित सहित अन्य न्यायिक अधिकारी उपस्थित रहे।

परेशानी : बसपा के पूर्व प्रत्याशी ने पावर हाउस को जालामऊ से जोड़ने की मांग उठाई

बिजली कटौती से 2.5 लाख आबादी प्रभावित

तमसा संकेत, एजेंसी



उन्नाव। उन्नाव के औरास क्षेत्र में लगातार बिजली कटौती और ट्रिपिंग की समस्या से लोग परेशान हैं। लोगों को राहत दिलाने के लिए बुधवार को बसपा के पूर्व विधानसभा प्रत्याशी शंकर लाल गौतम ने विद्युत विभाग के अधिकारियों को पत्र सौंपकर औरास पावर हाउस को जालामऊ (रहीमाबाद) स्थित 132 केवी पावर हाउस से जोड़ने की मांग की। यह पत्र अधिशासी अभियंता विद्युत वितरण खंड पंचम, हसनगंज की अनुपस्थिति में उपखंड अधिकारी हसनगंज एसपी वर्मा को सौंपा गया। वर्तमान में औरास पावर हाउस को मियागंज स्थित 33 केवी पावर हाउस से बिजली आपूर्ति मिलती है। क्षेत्रवासियों का कहना है कि मियागंज से औरास की अधिक दूरी होने के कारण 33 केवी लाइन में आए दिन ट्रिपिंग और ब्रेकडाउन की समस्या होती है। इसका असर घरेलू उपभोक्ताओं के साथ-साथ सरकारी और व्यावसायिक संस्थानों पर भी पड़ रहा है। बिजली संकट का असर औरास विकासखंड, नगर पंचायत, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, बैंक और विद्यालयों समेत कई संस्थानों पर पड़ रहा है।

क्षेत्र की करीब 2.5 लाख से अधिक आबादी बिजली कटौती से प्रभावित होने का दावा किया जा रहा है।

लगातार बिजली गुल रहने से नवजात बच्चों, गर्भवती महिलाओं और बुजुर्गों को भी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

10 किलोमीटर दूर है 132 केवी पावर हाउस

शंकर लाल गौतम ने पत्र में बताया कि जालामऊ (रहीमाबाद) स्थित 132 केवी पावर हाउस औरास से करीब 10 किलोमीटर दूर है। उन्होंने सुझाव दिया कि यदि औरास पावर हाउस को जालामऊ से जोड़ दिया जाए तो लंबी दूरी की 33 केवी लाइन पर निर्भरता कम हो सकती है। इससे ट्रिपिंग और ब्रेकडाउन की समस्या में कमी आने की उम्मीद है। उन्होंने विभाग से जल्द आवश्यक कार्रवाई करने की मांग की है।



एसडीओ पर लापरवाही का आरोप, 48 घंटे बिजली गुल रहने का दावा

इस बीच ग्रामीणों ने मियागंज के एसडीओ धर्मेंद्र कुमार पर भी लापरवाही का आरोप लगाया है। ग्रामीणों का कहना है कि एसडीओ का सीयूजी नंबर अक्सर बंद रहता है, जिससे बिजली संबंधी शिकायतों के समाधान में दिक्कत होती है। ग्रामीणों के मुताबिक, हाल ही में क्षेत्र में करीब 48 घंटे तक बिजली आपूर्ति बाधित रही थी। लगातार बिजली कटौती और अधिकारियों से संपर्क नहीं हो पाने के कारण लोगों में विभाग के प्रति नाराजगी बढ़ रही है। ग्रामीणों ने अधिकारियों से बिजली व्यवस्था में सुधार कर निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित कराने की मांग की है।

डीआरएम ने उन्नाव स्टेशन पर निर्माण कार्य की प्रगति जांची

उन्नाव में अमृत भारत योजना के तहत तेजी लाने के निर्देश दिए

तमसा संकेत, एजेंसी



उन्नाव। उत्तर रेलवे के लखनऊ मंडल के डीआरएम सुनील कुमार वर्मा ने बुधवार दोपहर उन्नाव रेलवे स्टेशन का निरीक्षण किया। उन्होंने अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत चल रहे निर्माण कार्यों की प्रगति का जायजा लिया और संबंधित अधिकारियों-कर्मचारियों को काम में तेजी लाने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान डीआरएम ने स्टेशन भवन के निर्माण, फाउंडेशन और कॉलम के चल रहे कार्यों की जानकारी ली। उन्होंने बताया कि अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत लगभग 90 मीटर लंबे भवन का निर्माण किया जा रहा है। डीआरएम के अनुसार, भवन के लगभग 40 मीटर हिस्से में फाउंडेशन स्तर तक का निर्माण कार्य पूरा हो चुका है और कॉलम लगाने का काम जारी है। इस हिस्से का निर्माण पूरा होने के बाद शेष लगभग 50 मीटर हिस्से पर काम शुरू किया जाएगा।

उन्होंने जोर दिया कि निर्माण कार्य में किसी भी तरह की अनावश्यक देरी न हो। रेलवे की प्राथमिकता है कि स्टेशन के विकास कार्य को अगले वर्ष के मध्य तक पूरा कर लिया जाए। इसके लिए अधिकारियों को लगातार निगरानी और तेजी से काम करने के निर्देश दिए गए हैं। निरीक्षण के दौरान रेलवे ट्रैक से जुड़ी एक प्रस्तावित परियोजना को लेकर भी सवाल किया गया। बताया गया कि इस परियोजना का सर्वे पूर्व सांसद अन्नू टंडन के कार्यकाल में वर्ष 2012 में कराया गया था। इस पर डीआरएम सुनील कुमार वर्मा ने कहा कि उन्हें परियोजना के संबंध में विस्तृत जानकारी लेनी होगी। जानकारी मिलने के बाद ही इसके शुरू होने की स्थिति स्पष्ट हो सकेगी। डीआरएम के इस निरीक्षण से उन्नाव रेलवे स्टेशन पर चल रहे अमृत भारत योजना के कार्यों को गति मिलने की उम्मीद है। अधिकारियों ने सभी निर्माण कार्यों को समयबद्ध तरीके से पूरा करने पर जोर दिया।

सम्पादकीय

संसद में सड़क की राजनीति



यह हास्यास्पद है कि जो विपक्ष और विशेष रूप से कांग्रेस जंतर-मंतर पर जुटी भीड़ के संसद मार्च में हुई हिंसा पर गृह मंत्री अमित शाह के जवाब की जिद पकड़े थी, वह अचानक उनका जवाब सुनने में आनाकानी करती हुई दिखाई देने लगी। इसके लिए राहुल गांधी यहां तक कहने लगे कि इस मामले में उसे गृह मंत्री से यह जानना है कि कथित तौर पर गोली चलाने के आदेश यदि उन्होंने नहीं दिए थे तो क्या वे इससे अनजान हैं कि किसने दिए थे?

क्या इससे बेतुकी बात और कोई हो सकती है? क्या राहुल गांधी यह कहने की कोशिश करते नहीं दिखते कि इस मसले पर गृह मंत्री वही जवाब दें, जो वे सुनना चाहते हैं? हैरानी नहीं कि कल को वे यह कहते दिखाई दें कि सरकार को विपक्ष के सवालों के जवाब में जो कुछ बोलना है, वह इसका निर्धारण खुद करेंगे। उनके इसी विचित्र रवैये के कारण सत्तापक्ष के सांसद संसद परिसर में ऐसे बैनरों के साथ दिखे कि राहुल गांधी भागो मत। उनसे झारखंड में छात्रों पर लाठीचार्ज के मामले में भी जवाब मांगा गया। यह स्थिति यही रेखांकित करने वाली है कि संसद में किसी भी विषय पर गंभीर चर्चा के लिए स्थान किस तरह लगातार कम होता जा रहा है। संसद में सड़क जैसी राजनीति होना दुर्भाग्यपूर्ण है। विपक्ष यह साधारण सी बात समझने के लिए तैयार नहीं कि संसद में हंगामा करने से वह केवल अपना अहित ही नहीं करता, बल्कि सत्तापक्ष का काम आसान करता है और उसे जवाबदेह बनाने के अवसर भी गंवाता है। विपक्षी दलों को यह नजर आना चाहिए कि उनके हंगामे के बाद भी कई विधेयक पारित होते जा रहे हैं। क्या इसका सीधा मतलब यह नहीं कि विपक्ष की दिलचस्पी यह जानने-समझने में कतई नहीं कि किसी प्रस्तावित कानून में क्या प्रविधान किए जा रहे हैं? यह ठीक नहीं कि संसद में विधेयक बिना चर्चा के पारित हो जाए, लेकिन ऐसा हो रहा है। इसके लिए विपक्ष ही अधिक जिम्मेदार है। वह संसद को बंधक बनाकर आवश्यक कामों में अड़ंगा लगाने के साथ जिम्मेदार विपक्ष की अपनी भूमिका का एक तरह से जानबूझकर परित्याग भी कर रहा है। ऐसा उसके हंगामा प्रेम के चलते हो रहा है। इस पर संदेह है कि विपक्ष सचमुच यह जानना चाहता है कि संसद मार्च में हिंसा किन परिस्थितियों में हुई या फिर राम मंदिर में चढ़ावा चोरी किन कारणों से हुई और उनके लिए कौन उत्तरदायी है? वह यह दिखावा करने को तो तत्पर है कि इन मुद्दों पर वह अत्यंत संवेदनशील है, लेकिन जिसे वह अपनी संवेदनशीलता के रूप में प्रचारित करना चाहता है, वह वस्तुतः उसकी सस्ती राजनीति है। सत्तापक्ष को विपक्ष को उसी की शैली में जवाब देने के बजाय इस सस्ती राजनीति का उचित तरीके से प्रतिकार करना सीखना होगा।

रिश्तों में हो तारतम्यता

रिश्तों मे मिठास न हो तो,वे केवल भार भूत बन जाते हैं। वह सामन्जस्य के अभाव मे तार-तार होकर, बिखर जाते हैं। वह वृक्ष भी बिना पोषण-संरक्षण के नहीं फलते-फूलते हैं । वह सौहार्द के सिंचन से मुरझाए हुए गुलशन भी निखर जाते हैं। दुनिया की सारी समस्याओं का निराकरण केवल इन दो पंक्तियों में है। हमको जब क्रोध आये तो थोडा रूक जाए । वह जब हमसे गलती हो तो थोडा झुक जाए । हमको जीवन में अभिमान किस बात का,खुशी दीजिये बदले में खुशी पाइये। हमारा जीवन बडा अनमोल है और व्यक्ति गलतियों का पुतला । गलती आपकी हो या हमारी रिश्ता तो अपना ही है नाAccept & Adjust . रिश्तों से अपेक्षा रखना कोई स्वार्थ नहीं हैं । मगर अपेक्षा के लिए रिश्ते रखना, स्वार्थ है ! ये हमेशा दुःख देती हैं। हमारे आपस के रिश्तों में कहीं तनाव हैं और दूसरों की बातों या बर्ताव से हम दुःखी हैं तो इसका सरल सा समाधान यह हैं कि हम आपस में बातचीत कर लें । वह हमारे द्वारा एक दूसरे को समझने से बिगड़े हुए रिश्तों में सुधार हो सकता हैं । वह हमारे द्वारा हर संभव कोशिश के बाद भी रिश्तें नहीं पनप रहें हों, तो हमको स्वयं के लिए खड़ा होना ही पड़ेगा । वह हम स्वयं को ऐसे आगे बढ़ रिश्तों में मिठास भर करना ही उचित होगा । फूलों में सुवास और रिश्तों में मिठास दोनों ही जीवन में आनंद का आभास देते हैं । इसलिए सदा रिश्तों को हरा-भरा रखने का प्रयास हो। यह केवल कपोल कल्पना नहीं है। यह दिवा सपना नहीं है। यह Harvard University की एक शोध Study का सारांश उनका अपना है । अतः हम समझें कि छोटी-छोटी बातों को लेकर तनाव की गनीमत जीवन में रिश्तों की कीमत में न लाएं । वैसे भी तो रिश्तों के धागे बहुत नाजुक होते हैं। वे नासमझ है जो रिश्तों को हल्के में लेते हैं। एक बात और मैं मानता हूं कि रिश्ते निभाने के लिए नम्र एवं कुशल व्यवहार चाहिए एवं नियमित कुछ समय के नियोजन की भी दरकार है । पर जीवन में उनकी अहमियत एवं रिश्तों की कीमत समझें ।

› प्रदीप छाजेड़

अंगदान की संस्कृति ही मानवता को नई दिशा दे सकती है

> 66
> आधुनिक चिकित्सा विज्ञान ने इस मानवीय भावना को वास्तविक जीवन बचाने की शक्ति प्रदान कर दी है। वर्ष 1954 में दुनिया का पहला सफल मानव किडनी प्रत्यारोपण हुआ। रोनाल्ड ली हेरिक ने अपनी एक किडनी अपने जुड़वां भाई रिचर्ड को दान की थी।



मनुष्य जीवनभर अपने लिए बहुत कुछ अर्जित करता है-धन, संपत्ति, प्रतिष्ठा, संबंध और सुविधाएँ। लेकिन जीवन की अंतिम घड़ी में इन सबका महत्व समाप्त हो जाता है। तब यदि हमारे शरीर का कोई अंग किसी दूसरे मनुष्य की धड़कन बन जाए, हमारी आँखें किसी अंधेरे जीवन में रोशनी भर दें, हमारा यकृत या गुर्दा किसी परिवार के बुझते चिराग को फिर से जला दे, तो इससे बड़ी जीवन-सार्थकता और क्या हो सकती है? अंगदान मृत्यु के बाद भी जीवन को जारी रखने की वह मानवीय संभावना है, जो मनुष्य को केवल अपने लिए जीने वाले प्राणी से उठाकर मानवता के लिए जीने वाला बना देती है। विश्व अंगदान दिवस हमें इसी महान विचार से जोड़ता है। आज आवश्यकता केवल अंगदान के बारे में जानकारी देने की नहीं, बल्कि हमारी सोच बदलने की है। हमें यह प्रश्न अपने आप से पूछना होगा कि जिस शरीर को मृत्यु के बाद पंचतत्व में विलीन होना है, उसके उपयोगी अंग यदि किसी दूसरे व्यक्ति को जीवन दे सकते हैं तो उन्हें अपने साथ मिट्टी में मिला देना अधिक सार्थक है या किसी की सांसों का हिस्सा बना देना? मृत्यु निश्चित है, लेकिन मृत्यु के बाद भी किसी के जीवन का कारण बनना हमारे हाथ में है।

भारत की सांस्कृतिक स्मृति में शरीर और जीवन के महान त्याग की परंपरा बहुत पुरानी है। महर्षि दधीचि की कथा इसका सबसे प्रभावशाली उदाहरण है। पौराणिक परंपरा के अनुसार जब देवताओं को असुरों से संघर्ष के लिए ऐसे अस्त्र की आवश्यकता हुई जिसे दधीचि की अस्थियों से बनाया जा सके, तब महर्षि दधीचि ने लोककल्याण के लिए अपना शरीर ही त्याग दिया। उनकी अस्थियों से वज्र बनाया गया और उससे जनकल्याण की रक्षा हुई। यह कथा आधुनिक अर्थों में अंगदान की चिकित्सकीय प्रक्रिया नहीं है, लेकिन अपने शरीर को भी समाज और सृष्टि के कल्याण के लिए समर्पित कर देने की भारतीय त्याग-चेतना का अत्यंत शक्तिशाली प्रतीक अवश्य है। भारत के राष्ट्रपति सचिवालय ने भी अंग एवं देहदान की भारतीय परंपरा को समझाते हुए महर्षि दधीचि के इस प्रसंग का उल्लेख किया है। हमारी परंपरा में राजा शिवि की कथा भी त्याग और जीव-दया की अद्भुत मिसाल है। एक कबूतर की रक्षा के लिए उन्होंने अपने शरीर का मांस तक देने की तत्परता दिखाई। चाहे ये प्रसंग धार्मिक आख्यान हों, लेकिन इनके भीतर छिपा संदेश आज भी उतना ही प्रासंगिक है-अपने जीवन और शरीर को केवल अपनी निजी संपत्ति न समझना, बल्कि उसे व्यापक जीवन के कल्याण से जोड़ना। जैन दर्शन का सूत्र "परस्परोपग्रहो जीवानाम्" भी यही बताता है कि जीव एक-दूसरे के उपकार के लिए हैं। अंगदान इस विचार का आधुनिक वैज्ञानिक रूप कहा जा सकता है। यह घटना चिकित्सा इतिहास में एक ऐसी क्रांति की शुरुआत बनी, जिसने आगे चलकर अंग प्रत्यारोपण को लाखों लोगों के लिए जीवन की आशा बना दिया। इसके बाद 1967 में मानव हृदय प्रत्यारोपण की सफलता ने यह सिद्ध कर दिया कि चिकित्सा विज्ञान मनुष्य की मृत्यु और जीवन के बीच खड़ी कई दीवारों को तोड़ सकता है। भारत ने भी इस क्षेत्र में उल्लेखनीय यात्रा की है। देश में पहला सफल किडनी प्रत्यारोपण 1 दिसंबर 1971 को चेन्नई के क्रिश्चियन मेडिकल कॉलेज, वेल्लोर में हुआ था। उस समय शायद किसी ने कल्पना भी नहीं की होगी कि एक दिन भारत में हजारों लोगों के लिए अंग प्रत्यारोपण जीवन का नया द्वार बनेगा। आज चिकित्सा तकनीक इतनी आगे बढ़ चुकी है कि किडनी, लिवर, हृदय, फेफड़े, अग्न्याशय और आंत जैसे अंगों के साथ कॉर्निया, त्वचा, हड्डी और हृदय वाल्व जैसे ऊतकों का भी प्रत्यारोपण संभव है। लेकिन विज्ञान की क्षमता जितनी बढ़ी है, हमारी सामाजिक चेतना उस गति से नहीं बढ़ पाई। यही सबसे बड़ी चुनौती है। भारत में आज भी प्रत्यारोपण की आवश्यकता और उपलब्ध अंगों के बीच बड़ा अंतर है। सरकारी आंकड़े बताते हैं कि 2024 में देश में अंग प्रत्यारोपण की गतिविधि व्यापक रही, लेकिन मृतक दाताओं की संख्या अभी भी आवश्यकता की तुलना में



बहुत कम है। इसका अर्थ साफ है-हमारे अस्पतालों में तकनीक है, डॉक्टर हैं, सर्जरी की क्षमता है, लेकिन जीवन बचाने के लिए पर्याप्त अंग नहीं हैं। इस स्थिति को बदलने के लिए हमें अंगदान को मृत्यु की चर्चा नहीं, जीवन की चर्चा बनाना होगा। परिवारों में इस विषय पर समय रहते बातचीत होनी चाहिए। स्कूलों, विश्वविद्यालयों, धार्मिक संस्थाओं, सामाजिक संगठनों और मीडिया को मिलकर ऐसी वातावरण-निर्मिति करनी होगी जिसमें अंगदान सुनते ही भय नहीं, बल्कि करुणा और जीवन बचाने का भाव पैदा हो। आज भी अनेक लोग सोचते हैं कि मृत्यु के बाद शरीर को क्षति पहुँचाना धर्म के विरुद्ध है। कुछ लोगों को अगले जन्म की चिंता होती है, कुछ को शरीर के साथ होने वाली चिकित्सा प्रक्रिया का भय होता है और कुछ परिवार अंतिम समय में मानसिक रूप से इतने टूट जाते हैं कि अंगदान का निर्णय नहीं ले पाते। इन भ्रमों का समाधान टकराव से नहीं, संवाद, संवेदना और वैज्ञानिक जानकारी से होगा। सबसे महत्वपूर्ण बात यह समझनी होगी कि अंगदान किसी पर थोपा जाने वाला धार्मिक या सामाजिक कर्तव्य नहीं है। यह एक स्वैच्छिक, नैतिक और मानवीय निर्णय है, जिसे व्यक्ति को विश्वसनीय चिकित्सा एवं कानूनी जानकारी के आधार पर लेना चाहिए। लेकिन यदि कोई व्यक्ति स्वेच्छा से यह संकल्प करता है कि मृत्यु के बाद उसके उपयोगी अंग किसी जरूरतमंद को मिलें, तो वह अपने जीवन की अंतिम घड़ी को भी मानवता के उत्सव में बदल सकता है। भारत में अंगदान की प्रेरक घटनाएँ लगातार सामने आ रही हैं। हाल ही में नागपुर में 52 वर्षीय शिक्षक कोंडबा दत्तात्रेय मडावी मृतक अंगदान करने वाले 200वें दाता बने, उनके अंगों से तीन लोगों को नया जीवन मिला। ऐसी घटनाएँ हमें बताती हैं कि अंगदान कोई दूर की आदर्शवादी कल्पना नहीं, बल्कि हमारे आसपास घटने वाली वास्तविक जीवन-बचाने वाली प्रक्रिया है। दिल्ली में 70 वर्षीय मृत महिला के गुर्दों का सफल उपयोग कर एक 56 वर्षीय महिला को जीवन की नई उम्मीद मिली-यह घटना यह भी बताती है कि केवल उम्र के आधार पर किसी संभावित दाता के अंगों को अनुपयोगी मान लेना उचित नहीं है, अंतिम निर्णय चिकित्सा स्थिति पर निर्भर करता है।

ललित गर्ग

इसी बढ़ती आर्थिक...

सनोज राणा

विश्व बैंक-आईएमएफ को ब्रिक्स की चुनौती



विश्व राजनीति और अर्थव्यवस्था एक नए दौर में प्रवेश कर रही है। बीते कुछ वर्षों में BRICS केवल उभरती अर्थव्यवस्थाओं का समूह नहीं रहा बल्कि वैश्विक आर्थिक शासन में सुधार की मांग करने वाला एक प्रभावशाली मंच बनकर उभरा है। ऐसे समय में यह प्रश्न स्वाभाविक है कि क्या BRICS विश्व बैंक (World Bank) और अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (IMF) जैसी संस्थाओं का वास्तविक विकल्प बन सकता है? इसका उत्तर अभी पूरी तरह "हाँ" नहीं है, लेकिन यह अवश्य कहा जा सकता है कि BRICS ने वैश्विक वित्तीय व्यवस्था को नई दिशा देने की मजबूत शुरुआत कर दी है।

विश्व बैंक और IMF की स्थापना द्वितीय विश्व युद्ध के बाद वैश्विक आर्थिक पुनर्निर्माण और वित्तीय स्थिरता के उद्देश्य से हुई थी। पिछले आठ दशकों में इन संस्थाओं ने अनेक देशों के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई लेकिन समय के साथ इन पर पश्चिमी देशों, विशेषकर अमेरिका और यूरोप, के अत्यधिक प्रभाव के आरोप भी लगते रहे। विकासशील देशों का मानना है कि इन संस्थाओं में मतदान अधिकारों का वितरण असमान है तथा ऋण देने के साथ लगाई जाने वाली कठोर शर्तें कई बार उनकी आर्थिक नीतियों और संप्रभुता को प्रभावित करती हैं। यही असंतोष BRICS जैसे वैकल्पिक मंच के उदय का प्रमुख कारण बना। आज BRICS केवल अपने पाँच संस्थापक सदस्यों—ब्राज़ील, रूस, भारत, चीन और दक्षिण अफ्रीका—तक सीमित नहीं है। संगठन का विस्तार इसकी बढ़ती वैश्विक स्वीकार्यता का प्रमाण है। अब इसमें मिस्र, इथियोपिया, इंडोनेशिया, ईरान और संयुक्त अरब अमीरात भी शामिल हो चुके हैं। नए सदस्यों के जुड़ने से BRICS की जनसंख्या, ऊर्जा संसाधन, बाजार और आर्थिक क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। यह विस्तार स्पष्ट संकेत देता है कि वैश्विक दक्षिण के अनेक देश पश्चिम-प्रधान वित्तीय व्यवस्था के समानांतर एक अधिक संतुलित और प्रतिनिधिक मंच की तलाश में हैं।

BRICS की आर्थिक शक्ति उसके व्यापारिक प्रदर्शन से भी स्पष्ट होती है। वर्ष 2003 की तुलना में BRICS देशों का वस्तु व्यापार 13 गुना से अधिक बढ़ चुका है। वर्ष 2024 में इन देशों का कुल निर्यात लगभग 1.17 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर तक पहुँच गया। इस वृद्धि में चीन सबसे बड़ा प्रेरक बना हुआ है, जबकि भारत, ब्राज़ील, इंडोनेशिया, रूस और संयुक्त अरब अमीरात ने भी निर्यात और क्षेत्रीय आर्थिक सहयोग को नई गति दी है। ये आँकड़े बताते हैं कि BRICS अब केवल राजनीतिक विमर्श का मंच नहीं, बल्कि वैश्विक व्यापार और निवेश की एक महत्वपूर्ण आर्थिक शक्ति बन चुका है।

इसी बढ़ती आर्थिक क्षमता को संस्थागत रूप देने के लिए वर्ष 2014 में न्यू डेवलपमेंट बैंक की स्थापना की गई। इस बैंक का उद्देश्य विकासशील देशों में आधारभूत संरचना, स्वच्छ ऊर्जा, परिवहन, जल प्रबंधन और सतत विकास से जुड़ी परियोजनाओं को वित्तीय सहायता प्रदान करना है। इसकी सबसे बड़ी विशेषता यह है कि इसके संस्थापक सदस्यों को अपेक्षाकृत समान निर्णयकारी अधिकार दिए गए हैं। पिछले कुछ वर्षों में NDB ने भारत सहित कई देशों में ऊर्जा, सड़क, रेल और हरित विकास से जुड़ी परियोजनाओं को वित्तपोषित किया है। इससे विकासशील देशों के सामने वित्तीय सहायता का एक नया विकल्प उपलब्ध हुआ है।

इसके साथ ही BRICS ने आकस्मिक आरक्षित व्यवस्था(CRA) के रूप में 100 अरब डॉलर का एक साझा सुरक्षा कोष भी बनाया है। इसका उद्देश्य भुगतान संतुलन या विदेशी मुद्रा संकट की स्थिति में सदस्य देशों को तत्काल वित्तीय सहायता उपलब्ध कराना है। इसे IMF के विकल्प के रूप में देखा जाता है। हालांकि अब तक इसका वास्तविक उपयोग नहीं हुआ है, इसलिए इसकी प्रभावशीलता की अंतिम परीक्षा अभी शेष है।

उच्च शिक्षा की...

धर्मवीर खरे

प्रदेश के उच्च शिक्षा क्षेत्र में पारदर्शी व्यवस्था, डिजिटल गवर्नेंस और लाखों शिक्षकों के लिए कैशलेस चिकित्सा का प्रावधान

उत्तर प्रदेश में सुशासन, तकनीक आधारित पारदर्शी व्यवस्था और जन-कल्याणकारी योजनाओं को जमीनी स्तर पर उतारने की दिशा में मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जी के नेतृत्व में उच्च शिक्षा विभाग ने अभूतपूर्व और ऐतिहासिक कदम उठाए हैं। जहाँ पूर्व में उच्च शिक्षण संस्थानों में प्रशासनिक प्रक्रियाओं, गुणवत्ता नियंत्रण और कर्मचारियों की सुविधाओं को लेकर जटिलता और विलंब की स्थिति बनी रहती थी, वहीं आज वही व्यवस्था पूरी तरह आधुनिक, पारदर्शी और तकनीक-संचालित हो चुकी है। राज्य का उच्च शिक्षा विभाग न केवल विद्यार्थियों को रोजगारपरक व गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध करा रहा है, बल्कि शिक्षकों एवं कर्मचारियों के कल्याण हेतु भी ऐतिहासिक निर्णय ले रहा है। मुख्यमंत्री जी का स्पष्ट विजन रहा है कि शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार के साथ-साथ प्रशासनिक प्रक्रियाओं को पारदर्शी बनाया जाए। इसी सोच को साकार करते हुए उच्च शिक्षा विभाग द्वारा किए गए 7 मुख्य सुधार प्रदेश के लाखों विद्यार्थियों, शिक्षकों और कर्मचारियों के जीवन में सकारात्मक बदलाव ला रहे हैं। उत्तर प्रदेश में उच्च शिक्षा को सर्वसुलभ बनाने हेतु राज्य में 24 राज्य विश्वविद्यालय, 56 निजी विश्वविद्यालय, 1 डीम्ड विश्वविद्यालय, 1 मुक्त विश्वविद्यालय, 216 राजकीय महाविद्यालय, 330 अशासकीय सहायता प्राप्त महाविद्यालय एवं 7,526 स्ववित्तपोषित महाविद्यालय सफलतापूर्वक संचालित किए जा रहे हैं। प्रदेश के मुख्यमंत्री जी ने उच्च शिक्षा को बढ़ावा देते हुए प्रदेश में 71 नए राजकीय महाविद्यालयों का गठन एवं पद सृजन किया है।

प्रदेश के दूरदराज के क्षेत्रों तक उच्च शिक्षा पहुँचाने के लिए 71 नए राजकीय महाविद्यालयों में 1,207 शैक्षणिक (प्राचार्य, सहायक आचार्य, प्रवक्ता पुस्तकालय) तथा 142 तृतीय श्रेणी पदों का सृजन किया गया है। इनमें से 46 महाविद्यालयों में सत्र 2025-26 से शैक्षणिक कार्य एवं प्रवेश प्रक्रिया प्रारंभ भी कर दी गई है। उच्च शिक्षा की गुणवत्ता और सुशासन को सुदृढ़ करने हेतु शासन के आदेश (06 अगस्त, 2025) के अनुक्रम में प्रदेश के अवशेष 10 मण्डलों में नए क्षेत्रीय उच्च शिक्षा अधिकारी कार्यालय स्थापित कर अधिकारियों की तैनाती कर दी गई है। उच्च शिक्षण संस्थानों में पठन-पाठन की गुणवत्ता सुनिश्चित करने और राष्ट्रीय मानकों के अनुरूप संस्थानों का विकास करने के लिए ैस्फ।ब् का गठन किया गया है, जो पूर्ण रूप से क्रियाशील है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 का प्रभावी क्रियान्वयन उच्च शिक्षण संस्थानों में किया जा रहा है। छम्च्-2020 के लक्ष्यों की पूर्ति हेतु प्रदेश के सभी विश्वविद्यालयों और महाविद्यालयों में 'चॉइस बेस्ड क्रेडिट सिस्टम' (ब्ठब्ै), 'मल्टीपल एंट्री-एग्जिट सिस्टम' तथा रोजगारपरक वोकेशनल एवं वैल्यू एडेड पाठ्यक्रम संचालित किए जा रहे हैं। डिजिटल गवर्नेंस को बढ़ावा देने हेतु उच्च शिक्षा निदेशालय, प्रयागराज सहित समस्त क्षेत्रीय उच्च शिक्षा अधिकारी कार्यालयों एवं राजकीय महाविद्यालयों में पत्रावलियों का संचालन ई-ऑफिस माध्यम से अनिवार्य कर दिया गया है।

जरा हटके

बरेली जनपद में ...

डॉ0 सीमा गुप्ता

हुनर से सम्मान तक: बरेली में कौशल विकास मिशन से संवरता युवाओं का भविष्य

उत्तर प्रदेश सरकार राज्य के युवाओं को स्वावलंबी, दक्ष और वैश्विक मानकों के अनुरूप प्रतिस्पर्धी बनाने के प्रति पूर्णतः कटिबद्ध है। इसी दूरदर्शी सोच के तहत स्थापित 'उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन' ने प्रदेश के आर्थिक और सामाजिक परिदृश्य को एक नई दिशा प्रदान की है। इस योजना का मुख्य उद्देश्य राज्य के 14 से 35 वर्ष के युवाओं-विशेष रूप से समाज के वंचित, ग्रामीण, आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों, महिलाओं तथा दिव्यांगजनों को निशुल्क, उद्योग-संबद्ध और गुणवत्तापूर्ण कौशल प्रशिक्षण प्रदान कर उन्हें स्थायी रोजगार एवं स्वरोजगार के अवसरों से जोड़ना है।

राज्य सरकार द्वारा विभिन्न विभागों की पृथक योजनाओं को समाहित कर एक पारदर्शी, एकीकृत और प्रभावी ढांचा तैयार किया गया है। इस तंत्र का उद्देश्य शिक्षा बीच में छोड़ने वाले अथवा औपचारिक व्यावसायिक प्रशिक्षण से वंचित युवाओं को आधुनिक तकनीकी कौशल, बुनियादी कंप्यूटर साक्षरता और सॉफ्ट स्किल्स से लैस करना है, ताकि वे प्रदेश को देश का प्रमुख औद्योगिक और कौशल हब बनाने में अपनी सक्रिय भागीदारी दर्ज करा सकें।

इस राज्यस्तरीय दूरदर्शी नीति का अत्यंत व्यावहारिक, सकारात्मक और व्यापक प्रभाव बरेली जनपद में देखने को मिल रहा है। बरेली में जहां कभी आर्थिक मजबूरियां और प्रतिकूल सामाजिक परिस्थितियां बेटियों तथा युवाओं के सपनों की राह में बाधा बन जाती थीं, वहीं आज ये युवा कौशल और आत्मविश्वास के बल पर अपनी अलग पहचान बना रहे हैं।

जिला प्रशासन की देखरेख में संचालित कौशल विकास मिशन ने जनपद की हजारों युवतियों और युवाओं को न केवल रोजगारपरक प्रशिक्षण दिया है, बल्कि उन्हें आत्मनिर्भर बनने का गरिमापूर्ण अवसर भी प्रदान किया है। बरेली जनपद की अनेक बेटियां इस पहल का लाभ उठाकर आज सम्मानजनक जीवन जी रही हैं और समाज के अन्य वर्गों के लिए प्रेरणा का स्रोत बनी हैं।

बरेली जनपद में संचालित कौशल विकास केंद्रों पर हेल्थ केयर, ब्यूटी एंड वेलनेस, फैशन डिजाइनिंग, रिटेल, फूड प्रोसेसिंग, ग्रीन जॉब्स एवं अन्य रोजगारपरक पाठ्यक्रम निशुल्क संचालित किए जा रहे हैं। इन पाठ्यक्रमों ने विशेष रूप से युवतियों को अपने पैरों पर खड़ा होने का मजबूत आधार दिया है। हेल्थ केयर और ब्यूटी एंड वेलनेस जैसे क्षेत्रों में प्रशिक्षणार्थियों की विशेष रुचि यह दर्शाती है कि राज्य की बेटियां अब गैर-पारंपरिक और नए रोजगार क्षेत्रों में भी तेजी से आगे बढ़ रही हैं।

जनपद की अनेक ऐसी कहानियां हैं जो इस नीति की सफलता को प्रमाणित करती हैं। सुभाषनगर निवासी स्वाति वैश्य बचपन से ही आत्मनिर्भर बनना चाहती थीं। विवाह के उपरांत पारिवारिक जिम्मेदारियों के बीच भी उन्होंने अपने सपनों को जीवित रखा और वर्ष 2025 में ब्यूटी एंड वेलनेस का प्रशिक्षण प्राप्त किया। प्रशिक्षण के उपरांत स्वाति ने स्वयं का ब्यूटी पार्लर शुरू किया। आज वह न केवल अपने परिवार की आर्थिक स्थिति को मजबूत बना रही हैं, बल्कि अन्य जरूरतमंद युवतियों और महिलाओं को निशुल्क प्रशिक्षण देकर उन्हें भी स्वावलंबी बनने के लिए प्रेरित कर रही हैं।

इसी क्रम में रीना की कहानी संघर्ष और सफलता का एक अत्यंत प्रेरक उदाहरण है। 'जनरल ड्यूटी असिस्टेंट' का प्रशिक्षण पूरा करने के उपरांत उन्हें बरेली के एक अस्पताल में रोजगार मिला। पिता के निधन के बाद रीना पर पूरे परिवार की जिम्मेदारी आ गई थी, लेकिन उन्होंने हार नहीं मानी। अपने कौशल और मेहनत के दम पर आज वह एक प्रतिष्ठित अस्पताल में कार्यरत हैं और पूरे आत्मविश्वास के साथ अपने परिवार का मुख्य सहारा बनी हुई हैं। इसी प्रकार, नवाबगंज की नीलम कुमारी ने वर्ष 2023 में फैशन डिजाइनिंग का प्रशिक्षण प्राप्त किया। विवाह के पश्चात भी उन्होंने अपने सपनों को रुकने नहीं दिया और प्रशिक्षण से प्राप्त कौशल के बल पर आज वह एक प्रतिष्ठित कंपनी में फैशन डिजाइनर के रूप में सफलतापूर्वक कार्यरत हैं। नीलम कुमारी का मानना है कि कौशल विकास मिशन ने उन्हें न केवल प्रशिक्षण प्रदान किया, बल्कि अपने सपनों को साकार करने का अटूट साहस और आत्मविश्वास भी दिया।

ये सभी उदाहरण सिद्ध करते हैं कि सही दिशा, गुणवत्तापूर्ण प्रशिक्षण और अवसर मिलने पर कोई भी लक्ष्य असंभव नहीं होता। कौशल विकास मिशन की सफलता इसके अभूतपूर्व आंकड़ों, पारदर्शी नीतियों और जमीनी स्तर पर दिखे व्यापक परिवर्तनों में स्पष्ट रूप से परिलक्षित होती है। प्रभावी क्रियान्वयन के फलस्वरूप अब तक राज्यभर में 14 लाख से अधिक युवाओं को विभिन्न उभरते एवं पारंपरिक क्षेत्रों में सफलतापूर्वक प्रशिक्षित किया जा चुका है। कौशल संवर्धन के इस व्यापक अभियान के माध्यम से 5.65 लाख से अधिक युवाओं ने प्रत्यक्ष रोजगार तथा स्वरोजगार प्राप्त कर अपनी आजीविका को सशक्त बनाया है। युवाओं को सीधे बाजार और उद्योगों से जोड़ने के लिए प्रदेश भर में लगातार रोजगार मेलों का आयोजन किया जा रहा है। इन रोजगार मेलों के माध्यम से हजारों प्रतिष्ठित निजी एवं औद्योगिक संस्थाओं ने राज्य के कुशल युवाओं को आकर्षक वेतन पैकेज पर नियुक्ति पत्र प्रदान किए हैं। इसके अतिरिक्त, उद्योग जगत की वास्तविक मांगों को ध्यान में रखते हुए 'फ्लेक्सी ट्रेनिंग पार्टनरशिप' (थ्समगप ज्ंपदपदह चुंतजदमतोपच) और प्रमुख औद्योगिक घरानों व प्रतिष्ठित राष्ट्रीय संस्थानों के साथ ऐसे व्यावहारिक समझौते किए गए हैं, जिससे कि प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे शिक्षार्थियों को पाठ्यक्रम पूरा होते ही उद्योग की आवश्यकताओं के अनुरूप कार्यस्थल पर तत्काल रोजगार मिल सके। महिला सशक्तिकरण और समावेशी विकास की दिशा में भी इस योजना ने अनुकरणीय मानदंड स्थापित किए हैं। विभिन्न जनपदों में महिलाओं के लिए विशेष रूप से परिधान, हस्तशिल्प, सूचना प्रौद्योगिकी और स्वास्थ्य सेवा जैसे क्षेत्रों में लक्षित प्रशिक्षण कार्यक्रम संचालित किए गए हैं। इसी प्रकार, दिव्यांगजनों को समाज की मुख्यधारा से जोड़ने के लिए विशेष प्रशिक्षण केंद्रों और दिव्यांगजन रोजगार अभियानों के माध्यम से उन्हें हुनरमंद बनाकर स्वावलंबी बनाया जा रहा है। प्रक्रियात्मक पारदर्शिता, दक्षता और समयबद्धता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से पूरे प्रशासनिक तंत्र का पूर्ण रूप से डिजिटलीकरण किया गया है।

15 मिनट में बाइक जलकर खाक

चलती बाइक में लगी आग, सड़क पर लगा लंबा जाम

तमसा संकेत, एजेंसी

वाराणसी। कैंट थाना क्षेत्र के अर्दली बाजार इलाके में बुधवार दोपहर उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब सड़क पर चल रही एक बाइक में अचानक आग लग गई। देखते ही देखते आग ने पूरी बाइक को अपनी चपेट में ले लिया और कुछ ही देर में बाइक जलकर पूरी तरह खाक हो गई। घटना के दौरान सड़क पर लोगों की भीड़ जुट गई, जिससे दोनों तरफ वाहनों की लंबी कतार लग गई। हालांकि राहत की बात रही कि हादसे में किसी व्यक्ति के घायल होने या जनहानि की सूचना नहीं है। जानकारी के अनुसार, शिवपुर थाना क्षेत्र के नारायणपुर पुराना भट्ठा, सिंधोरा रोड निवासी रवि प्रजापति, पुत्र राजेंद्र प्रसाद प्रजापति, बिल्डिंग में खिड़की और दरवाजे लगाने का काम करते



हैं। बुधवार को वह अपने काम के सिलसिले में बाइक से महावीर मंदिर की ओर जा रहे थे। इसी दौरान दोपहर करीब 1 बजे अर्दली बाजार क्षेत्र में उनकी बाइक अचानक गर्म होकर बंद हो गई। रवि ने बाइक को दोबारा स्टार्ट करने का प्रयास किया। इसी दौरान बाइक में अचानक आग लग गई। बाइक से आग की लपटें उठती देखकर वह तत्काल बाइक से दूर हट गए और आसपास मौजूद लोगों से मदद मांगी। आग कुछ ही पलों में तेजी से फैल गई और बाइक का अधिकांश हिस्सा आग की चपेट में आ गया। मौके पर मौजूद लोगों ने आग बुझाने के लिए तत्काल पानी और बालू का इस्तेमाल शुरू किया। आसपास की दुकानों में रखे फायर एक्सटिंग्विशर की मदद से भी आग पर काबू पाने का प्रयास किया गया, लेकिन आग लगातार तेज होती गई। बीच सड़क पर बाइक धू-धूकर जलने से राहगीरों में भी हड़कंप मच गया। घटना की सूचना पुलिस को दी गई। जानकारी मिलते ही कैंट थाने की महिला सब इंस्पेक्टर आरती गौड़ मौके पर पहुंचीं। उन्होंने तत्काल फायर सर्विस टीम को सूचना दी और स्थानीय लोगों के साथ मिलकर आग बुझाने का प्रयास शुरू कराया। उपलब्ध फायर उपकरणों की मदद से काफी मशक्कत के बाद बाइक में लगी आग पर काबू पाया गया। हालांकि आग बुझाए जाने तक बाइक पूरी तरह जल चुकी थी। आग की वजह से कुछ समय के लिए अर्दली बाजार मार्ग पर यातायात व्यवस्था प्रभावित रही। सड़क के बीच बाइक में आग लगने के कारण दोनों तरफ वाहनों की लंबी कतार लग गई थी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर स्थिति संभाली और आग बुझने के बाद जली हुई बाइक को सड़क से हटवाकर यातायात व्यवस्था सामान्य कराई।





असिस्टेंट प्रोफेसर को कॉलेज से निकालने पर हाईकोर्ट सख्त

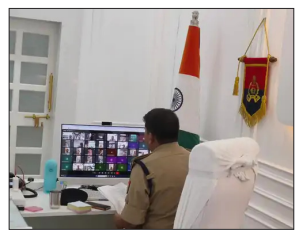
बरेली। बरेली में गन्ना उत्पादक महाविद्यालय के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. मोहित भारद्वाज को इलाहाबाद हाईकोर्ट से राहत मिली है। कोर्ट ने 22 जुलाई को उन्हें कॉलेज से निकालने का आदेश रद्द कर दिया है। हालांकि, मामला अभी पूरी तरह खत्म नहीं हुआ है। अब कॉलेज के सक्षम अधिकारी दोबारा सुनवाई करके नया फैसला लेंगे। असिस्टेंट प्रोफेसर जंतर-मंतर पर विद्यार्थियों और युवाओं के समर्थन में आंदोलन में शामिल हुए थे। इसके बाद उनको कॉलेज से निकाल दिया गया था। इसपर उन्होंने कॉलेज से निकाले जाने के खिलाफ हाईकोर्ट में याचिका दाखिल की थी। 5 अगस्त को न्यायमूर्ति सिद्धार्थ नंदन की अदालत ने इस पर फैसला सुनाया। जिसे बुधवार को हाईकोर्ट वेबसाइट पर अपलोड किया गया। सुनवाई के दौरान सामने आया कि कॉलेज ने डॉ. भारद्वाज को नोटिस दिया था।

एसएसपी ने 'समग्र अभियान' की समीक्षा की

बोले-अपराधियों के खिलाफ किसी भी स्तर पर ढिलाई न बरतें

तमसा संकेत, एजेंसी

जौनपुर। जौनपुर में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर जनपद में चलाए जा रहे 'समग्र अभियान' के तहत बुधवार को सभी थानों की कार्रवाई और प्रगति की विस्तृत समीक्षा की गई। अभियान का उद्देश्य अपराधों पर प्रभावी नियंत्रण, कानून-व्यवस्था को मजबूत करना और लंबित मामलों का जल्द निस्तारण करना है। समीक्षा के दौरान पुलिस अधिकारियों और थाना प्रभारियों को अभियान के निर्धारित लक्ष्यों के अनुरूप प्रभावी और गुणवत्तापूर्ण कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। अपराधियों के खिलाफ किसी भी स्तर पर लापरवाही नहीं बरतने को कहा गया। एनबीडब्ल्यू (गैर-जमानती वारंट) और स्थायी वारंटियों के साथ-साथ वांछित अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए विशेष अभियान चलाकर कार्रवाई



करने के निर्देश दिए गए। इसके अलावा लंबित घटनाओं के शीघ्र अनावरण और अपहृत व्यक्तियों की सकुशल बरामदगी पर भी जोर दिया गया। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने सभी संबंधित अधिकारियों को 'समग्र अभियान' के निर्धारित बिंदुओं की नियमित समीक्षा करते हुए शत-प्रतिशत कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि अभियान का उद्देश्य अपराधियों के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई करने के साथ-साथ आमजन में सुरक्षा की भावना पैदा करना और पुलिस के प्रति विश्वास को मजबूत करना है।

फास्ट न्यूज

तिरंगा खरीद में घोटाले का आरोप

फिरोजाबाद। फिरोजाबाद में 'हर घर तिरंगा' अभियान के लिए खरीदे गए झंडों में कथित अनियमितता और खराब गुणवत्ता को लेकर समाजवादी पार्टी (सपा) ने मोर्चा खोल दिया है। सपा जिलाध्यक्ष शिवराज सिंह यादव एडवोकेट ने राज्यपाल को ज्ञापन भेजकर मामले की उच्चस्तरीय जांच और जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने की मांग की है।

पैगंबर मोहम्मद और इमाम हसन की शहादत पर निकला जुलूस-ए-अज़ा

सुलतानपुर। सुल्तानपुर के अमहट (गोराबारिक) में बुधवार को पैगंबर-ए-इस्लाम हज़रत मोहम्मद मुस्तफा और उनके बड़े नवासे इमाम हसन मुस्तफा की शहादत की याद में एक प्राचीन जुलूस-ए-अज़ा निकाला गया। जो देर शाम समाप्त होगा, जुलूस सुबह 10 बजे से शुरू हुआ है। शिया धर्मगुरु मौलाना ज़ीशान हैदर ने बताया कि यह जुलूस अमहट, सुल्तानपुर से पिछले 60-65 वर्षों से लगातार निकाला जा रहा है। इसका मुख्य उद्देश्य कर्बला के शहीदों की याद को ताज़ा करना और उन पर हुए अत्याचारों तथा आल-ए-रसूल की पीड़ा को दुनिया के सामने लाना है।

टीचर की हत्या के बाद कुछ बोल नहीं रही बेटी

12 घंटे तक पत्नी से मौत की खबर छिपाई गई

तमसा संकेत, एजेंसी

ललितपुर। 'मेरे पति पढ़ाने जाया करते थे, स्कूल से निकलते ही उनका पीछा किया। मुंह बांधकर डंडों की बारिश कर दी। मासूम बेटी को उठाकर फेंक दिया। हादसे के बाद से मेरी बच्ची सदमे में चली गई है। कुछ बोल नहीं पा रही, बस आंसू निकल रहे हैं। पहले भी पति पर दो बार हमला किया गया था। मेरी दो छोटी-छोटी बेटियां हैं, इनकी देखभाल अब कौन करेगा?' यह दर्द है ललितपुर के टीचर की पत्नी का। सोमवार (10 अगस्त) को 6 साल की बच्ची के सामने उसके पिता (टीचर) की पीट-पीटकर हत्या कर दी गई थी। पति की मौत के 12 घंटे बाद तक पत्नी और बच्ची को इस बारे में नहीं बताया गया। मंगलवार की शाम जब शव गांव



पहुंचा, तो पत्नी बेसुध होकर गिर पड़ी। मामला कचनौंदा थाना क्षेत्र का है। झरकौन गांव में रहने वाले अभय लोधी (30) प्राइवेट इंटर कॉलेज में पढ़ाते थे। 10 अगस्त को अभय अपनी 6 साल की बेटी भाग्यश्री के साथ स्कूटी से लौट रहे थे। रास्ते में कुछ लोगों ने पिकअप से स्कूटी को टक्कर मार दी। अभय और उनकी बेटी सड़क पर गिर पड़े। बेटी को उठाने के लिए वह आगे बढ़े, तो उन लोगों ने डंडे से ताबड़तोड़ वार किए और सिर पर पत्थर पटक दिया।

अगली सुनवाई 2 सितंबर को होगी, हिंदू पक्ष की याचिकाओं पर मंथन होगा

श्रीकृष्ण जन्मभूमि-ईदगाह विवाद, सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई टली

तमसा संकेत, एजेंसी

मथुरा। श्रीकृष्ण जन्मभूमि-शाही ईदगाह विवाद से जुड़े मामले में सुप्रीम कोर्ट में 12 अगस्त को होने वाली सुनवाई टल गई। अब मामले की अगली सुनवाई 2 सितंबर 2026 को होगी। मामले में मुख्य विवाद के साथ यह मुद्दा भी महत्वपूर्ण है कि हिंदू पक्ष की ओर से दायर विभिन्न याचिकाओं में से किसे रिप्रेजेंटेटिव सूट (प्रतिनिधिक वाद) माना जाए। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने पहले सूट नंबर-17 को प्रतिनिधिक वाद के रूप में स्वीकार किया था। हालांकि, अन्य हिंदू पक्षकारों ने इस पर आपत्ति जताई है। उनका कहना है कि उनकी याचिकाएं अलग-अलग तथ्यों, मुद्दों और कानूनी दलीलों पर आधारित हैं।



क्या है पूरा विवाद?

यह पूरा विवाद 13.37 एकड़ जमीन के मालिकाना हक को लेकर है। 11 एकड़ जमीन पर श्रीकृष्ण मंदिर है और 2.37 एकड़ हिस्सा शाही ईदगाह मस्जिद के पास है। हिंदू पक्ष इस 2.37 एकड़ जमीन पर जन्मभूमि होने का दावा करता रहा है। 1670 में औरंगजेब के शासन में यहां शाही ईदगाह मस्जिद बनाई गई थी। 1944 में ये पूरी जमीन उद्योगपति जुगल किशोर बिड़ला ने खरीद ली। 1951 में उन्होंने श्रीकृष्ण जन्मस्थान ट्रस्ट बनाया, जिसे ये जमीन दे दी गई। ट्रस्ट के पैसे से 1958 में नए सिरे से मंदिर बनकर तैयार हुआ। फिर एक नई संस्था बनी, जिसका नाम रखा गया श्रीकृष्ण जन्मस्थान सेवा संस्थान। इस संस्था ने साल- 1968 में मुस्लिम पक्ष से समझौता किया कि जमीन पर मंदिर-मस्जिद दोनों रहेंगे। हालांकि, इस समझौते का न तो कभी कानूनी वजूद रहा और न ही श्रीकृष्ण जन्मस्थान ट्रस्ट ने इस समझौते को कभी माना।

सुप्रीम कोर्ट की पीठ करेगी समीक्षा

मामले की सुनवाई जस्टिस संजय कुमार और जस्टिस संजीव सचदेवा की पीठ के समक्ष प्रस्तावित है। पीठ हिंदू पक्ष की याचिकाओं के साथ-साथ स्थानीय स्तर पर चल रहे सुलह-समझौते से जुड़े प्रयासों और उनकी प्रगति की भी समीक्षा कर सकती है। हिंदू पक्ष की ओर से दायर याचिकाओं में दावा किया गया है कि शाही ईदगाह का ढाई एकड़ का एरिया मस्जिद नहीं है। वह श्रीकृष्ण जन्मभूमि का गर्भगृह है। सभी याचिका एक नेचर की हैं। इसलिए एक साथ सुनी जाएं। मुस्लिम पक्ष ने दलील दी है कि 1968 में हुए समझौते के तहत मस्जिद के लिए जगह दी गई थी। 60 साल बाद समझौते को गलत बताना ठीक नहीं। इसलिए हिंदू पक्ष की याचिकाएं सुनवाई योग्य नहीं हैं।

15 जुलाई को हुई थी पिछली सुनवाई

इस मामले में पिछली सुनवाई 15 जुलाई को हुई थी। उस दौरान भी मुख्य विवाद के अलावा यह प्रश्न प्रमुखता से उठा था कि हिंदू पक्ष की ओर से दाखिल विभिन्न वादों में से किसे प्रतिनिधिक वाद माना जाए।

हिंदू पक्ष अब इस मस्जिद को हटाने की मांग करता है तो वहीं मुस्लिम पक्ष प्लेसेस ऑफ वर्शिप एक्ट की दलील देता है।

25 सितंबर 2020 को इस विवाद में मथुरा की जिला अदालत में पहली याचिका दायर हुई। लखनऊ की वकील रंजना अग्निहोत्री ने याचिका में शाही ईदगाह मस्जिद को मंदिर परिसर से हटाने की मांग की थी।

टॉयलेट के बहाने गाड़ी रुकवाई, पिस्टल छीनकर दागी गोलियां, दिल्ली ले जाया जा रहा था

बदमाश ने पुलिस पर फायरिंग की

तमसा संकेत, एजेंसी

मथुरा। मथुरा में मंगलवार देर रात दिल्ली पुलिस और शातिर बदमाश के बीच मुठभेड़ हो गई। यमुना एक्सप्रेसवे के पास आरोपी ने सिपाही से पिस्टल छीनकर फायरिंग कर दी, जिसमें एक सब इंस्पेक्टर घायल हो गए। पुलिस की जवाबी फायरिंग में आरोपी के पैर में गोली लगी। दोनों घायलों को नौहझील सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद दिल्ली रेफर कर दिया गया। आरोपी पश्चिम बंगाल से हत्या के एक मामले में ट्रांजिट रिमांड पर दिल्ली ले जाया जा रहा था। पुलिस के मुताबिक, उसके खिलाफ 118 से अधिक मुकदमे दर्ज हैं। दिल्ली नॉर्थ वेस्ट जोन की स्पेशल स्टाफ टीम पश्चिम बंगाल से वसीम अकरम उर्फ लंबो को ट्रांजिट रिमांड पर दिल्ली



दिल्ली पुलिस के साथ हुई मुठभेड़ में घायल वसीम अकरम उर्फ लंबो।

ला रही थी। उसे जहांगीरपुरी में हुई हत्या के एक मामले में पश्चिम बंगाल से गिरफ्तार किया गया था। पुलिस टीम उसे सड़क के रास्ते दिल्ली ले जा रही थी। यमुना एक्सप्रेसवे पर माइलस्टोन-64 के पास वसीम ने टॉयलेट जाने की बात कही। इसके बाद पुलिस ने गाड़ी रोककर उसे सड़क किनारे ले गई।

आरोपी पर 118 से ज्यादा मुकदमे दर्ज

सीओ मांट अमरनाथ यादव ने बताया कि वसीम अकरम को दिल्ली पुलिस हत्या के मामले में पश्चिम बंगाल से ट्रांजिट रिमांड पर लेकर आ रही थी। उसके खिलाफ 118 से ज्यादा मुकदमे दर्ज होने की जानकारी सामने आई है। फायरिंग की घटना के संबंध में नौहझील पुलिस जांच कर रही है। पुलिस यह भी पता लगा रही है कि आरोपी ने किस तरह कांस्टेबल की पिस्टल अपने कब्जे में ली और घटना के दौरान उसके साथ मौजूद पुलिसकर्मियों की क्या भूमिका रही।

टॉयलेट जाने के बहाने पुलिस की गाड़ी रुकवाई

दिल्ली नॉर्थ वेस्ट जोन की स्पेशल स्टाफ टीम पश्चिम बंगाल से वसीम अकरम उर्फ लंबो को ट्रांजिट रिमांड पर दिल्ली ला रही थी। उसे जहांगीरपुरी में हुई हत्या के एक मामले में पश्चिम बंगाल से गिरफ्तार किया गया था। पुलिस टीम उसे सड़क के रास्ते दिल्ली ले जा रही थी। यमुना एक्सप्रेसवे पर माइलस्टोन-64 के पास वसीम ने टॉयलेट जाने की बात कही। इसके बाद पुलिस ने गाड़ी रोककर उसे सड़क किनारे ले गई।

पुलिस के मुताबिक, सड़क किनारे पहुंचते ही वसीम ने एक कांस्टेबल की पिस्टल छीन ली और भागने की कोशिश करते हुए पुलिस पर गोली चला दी। फायरिंग में दिल्ली पुलिस के एसआई अजय कुमार के हाथ में गोली लगी।

पुलिस की पिस्टल छीनकर भागा अभियुक्त

मथुरा। यमुना एक्सप्रेसवे पर नौहझील थाना क्षेत्र में बुधवार देर रात दिल्ली पुलिस की टीम और ट्रांजिट रिमांड पर ले जाए जा रहे अभियुक्त के बीच मुठभेड़ हो गई। पुलिस के मुताबिक बाथरूम जाने के बहाने वाहन से उतरे अभियुक्त ने कांस्टेबल की सर्विस पिस्टल छीन ली और पुलिस टीम पर फायरिंग कर भागने का प्रयास किया। जवाबी कार्रवाई में अभियुक्त के पैर में गोली लग गई।

ठेकेदार को नाबालिग ने तलवार से काट डाला

गोरखपुर में सड़क पर दौड़ा-दौड़ाकर वार किए

तमसा संकेत, एजेंसी

गोरखपुर। गोरखपुर में बिजली विभाग के ठेकेदार की हत्या का वीडियो सामने आया है। इसमें एक नाबालिग सड़क पर दौड़ा-दौड़ाकर ठेकेदार पर तलवार से हमला करता दिख रहा। इस दौरान ठेकेदार हाथ जोड़कर छोड़ देने की मिन्नतें करता है, लेकिन आरोपी को तरस नहीं आता। उसे जब लगा कि ठेकेदार मर चुका है तो वह वहां से भाग निकला। आरोपी ने 8 अगस्त को ठेकेदार की हत्या की, जिसका वीडियो मंगलवार देर शाम सामने आया। पुलिस के मुताबिक, जांच में पता चला कि एक साल पहले आरोपी के चचेरे भाई की हत्या हुई थी। मामले में ठेकेदार के परिवार के कुछ लोगों का नाम सामने आया था। इसी रंजिश में उसने वारदात को अंजाम



दिया। मामले में 8 लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है। एसएसपी डॉ. कौस्तुभ ने थाना प्रभारी को लाइन हाजिर कर दिया है। उनका कहना है कि आरोपियों के खिलाफ NSA के तहत भी कार्रवाई की जा रही है। घटना सिकरीगंज थाना क्षेत्र की है।

अहिरौली गांव के रहने वाले शिवकुमार त्रिपाठी (52) बिजली विभाग में ठेकेदार थे। परिवार गांव में जबकि, खुद पत्नी के साथ गोरखपुर शहर में रहते थे। बेटा आदित्य त्रिपाठी गोरखपुर सिविल कोर्ट में वकील है।

विवाद : कौशिक बोले- कब्जे की नियत से काम हो रहा, विकास ने कहा- सार्वजनिक संपत्ति है

कानपुर-नयागंज मेट्रो स्टेशन के पास निर्माण पर भिड़े 2 पार्षद

तमसा संकेत, एजेंसी

कानपुर। कानपुर के वार्ड-76 हरबंश मोहाल में नयागंज मेट्रो स्टेशन के पास हो रहे निर्माण कार्य को लेकर नगर निगम में विवाद बढ़ गया है। बुधवार को पार्षद कौशिक रजत बाजपेई समेत कई पार्षदों ने अपर नगर आयुक्त जगदीश यादव को ज्ञापन दिया। उन्होंने निर्माण की वैधता की जांच कराने और जिम्मेदार अधिकारियों पर कार्रवाई की मांग की। अपर नगर आयुक्त ने मामले की जांच कराने का भरोसा दिया है। ज्ञापन में पार्षदों ने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय इंदिरा गांधी की प्रतिमा के सामने हो रहे निर्माण की अनुमति को लेकर स्थिति साफ नहीं



है। यह भी जानकारी नहीं दी गई है कि काम कौन सी संस्था करा रही है और इसकी स्वीकृत कार्ययोजना क्या है। पार्षद कौशिक रजत बाजपेई ने बताया कि उन्होंने इस मामले में पहले ही जिलाधिकारी को पत्र देकर शिकायत की थी। कौशिक रजत बाजपेई ने आरोप लगाया कि वार्ड-79 चटाई मोहाल के पार्षद विकास जायसवाल वार्ड-76 की सीमा में निर्माण करा रहे हैं। उनका कहना है कि नरौना चौराहा से कैनाल रोड होते हुए दालमंडी केसा हाउस तक का इलाका वार्ड-76 में आता है। उन्होंने आरोप लगाया कि दूसरे वार्ड के नाम पर फाइल तैयार कर यहां काम कराया जा रहा है। उनका दावा है कि सरकारी केडीए की जमीन पर दूसरे क्षेत्र के पार्षद द्वारा कब्जे की कोशिश की जा रही है। पार्षदों ने नगर निगम का आधिकारिक नक्शा भी ज्ञापन के साथ सौंपा है। उन्होंने नक्शे के आधार पर मौके का सीमांकन कराने और पूरे मामले की जांच की मांग की है। वहीं पार्षद विकास जायसवाल ने कहा कि संबंधित निर्माण कार्य पूरी प्रक्रिया के तहत नगर निगम के प्रस्ताव के आधार पर कराया जा रहा है। उन्होंने कहा कि जिस बारातशाला को लेकर विवाद खड़ा किया जा रहा है, वह किसी निजी संस्था की नहीं बल्कि सार्वजनिक संपत्ति है और नगर निगम के संपत्ति विभाग के अधीन है। विकास जायसवाल ने बताया कि साल 2003 में केडीए द्वारा तैयार लेआउट प्लान के तहत इस क्षेत्र को विकसित कर नगर निगम को हस्तांतरित किया गया था। पहले प्रस्तावित स्थान पर आपत्ति आने के बाद बारातशाला को पास स्थित पुराने ट्यूबवेल की भूमि पर बनाया गया। उन्होंने कहा कि इस संबंध में केडीए के उपाध्यक्ष, नगर आयुक्त और संबंधित अभियंताओं के हस्ताक्षरयुक्त दस्तावेज उपलब्ध हैं। उन्होंने यह भी बताया कि जायसवाल मित्र सभा को समाज सेवा के उद्देश्य से ई-एंबुलेंस, डीप फ्रीजर, शव वाहन और ऑक्सीजन सिलेंडर रखने के लिए नगर निगम कार्यकारिणी की स्वीकृति से भूमि आवंटित की गई थी। उनके अनुसार कार्यकारिणी की बैठक में प्रस्ताव संख्या-243 के तहत यह निर्णय लिया गया था और कार्यपालक अभियंता की रिपोर्ट में भूमि को रिक्त बताया गया था। पार्षद विकास जायसवाल ने कहा कि उनका वार्ड कार्यालय भी विधिवत स्वीकृत है और उसके संबंध में सभी अभिलेख उपलब्ध हैं।

शादीशुदा प्रेमिका को घर बुलाकर 17 चाकू मारे, मौत

शादी से इनकार पर प्रेमी ने की वारदात, बुलंदशहर में लाश के पास बैठा रहा

तमसा संकेत, एजेंसी

बुलंदशहर। बुलंदशहर में 42 साल के प्रेमी ने 38 साल की प्रेमिका की हत्या कर दी। पुलिस के मुताबिक, आरोपी ने महिला के सीने, गले और चेहरे पर चाकू से 17 वार किए। पुलिस पहुंची तो आरोपी प्रेमिका के शव के पास चुपचाप बैठा मिला। पुलिस जांच में सामने आया कि आरोपी शादीशुदा प्रेमिका पर शादी का दबाव बना रहा था, लेकिन वह इसके लिए राजी नहीं थी। मंगलवार रात 10 बजे आरोपी ने उसे अपने घर बुलाया और अपने परिवार को छोड़कर शादी करने का दबाव बनाने लगा। प्रेमिका नहीं मानी तो नाराज होकर वारदात को अंजाम दिया। दोनों के बीच करीब डेढ़



साल से अफेयर था। आरोपी की पत्नी 3 साल पहले उसे छोड़कर चली गई थी। मृतक महिला के 4 बच्चे हैं। उसका पति बर्तन की छोटी सी फैक्ट्री चलाता है। घटना जिला मुख्यालय से 25 किमी. दूर खुर्जा नगर कोतवाली क्षेत्र की है। दिल्ली के प्रेमनगर की रहने वाली बेबी की 15 साल पहले बुलंदशहर के पंकज से शादी हुई थी। दोनों के दो बेटे और दो बेटियां हैं। उनकी उम्र 8 से 13 साल के बीच है। सभी शिवलोक कॉलोनी में रहते हैं। घर से 200 मीटर दूर आरोपी प्रेमी अजीत ठेकेदार (42) किराए के कमरे में रहता है। वह मूल रूप से नेहरूपुर गांव का रहने वाला है। खुर्जा में बर्तन बनाने वाली फैक्ट्री में काम करता है। पुलिस के मुताबिक, अजीत की पत्नी उसे छोड़कर जा चुकी है। उसका बेटा भी उसके साथ नहीं रहता। अजीत बिल्कुल अकेला पड़ गया। इसलिए वह बेबी से नजदीकियां बढ़ाने लगा। वह अक्सर बेबी का पीछा कर बातचीत करने की कोशिश करता था। धीरे-धीरे दोनों में बातचीत होने लगी। फिर दोस्ती हो गई। जल्द ही अफेयर शुरू हो गया। बेबी अक्सर अजीत के कमरे पर आने लगी।

मुरादाबाद के 50 गांवों में तेंदुओं का खौफ

लगातार होते हमलों से प्रशासन भी हलकान, पिंजरे बढ़ाए जाएंगे-मुनादी भी होगी

जनसभा

तमसा संकेत, एजेंसी

मुरादाबाद। मुरादाबाद में उत्तराखंड से सटे इलाके में पिछले 12 दिन में तेंदुए 7 लोगों पर हमला कर चुके हैं। इनमें से एक महिला को तेंदुए ने मौके पर ही नोंच-नोंचकर मार डाला। मंगलवार देर शाम डिलारी में दो युवकों पर हमला करके तेंदुए ने गंभीर रूप से जख्मी कर दिया। इन घटनाओं से करीब एक लाख की आबादी सहमी हुई है। उत्तराखंड की सीमा पर बने करीब 50 गांवों में दहशत का माहौल है। इस बीच 2 तेंदुए पकड़े गए हैं लेकिन तेंदुओं के हमलों का सिलसिला जारी है। इस बीच डीएम राजेंद्र पेंसिया ने वन विभाग की टीम को तेंदुओं को पकड़ने के प्रयास तेज करने के निर्देश दिए हैं। इसके साथ ही तय किया गया है कि उत्तराखंड की सीमा से सटे सभसी तेंदुआ प्रभावित गांवों में लगातार मुनादी कराकर लोगों को सतर्क किया जाएगा।



3 अगस्त : महिला को बनाया पहला शिकार

दहशत की शुरुआत ठाकुरद्वारा कोतवाली क्षेत्र के गांव लालापुर पीपलसाना से हुई। यहां अपने पशुओं के लिए जंगल में घास काटने गई 50 वर्षीय महिला संतोष देवी पर तेंदुए ने पीछे से हमला कर दिया। तेंदुआ उन्हें गर्दन से दबोचकर गन्ने के खेत में खींच ले गया, जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई।

5 अगस्त: डिलारी में मजदूर पर हमला

डिलारी ब्लॉक के एक खेत में सुबह करीब 6:45 बजे काम कर रहे मजदूर बाबू पर तेंदुए ने अचानक झपट्टा मारा। चीख-पुकार सुनकर दौड़े ग्रामीणों को देखकर तेंदुआ भागा, जिसके बाद घायल बाबू को गंभीर हालत में मुरादाबाद जिला अस्पताल रेफर किया गया।

10 अगस्त: राय भूड़ गांव में युवती और युवक पर हमला

ठाकुरद्वारा के राय भूड़ मुनीमपुर गांव में गन्ने की छिलाई करने गए 23 वर्षीय युवक ललित कुमार पर एक साथ तीन तेंदुओं के झुंड ने हमला कर दिया। ललित के सिर और चेहरे पर गंभीर घाव आए।

इसी क्षेत्र में चारा लेने गई 25 वर्षीय युवती मंजू की गर्दन पर तेंदुए ने हमला किया, जिन्हें बचाने के बाद सिर पर करीब 30 टांके लगाने पड़े। इसके अलावा सुरेंद्र सिंह नामक युवक पर उसके घर में घुसकर तेंदुए ने हमला किया।

11 अगस्त: मलकपुर सेमली में एक ही दिन में दो बड़ी वारदातें

रामगंगा नदी के खादर क्षेत्र में स्थित मलकपुर सेमली गांव में मंगलवार दोपहर किसान पुष्पेंद्र कुमार की गन्ने के खेत में खाद डालते समय तेंदुए ने उनकी गर्दन दबोच ली। पास ही काम कर रहे उनके चाचा गेंदा सिंह और छोटे भाई बिट्टू ने अदम्य साहस दिखाते हुए दरांती (हंसिया) से तेंदुए का मुकाबला किया और पुष्पेंद्र को मौत के मुंह से खींच निकाला। इसी गांव में शाम को खेत से लौट रहे किसान नन्हे (50) पर भी तेंदुए ने हमला कर गंभीर रूप से घायल कर दिया।

इससे ये साबित होता है कि क्षेत्र में घूम रहे तेंदुओं की संख्या अधिक है।



हर घर तिरंगा अभियान में मथुरा में होंगे विविध आयोजन

13 से 15 अगस्त तक तिरंगा यात्रा, तिरंगा महोत्सव

तमसा संकेत, संवाददाता

मथुरा, 12 अगस्त। मुख्य सचिव के निर्देशों के क्रम में 9 से 17 अगस्त तक वंदे मातरम् के तृतीय चरण के साथ 'हर घर तिरंगा अभियान-2026' का आयोजन किया जा रहा है। अभियान के तहत जनपद मथुरा में 13 से 15 अगस्त तक विभिन्न कार्यक्रम एवं गतिविधियां आयोजित की जाएंगी। 13 अगस्त को वृंदावन परिक्रमा मार्ग पर भव्य तिरंगा यात्रा निकाली जाएगी। इसके साथ ही डैंपियर नगर स्थित पांचजन्य प्रेक्षागृह में सुबह 10 बजे से तिरंगा महोत्सव मेला आयोजित होगा। मुख्य अतिथि प्रदर्शनी एवं मेले का उद्घाटन करेंगे। कार्यक्रम में एनसीसी विद्यार्थियों तथा उच्च माध्यमिक विद्यालयों के विद्यार्थियों द्वारा बैंड प्रस्तुति, सांस्कृतिक कार्यक्रम और शहीद परिवारों का सम्मान किया जाएगा। रंगोली, पेंटिंग एवं मेहंदी



प्रतियोगिताएं भी होंगी। इसके अलावा काकोरी ट्रेन एक्शन फिल्म का प्रदर्शन, प्रदर्शनी और तिरंगा उत्पादों का मेला आकर्षण का केंद्र रहेगा। 14 अगस्त को कलेक्ट्रेट सभागार में विभाजन की विभीषिका स्मृति दिवस के अवसर पर दोपहर तीन बजे मौन जुलूस का आयोजन किया जाएगा। स्वतंत्रता दिवस पर विद्यालयों में छात्र-छात्राओं द्वारा रैली, वंदे मातरम् का गायन, सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता और सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। रंगोली, मेहंदी एवं पेंटिंग प्रतियोगिताओं के विजेताओं को प्रशस्ति पत्र प्रदान किए जाएंगे।

फास्ट न्यूज

यमुना का जलस्तर 149.62 मीटर पर पहुंचा

आगरा। आगरा में बुधवार सुबह से मौसम साफ है। हल्की धूप निकल रही है। हवा भी सामान्य से अधिक है लेकिन उमसभरी गर्मी ने लोगों को परेशान कर दिया है। हालांकि दिन में एक या दो बार बूंदाबांदी की संभावना है। उधर, पहाड़ों पर हो रही बारिश के चलते यमुना का जलस्तर लगातार बढ़ रहा है। मंगलवार को यमुना में गोकुल बैराज से 30 हजार क्यूसेक पानी छोड़ा गया। जिसके बाद आगरा में यमुना का जलस्तर 149.62 मीटर पर पहुंच गया।

अलीगढ़ में महिला का शव मिला

अलीगढ़। अलीगढ़ में मंगलवार शाम करीब 4 :30 बजे एक अज्ञात महिला का शव मिला। महिला के चेहरे पर ईंट से कई वार किए गए थे, जिससे उसकी पहचान करना मुश्किल हो गया है।सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल की जांच शुरू की। मामले की गंभीरता को देखते हुए वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक नीरज कुमार जादौन भी 12 अगस्त की रात घटनास्थल पर पहुंचे। पुलिस टीमों को जल्द से जल्द सुराग जुटाने के निर्देश दिए। मामला इगलास क्षेत्र के बड़ा खुर्द गांव का है। पुलिस की पहली कोशिश मृतका की पहचान करने की है।

आगरा रेलवे स्टेशन पर सुरक्षा बड़ी

आगरा। 15 अगस्त यांनी स्वतंत्रता दिवस नजदीक है। इस वजह से रेलवे ने सुरक्षा बढ़ा दी है। सोमवार 11 अगस्त 2026 को आगरा किला स्टेशन पर RPF ने बड़ा चेकिंग अभियान चलाया। इस अभियान का मकसद था कि स्टेशन पर कोई गलत सामान या संदिग्ध व्यक्ति न हो। यात्रियों को सुरक्षित सफर मिले। RPF के इंस्पेक्टर अपने जवानों के साथ सुबह स्टेशन पहुंचे।

प्रशिक्षण में मिली जानकारियों को व्यावहारिक रूप से स्कूलों में करें लागू

एफएलएन प्रशिक्षण के चतुर्थ बैच का हुआ समापन

तमसा संकेत, संवाददाता

मथुरा। बीआरसी बलदेव के सभागार में चल रहा पांच दिवसीय एफएलएन प्रशिक्षण के चतुर्थ बैच का समापन हुआ । इस दौरान शिक्षकों को बच्चों की शिक्षा में सुधार और उनके सर्वांगीण विकास पर जोर देने का आह्वान किया गया। प्रशिक्षण का डीसी जिला प्रशिक्षण प्रभारी विक्रांत कुमार ने निरीक्षण किया। उन्होंने प्रशिक्षण कक्ष में पहुंचकर शिक्षकों को दिए जा रहे प्रशिक्षण की जानकारी ली और विभिन्न गतिविधियों का अवलोकन किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए डीसी विक्रांत कुमार जिला प्रशिक्षण प्रभारी ने कहा कि हर बच्चा सीख सकता है। उन्होंने शिक्षकों से कहा कि बच्चों को सही दिशा, सही विधि और पूरे मन से मार्गदर्शन देने की आवश्यकता है। उन्होंने प्रशिक्षण में मिली जानकारी



को विद्यालयों में व्यवहारिक रूप से लागू करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि निपुण भारत मिशन का मुख्य उद्देश्य बच्चों को प्रारंभिक स्तर पर पढ़ने, लिखने और संख्या ज्ञान की मजबूत नींव प्रदान करना है। प्राथमिक स्तर पर बच्चों की बुनियादी दक्षताएँ मजबूत होने से उनकी आगे की शिक्षा बेहतर ढंग से आगे बढ़ पाएगी। नोडल एआरपी गीता रावत ने टेन प्वाइंट टूल किट, टीएलएम (शिक्षण अधिगम सामग्री), भाषा एवं गणित में बच्चों को निपुण बनाने के लिए अपेक्षित दक्षता हासिल कराने के प्रयासों पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने बताया कि बच्चों में बुनियादी भाषा ज्ञान एवं गणितीय समझ विकसित करना एफएलएन प्रशिक्षण का प्रमुख उद्देश्य है।

चरित्र पर शक में पत्नी की हत्या

पति-ससुर गिरफ्तार, शव काली नदी में बहाने का आरोप

तमसा संकेत,एजेंसी

अलीगढ़। अलीगढ़ के गंगीरी थाना क्षेत्र में महिला की हत्या का सनसनीखेज मामला सामने आया है। पुलिस जांच में खुलासा हुआ कि चरित्र पर संदेह के चलते पति और ससुर ने मिलकर महिला की पीट-पीटकर हत्या कर दी। इसके बाद शव को काली नदी में बहा दिया गया। पुलिस ने दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया है। मामला 8 जुलाई 2026 को सामने आया था, जब मृतका के भाई ने गंगीरी थाने में शिकायत दर्ज कराई। उसने आरोप लगाया कि उसकी बहन को ससुराल पक्ष द्वारा शारीरिक और मानसिक रूप से प्रताड़ित किया जा रहा था और बाद में उसे संदिग्ध परिस्थितियों में गायब कर दिया गया। जांच के दौरान पति महेश चंद्र शर्मा और ससुर वीरेंद्र प्रसाद



शिकायत के आधार पर पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता (इटर) की धारा 85, 115(2) और 140(3) के तहत मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की।

लगातार पुलिस को गुमराह करते रहे। लेकिन गहन पूछताछ में दोनों ने अपना अपराध स्वीकार कर लिया। आरोपियों ने बताया कि उन्हें महिला के चरित्र पर शक था, जिसके चलते उन्होंने उसकी पीट-पीटकर हत्या कर दी। पुलिस के मुताबिक हत्या के बाद साक्ष्य मिटाने के लिए आरोपियों ने शव को घर से लगभग 700-800 मीटर दूर स्थित काली नदी में बहा दिया। इस काम में महिला के बड़े बेटे और देवर की भी भूमिका सामने आई है। दोनों ने शव को नदी तक पहुंचाने में मदद की थी। घटना के करीब 45 दिन बाद भी महिला का शव बरामद नहीं हो सका है। शव की तलाश के लिए पुलिस ने काली नदी में



खोज अभियान चलाने हेतु एनडीआरएफ और एसडीआरएफ से सहायता मांगी है। फिलहाल पुलिस और फोरेंसिक टीम मामले की जांच में जुटी हुई है और अन्य आरोपियों की भूमिका की भी पड़ताल की जा रही है।

घर के बक्से से मिला मृतका का मोबाइल

10 अगस्त 2026 को थानाध्यक्ष विनोद कुमार के नेतृत्व में उपनिरीक्षक पंकज कुमार, कांस्टेबल रवि बाबू और सक्षम की टीम ने महेश चंद्र शर्मा और वीरेंद्र प्रसाद को गिरफ्तार किया। आरोपियों की निशानदेही पर पुलिस ने घर में रखे एक बक्से से मृतका का मोबाइल फोन भी बरामद किया है। विवेचना के दौरान पुलिस ने मामले में हत्या की धारा 103(1) BNS और साक्ष्य मिटाने की धारा 238 BNS भी जोड़ दी है।

एएमयू हॉस्टल में छात्रा ने की आत्महत्या

कमरे में साथी छात्राओं ने शव लटका हुआ देखा

तमसा संकेत,एजेंसी

अलीगढ़। अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी (AMU) के इंदिरा गांधी (IG) हॉल में स्नातक द्वितीय वर्ष की 19 वर्षीय छात्रा ने सुसाइड कर लिया। मंगलवार रात करीब 2 बजे घटना की जानकारी हुई। मृतका पश्चिम बंगाल के कोलकाता की रहने वाली थी और हॉस्टल में रहकर पढ़ाई कर रही थी। घटना का पता तब चला, जब कमरे से काफी देर तक कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली। साथी छात्राओं ने कमरे में जाकर देखा तो छात्रा की हालत गंभीर थी। उसे तत्काल जवाहरलाल नेहरू मेडिकल कॉलेज ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने जांच के बाद मृत घोषित कर दिया। शव को मेडिकल कॉलेज की मोर्चरी में रखवाया गया है। घटना की सूचना विश्वविद्यालय



प्रशासन और स्थानीय पुलिस ने छात्रा के कोलकाता स्थित परिजनों को दे दी है। परिजनों के अलीगढ़ नहीं पहुंचने के कारण अभी पोस्टमार्टम नहीं कराया गया है। उनके आने के बाद पोस्टमार्टम और आगे की कानूनी प्रक्रिया पूरी की जाएगी।पुलिस के अनुसार, छात्रा ने यह कदम क्यों उठाया, इसकी अभी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। पुलिस और एएमयू प्रशासन मामले की जांच कर रहे हैं। छात्रा के मोबाइल फोन और कमरे की जांच की जा रही है।

बुजुर्ग से साइबर क्रिमिनल ने ठगे 16 लाख

सदमे में बुजुर्ग की जान गई, निवेश में मुनाफे का लालच देकर फंसाया था

तमसा संकेत,एजेंसी

आगरा। आगरा में साइबर अपराधियों ने होटलकर्मी के पिता को विदेशी क्रिप्टो मार्केट में भारी मुनाफे का झांसा देकर 16 लाख रुपये से अधिक की ठगी कर ली। अपने जीवन भर की पूंजी गंवाने का सदमा बुजुर्ग सहन नहीं कर सके। उनकी मौत हो गई। फतेहाबाद रोड स्थित आईटीसी हार्मनी रेजीडेंसी निवासी नकुल शर्मा होटल में कर्मचारी हैं। उन्होंने पुलिस को बताया कि उनके पिता राकेश शर्मा सोशल मीडिया पर 'नाका सॉल्यूशंस' (Naka Solutions) नामक संस्था के संपर्क में आए थे। आरोपित सीताराम और उसकी कंसलटेंट साक्षी जायसवाल ने खुद को भारत सरकार से मान्यता प्राप्त बताकर उनके पिता का विश्वास जीता। शुरुआत में 8,500 रुपये निवेश

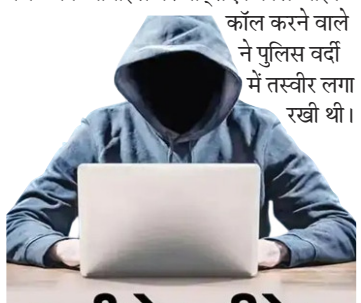
"मालती ने कॉल रिसीव की। उधर से कहा गया- आपकी बेटी को पुलिस ने सेक्स रैकेट में पकड़ा है। अभी पुलिस ने उसे लिखा-पढ़ी में शामिल नहीं किया है। आपकी बहुत बदनामी हो सकती है। इसलिए आपको कॉल कर रहे हैं। अगर आप चाहती हैं कि बेटी की फोटो वीडियो वायरल न हो। अगर आप चाहती हैं कि केस न दर्ज हो। तो तुरंत 1 लाख रुपए हमें भेज दें।



कराने के बाद, 13 जनवरी 2026 को आरोपी ने उनसे 9 लाख रुपये का बड़ा निवेश करवा लिया। फर्जी ऐप पर फर्जी मुनाफा दिखाकर आरोपियों ने पिता का भरोसा जीत लिया। जब बुजुर्ग पिता ने अपना पैसा निकालने का प्रयास किया, तो कंसलटेंट साक्षी जायसवाल ने कन्वर्जन फीस के नाम पर 3,44,000 रुपये ऐंठ लिए। इसके बाद अमित पटेल नामक व्यक्ति ने बार्कलेज बैंक सिक्योरिटी फीस के नाम पर 5 फरवरी 2026 को 3,65,000 रुपये और जमा करवा लिए। इस तरह कुल 16.17 लाख रुपये गंवाने और ठगी का अहसास होने पर बुजुर्ग काफी तनाव में आ गए, जिसके बाद 9 फरवरी 2026 को उनका निधन हो गया। पीड़ित पुत्र ने ऑनलाइन पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराने के बाद एसबीआई, बैंक ऑफ महाराष्ट्र और बंधन बैंक के उन खातों का विवरण पुलिस को सौंपा है, जिनमें पैसे ट्रांसफर किए गए थे। साइबर थाना पुलिस ने पड़ताल शुरू कर दी है। फोन करने वाले शख्स ने इसके बाद एक नंबर भी भेजा। दोबारा कॉल करके 15 मिनट में रुपए भेजने के लिए फिर धमकाया। कहा- रुपए नहीं आए तो FIR लिख देंगे, बेटी जेल चली जाएगी। इससे परेशान होकर मालती को हॉर्ट अटैक आ गया था। उनकी मौत हो गई थी।

एक महिला की भी हुई थी मौत

आगरा के सुभाष नगर की रहने वाली मालती वर्मा राजकीय कन्या जूनियर हाईस्कूल अछनेरा में टीचर थीं। 30 सितंबर 2024 की दोपहर 12 बजे उनके मोबाइल पर वॉट्सऐप कॉल आई। कॉल करने वाले ने पुलिस वर्दी में तस्वीर लगा रखी थी।



ठगी के तरीके

- सरकारी योजनाएं जैसे प्रधान किसान योजना, आवास योजना, लोन योजना के नाम पर ठगी
- बैंक से लोन, क्रेडिट कार्ड, एलआईसी, डेबिट कार्ड ब्लॉक होने और रिन्यू करने के नाम पर
- घर बैठे पैसे कमाएं, दो गुना रिटर्न का झांसा देकर निवेश कराने के नाम पर
- फर्जी पुलिस अधिकारी बनकर, परिचितों के साथ दुर्घटना होने के नाम पर ठगी
- सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर मैसेज और लिंक भेजकर मोबाइल हैक करते हैं।

पृष्ठ 01 का शेष...

मुंबई के घाटकोपर...

भारी मशीनें मौके तक नहीं पहुंच पा रही हैं। मलबा पहले व्रेकर से तोड़ा जा रहा है, फिर बाल्टियों से हाथ से हटाया जा रहा है, जिससे रेस्क्यू में समय लग रहा है। अधिकारियों के मुताबिक, प्रभावित इलाके तक पहुंचने वाली गलियां इतनी संकरी हैं कि एक समय में मुश्किल से एक व्यक्ति ही अंदर जा सकता है और दो लोग आमने-सामने भी खड़े नहीं हो सकते। पुलिस के मुताबिक, हादसे में जान गंवाने वाले लोगों के शव अस्पताल भेज दिए गए हैं। वहीं, घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इनमें 18 साल के सोहेल अंसारी के सिर में चोट आई है, जबकि 14 साल के मोहम्मद अंसारी की पीठ में चोट लगी है। मुंबई की मेयर ऋतु तावड़े ने घटनास्थल का दौरा कर राहत और बचाव कार्यों का जायजा लिया। उन्होंने मृतकों के परिवार को 4 लाख की आर्थिक सहायता देने का ऐलान किया। वहीं, हादसे में घायल प्रत्येक व्यक्ति के इलाज के लिए 50 हजार देने की घोषणा की गई है। मेयर ने मौके पर मौजूद सभी एजेंसियों को रेस्क्यू ऑपरेशन तेज करने और आपसी तालमेल के साथ काम करने के निर्देश दिए। BMC के अधिकारियों और कर्मचारियों के साथ फायर ब्रिगेड, NDRF, पुलिस और अन्य टीमें लगातार मलबा हटाने और लोगों की तलाश में जुटी हैं। प्रशासन के मुताबिक, रेस्क्यू और इमरजेंसी ऑपरेशन अभी जारी है। DCP गणेश शिंदे ने बताया कि घाटकोपर पुलिस मामले में जरूरी कानूनी कार्रवाई और आगे की जांच कर रही है।

जंतर-मंतर सीजन 2...

लेकिन कोई भी हमें हॉल किराए पर देने को तैयार नहीं था। सभी लोग कहते रहे कि ऊपर से दबाव है। उन्होंने दावा किया कि पार्टी ने आखिरकार एक हॉल का इंतजाम कर लिया था। हालांकि, उनका आरोप है कि बैठक वाली सुबह हॉल मालिकों को धमकियां दी गईं। दीपके ने धमकियों के पीछे BJP का हाथ होने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि इस तरह की कार्रवाई से पार्टी पीछे नहीं हटेगी। उन्होंने कहा, यह सब BJP कर रही है। उनके काम और बयान साफ दिखाते हैं कि वे देश के युवाओं से डरते हैं। अगर उन्हें लगता है कि इस तरह की छोटी हरकतों से हम डर जाएंगे, तो वे बहुत गलत सोच रहे हैं। CJP के चीफ स्पोक्सपर्सन सौरव दास ने दीपके के 'जंतर-मंतर सीजन 2' वाले बयान पर कहा, यह खुद सीजन 2 है। ऐसी अयोग्य सरकारों और अधिकारियों के खिलाफ देशभर में प्रदर्शन हो रहे हैं। दास ने कहा कि CJP अब देशभर में 'लिसनिंग टूर' शुरू करने जा रही है, ताकि लोगों की बात सुनी जा सके। उन्होंने बताया कि पार्टी एक कैंपेन चलाएगी और स्वतंत्रता दिवस से शिक्षा के मुद्दे को प्राथमिकता देगी। 16 मई को रात 12 बजे अभिजीत दीपके ने कॉकरोच जनता पार्टी नाम का सोशल मीडिया पेज बना दिया। इंस्टाग्राम पर भी अकाउंट बनाया। एक वेबसाइट भी बनाई गई। X पर एक गूगल फॉर्म जारी हुआ। इसमें 'कॉकरोच जनता पार्टी' लिखी एक तस्वीर के साथ कैप्शन था- 'सभी कॉकरोचों के लिए एक नया प्लेटफॉर्म शुरू किया जा रहा है। अगर आप जॉइन करना चाहते हैं, तो लिंक पर क्लिक करें। पार्टी जॉइन करने के लिए 4 जरूरी योग्यताएं बताई गईं- 'अनइम्प्लॉइड, लेजी, क्रॉनिकली ऑनलाइन, एबिलिटी टू रैंट प्रोफेशनली।' इसके बाद लोग लगातार CJP से जुड़ रहे हैं। 17 से 20 मई तक कॉकरोच पार्टी के फॉलोअर्स लगातार बढ़े, लेकिन 21 मई को इसके अकाउंट बंद कर दिए गए। इसी दिन कॉकरोच इज बैक नाम से दूसरा अकाउंट बन गया। 22 मई को सबसे पहले धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा मांगा गया। 24 मई को वेबसाइट पर ऑनलाइन पिटीशन जारी की गई। इस पर प्रधान के इस्तीफे की मांग करने वाले 10 लाख लोगों ने रजिस्ट्रेशन करवाया था। कॉकरोच जनता पार्टी यानी CJP औपचारिक रूप से चुनाव आयोग में रजिस्टर्ड राजनीतिक दल नहीं है। इसकी वेबसाइट पर व्यंग्य में लिखा गया है कि ये कॉकरोचिस्तान के नो इलेक्शन कमीशन पर कॉकरोच एक्ट के तहत एक नॉन-रजिस्टर्ड पार्टी है। 30 साल के अभिजीत दीपके इसके फाउंडर हैं। वही दीपके जंतर-मंतर प्रोटेस्ट के लीडर रहे हैं।

राम मंदिर सीईओ के...

चार दिन तक चलने वाले इंटरव्यू में 18 कैंडिडेट शामिल होंगे। इनमें से 3 नाम शॉर्टलिस्ट किए जाएंगे। फिर इन तीनों का श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट इंटरव्यू लेगा और आखिर में एक नाम फाइनल करेगा। CEO पद के लिए 5,300 से ज्यादा लोगों ने आवेदन किया था। इनमें से 18 लोगों को इंटरव्यू के लिए शॉर्टलिस्ट किया गया। रिटायर्ड जस्टिस प्रमोद कोहली, पूर्व वैज्ञानिक डॉ. सुरेश हावड़े और रिटायर्ड लेफ्टिनेंट जनरल विष्णुकांत चतुर्वेदी इंटरव्यू ले रहे हैं। पहले दिन मंगलवार को 8 पूर्व अफसरों को इंटरव्यू के लिए बुलाया गया था। इनमें 3 पूर्व IAS, एक IPS और 4 पूर्व सैन्य अफसर शामिल थे। हालांकि, सिर्फ 5 लोगों का इंटरव्यू हुआ था। इनमें यूपी पुलिस के एनकाउंटर स्पेशलिस्ट रहे पूर्व IPS राजेश पांडेय और जौनपुर के पूर्व डीएम दिनेश चंद्र शामिल थे। इनके अलावा सेना से रिटायर्ड बबिता सिंह और अयोध्या में सीओ के पद से रिटायर्ड प्रमोद कांत मिश्रा का भी इंटरव्यू लिया गया था। जिन तीन लोगों का इंटरव्यू नहीं हो पाया था, उन्हें भी आज बुलाया गया है। गूगल फार्म में आवेदकों से नाम, जन्मतिथि, उम्र, पता, शहर, राज्य, पिन कोड, मोबाइल नंबर और ई-मेल जैसी व्यक्तिगत जानकारी मांगी गई थी। हिंदी और अंग्रेजी भाषा की समझ से जुड़े सवाल भी थे। आवेदक की शैक्षणिक योग्यता, वर्तमान नौकरी या रिटायरमेंट और पिछली संस्था की जानकारी भी मांगी गई थी। वह कितने कर्मचारियों का नेतृत्व कर चुका है, यह भी पूछा गया। इसके लिए 1,000 से 5,000 और इससे ज्यादा कर्मचारियों के विकल्प दिए गए थे।

स्पीकर चर्चा के...

इसके बावजूद सरकार इस मुद्दे पर दोबारा चर्चा के लिए तैयार है। मेरा अनुरोध है कि आप विपक्ष से चर्चा करें और आपसी सहमति के आधार पर आज से इस मुद्दे पर चर्चा के लिए जितना समय, दिन या घंटे उचित समझें, निर्धारित करें। संसदीय जांच पैनल ने जस्टिस यशवंत वर्मा पर लगाए गए आरोप सही पाए हैं। यह मामला उनके सरकारी आवास के स्टोररूम से नकदी मिलने से जुड़ा है। पैनल की रिपोर्ट बुधवार, 12 अगस्त को लोकसभा और राज्यसभा में पेश की गई। रिपोर्ट के मुताबिक, स्टोररूम में 500 रुपए के नोटों की काफी मात्रा मिली थी, लेकिन जस्टिस वर्मा नकदी के स्रोत, मालिकाना हक या वहां मौजूद होने की संतोषजनक वजह नहीं बता सके। जस्टिस वर्मा इस साल अप्रैल में हाईकोर्ट के जज पद से इस्तीफा दे चुके हैं। लोकसभा ने हंगामे के बीच FCRA संशोधन बिल, 2026 को दोनों सदनों की संयुक्त समिति (JPC) के पास भेजने का प्रस्ताव मंजूर कर लिया। कांग्रेस सांसद केसी वेणुगोपाल ने इसका विरोध किया। इसपर संसदीय कार्य मंत्री किरन रिजिजू ने कहा कि कुछ बिलों को JPC के पास भेजा जाता है और सरकार भी यही कर रही है।

सुप्रीम कोर्ट में...

इसके बाद प्रशासन ने मुस्लिम समाज के प्रतिनिधियों के साथ बैठक की। प्रशासन ने चालीस पीर दरगाह के पास स्थित खाली जमीन पर नमाज की व्यवस्था करने की बात कही। इस जगह को समतल भी कराया गया था। मुस्लिम समाज ने इस व्यवस्था पर आपत्ति जताई। समाज के लोगों का कहना था कि चालीस पीर दरगाह भोजशाला से काफी दूर है। उनका कहना था कि सुप्रीम कोर्ट के आदेश के अनुसार भोजशाला से लगी खाली जमीन पर नमाज की व्यवस्था होनी चाहिए। इसके बाद मुस्लिम समाज ने चालीस पीर की जगह पर जुमे की नमाज नहीं पढ़ी और फिर सुप्रीम कोर्ट का रुख किया। इसके बाद सुप्रीम कोर्ट ने प्रदेश सरकार को भोजशाला के पास ही उपयुक्त खाली जगह उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। इसके बाद प्रशासन ने भोजशाला के पिछले हिस्से की दाहिनी ओर स्थित खसरा नंबर 612 की जमीन को जुमे की नमाज के लिए तय किया।

10 साल से डेट कर रहे थे, पिछले साल सगाई की थी, दोनों के 4 बच्चे हैं

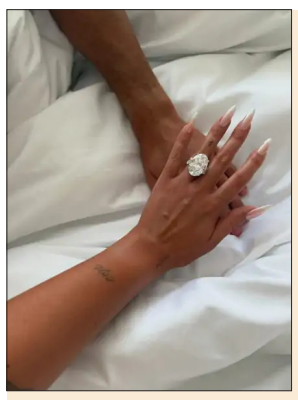
रोनाल्डो ने गर्लफ्रेंड जॉर्जिना से शादी की

पुष्टि

नई दिल्ली, एजेंसी

फुटबॉलर क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने पुर्तगाल में अपनी गर्लफ्रेंड जॉर्जिना रोड्रिग्ज से शादी कर ली है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, दोनों ने मंगलवार को कोर्ट मैरिज की। रोनाल्डो और जॉर्जिना 2016 में मैड्रिड में मिले थे। दोनों तभी से साथ हैं। दोनों के चार बच्चे हैं। उन्होंने इंस्टाग्राम पर अंगूठियां पहने हुए फोटो भी शेयर की है।

रोनाल्डो ने पिछले साल 5 सितंबर को क्रोएशिया के खिलाफ मुकाबले में अपने करियर का 900वां गोल किया था। वे ऐसा करने वाले दुनिया के पहले खिलाड़ी हैं। रोनाल्डो ने यह माइलस्टोन हासिल करने के बाद सोशल मीडिया पर अपने फुटबॉल के सफर का एक क्लिप शेयर किया था। इस वीडियो को शेयर करते हुए रोनाल्डो ने सभी फैंस को शुक्रिया कहा। साथ ही कहा कि उन्होंने काफी समय से यह सपना देखा था, जो पूरा हो चुका है। अभी कुछ और सपने पूरे करने बाकी हैं। रोनाल्डो इस समय दुनिया के सबसे महंगे खिलाड़ी हैं। पिछले एक साल में उनकी अनुमानित कमाई $300 मिलियन (करीब 2858.25 करोड़) रही है। इसमें से करीब 2,242 करोड़ ($235 मिलियन) उन्हें मैदान पर खेल (सैलरी और बोनस) से मिले हैं, जबकि 619.38 करोड़ ($65 मिलियन) एंडोर्समेंट और अन्य बिजनेस वेंचर्स से आए हैं। सऊदी अरब के क्लब अल-नासर के लिए खेलने वाले रोनाल्डो दुनिया के उन चुनिंदा 4 एक्टिव एथलीट्स में शामिल हैं, जिनकी नेटवर्थ $1 बिलियन से ज्यादा है।



रोनाल्डो ने इसी साल खेला आखिरी वर्ल्ड कप

पुर्तगाल के रोनाल्डो ने इसी साल अपना आखिरी फीफा वर्ल्ड कप खेला। पुर्तगाल की टीम राउंड ऑफ-16 के मुकाबले में स्पेन से 0-1 से हारकर टूर्नामेंट से बाहर हो गई थी। मैच से पहले रोनाल्डो ने घोषणा की थी कि यह उनका आखिरी फीफा वर्ल्ड कप है। मैच के बाद मैदान से बाहर जाते उनकी आंखों में आंसू थे। रोनाल्डो के वर्ल्ड कप डेब्यू के बाद पुर्तगाल ने 2006 में चौथा स्थान हासिल किया था।

एक साल पहले सगाई की थी

रोनाल्डो और जॉर्जिना ने आज से ठीक एक साल पहले 12 अगस्त 2025 को सगाई की थी। उस वक्त जॉर्जिना ने इंस्टाग्राम पर एंगेजमेंट रिंग की फोटो शेयर की थी और कैप्शन में लिखा था, 'हां, मैं आपसे प्यार करती हूं। इस जिंदगी और आने वाली हर जिंदगी में।' रोनाल्डो और जॉर्जिना 10 साल से डेट कर रहे हैं। दोनों ने 2017 की शुरुआत में अपने रिश्ते की पुष्टि की थी और ज्यूरिख में फीफा फुटबॉल अवाड्र्स में पहली बार साथ दिखाई दिए थे।



जॉर्जिना और बच्चों के साथ क्रिस्टियानो रोनाल्डो।



रोनाल्डो ने बड़े बेटे रोनाल्डो जूनियर (बाएं काली टी-शर्ट में) की मां की पहचान कभी उजागर नहीं की।

5 बच्चों के पिता हैं रोनाल्डो

जॉर्जिना स्पेनिश मॉडल और सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर हैं। रोनाल्डो और जॉर्जिना के चार बच्चे हैं। एवा मारिया और मातेओ का जन्म 2017 में सरोगेसी से हुआ था। 2017 में ही जॉर्जिना ने बेटी अलाना मार्टिना और 2022 में बेला एस्मेराल्डा को जन्म दिया था।

41 साल के रोनाल्डो का एक और बेटा है। क्रिस्टियानो रोनाल्डो जूनियर, जिनका जन्म 2010 में हुआ था। रोनाल्डो जूनियर की मां की पहचान रोनाल्डो ने कभी उजागर नहीं की। 2010 में जब उनके बेटे का जन्म हुआ, तब रोनाल्डो ने कहा था कि मां अपनी पहचान गोपनीय रखना चाहती हैं और बच्चे की जिम्मेदारी/कस्टडी वे खुद संभालेंगे।

रोहित शर्मा होस्ट के तौर पर टीवी पर डेब्यू करेंगे

गेम शो का फॉर्मेट, हर एपिसोड में 2 परिवार आएंगे

नई दिल्ली, एजेंसी

क्रिकेटर रोहित शर्मा जल्द ही एक टीवी शो होस्ट करते हुए नजर आएंगे। 'द रोहित शर्मा शो' नाम का यह शो सोनी लिव पर भी स्ट्रीम होगा। हाल ही में शो का एक टीजर आया है।

सोनी ने अभी तक शो के फॉर्मेट के बारे में ज्यादा जानकारी नहीं दी है। हालांकि, सोनी के प्रीव्यू पेज पर इसे रियलिटी शो के तौर पर लिस्ट किया गया है।

वहीं SportsYaari के मुताबिक यह शो अमेरिका के फेमस शो 'फैमिली फ्यूड' का भारतीय रूपांतरण होगा, जिसे स्टीव हार्वे होस्ट करते हैं।

यह क्विज शो नहीं, बल्कि गेम शो होगा, जिसमें दो परिवार हिस्सा लेंगे। इसकी शूटिंग सितंबर में शुरू हो सकती है, जबकि शो अक्टूबर में ऑन एयर हो सकता है।



रोहित इस प्रोजेक्ट पर करीब छह महीने काम करेंगे। इस दौरान हर हफ्ते एक एपिसोड प्रसारित किया जाएगा और शो फरवरी 2027 तक चल सकता है।

इससे पहले मई में शो से जुड़ा एक प्रोमो सामने आया था, जिसमें रोहित शर्मा अपने समर्थकों के साथ बातचीत करते नजर आते हैं। इस दौरान फैंस उनसे उनका मशहूर डायलॉग, 'कोई भी गार्डन में नहीं घूमेगा,' दोहराने की मांग करते हैं।

भारत और अफगानिस्तान के बीच 3 टी-20 मैच खेले जाएंगे

नई दिल्ली। भारत और अफगानिस्तान के बीच तीन मैचों की टी-20 सीरीज खेली जाएगी। क्रिकबज की रिपोर्ट के अनुसार, अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने टी-20 सीरीज की तारीखों को कन्फर्म किया है। मुकाबले 13, 15 और 17 सितंबर को नई दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में खेले जाएंगे।

बोर्ड ने 10 अगस्त को भेजे लेटर में कहा कि BCCI ने तारीखों पर सहमति दी है। इस सीरीज के साथ ही भारत के बांग्लादेश दौरा की संभावना लगभग खत्म हो गई है।

सीरीज को लेकर BCCI या अफगानिस्तान बोर्ड से कन्फर्मेशन आना बाकी है। यह पहली बार होगा कि अफगानिस्तान बाइलेटरल सीरीज में आधिकारिक तौर पर भारत की मेजबानी करेगा।

बोर्ड ने मीडिया राइट्स होल्डर्स से अपनी एडवांस प्लानिंग, शेड्यूलिंग, प्रोडक्शन अरेंजमेंट, प्रमोशनल एक्टिविटीज और दूसरी तैयारियां शुरू करने को कहा है।

सैम करन क्वालिटी ऑलराउंडर ■ फाफ के ऑक्शन में लौटने की उम्मीद जताई

आईपीएल फ्रेंचाइजियों ने एसए20 को ग्लोबल पहचान दिलाई : मॉरिस

नई दिल्ली, एजेंसी

साउथ अफ्रीका की टी-20 लीग SA20 के पांचवें सीजन से पहले पूर्व ऑलराउंडर क्रिस मॉरिस ने लीग, खिलाड़ियों और फ्रेंचाइजियों को लेकर बातें कीं।

मीडिया डे पर मॉरिस ने कहा कि IPL फ्रेंचाइजियों के निवेश ने SA20 को आर्थिक मजबूती देने के साथ ग्लोबल पहचान दिलाने में बड़ी भूमिका निभाई है।

उन्होंने जोहान्सबर्ग सुपर किंग्स (JSK) से फाफ डु प्लेसिस को रिलीज किए जाने पर हैरानी जताई। मॉरिस ने कहा कि फाफ के पास अभी भी टीम को देने के लिए काफी कुछ है। हालांकि, नए कोच के आने के बाद फ्रेंचाइजी को भविष्य के लिए टीम तैयार करने की जरूरत भी है।



मॉरिस को उम्मीद है कि JSK ऑक्शन में फाफ को दोबारा टीम में शामिल कर सकती है। उन्होंने सैम करन को भी क्वालिटी ऑलराउंडर बताया।

सैम करन के MI केपटाउन से डरबन सुपर जायंट्स जाने पर मॉरिस ने उनकी तारीफ की। उन्होंने करन को क्वालिटी ऑलराउंडर बताया।

मॉरिस के मुताबिक, करन बल्लेबाजी में अलग-अलग नंबर पर खेल सकते हैं। वे नई गेंद के साथ-साथ डेथ ओवरों में भी गेंदबाजी करने की क्षमता रखते हैं। MI केपटाउन को लेकर मॉरिस ने कहा कि टीम के पास पहले से ही मजबूत कोर मौजूद है। शुरुआती प्लेइंग-11 के करीब 9 खिलाड़ी टीम में बने हुए हैं।

सीजन-5 के बड़े नामों में मिचेल मार्श को लेकर भी मॉरिस उत्साहित हैं। उन्होंने कहा कि ऑस्ट्रेलियाई ऑलराउंडर अपने बल्ले, गेंद और कप्तानी से सनराइजर्स ईस्टर्न केप पर बड़ा असर डाल सकते हैं।



आईपीएल फ्रेंचाइजियों का फायदा मिला

मॉरिस ने SA20 की सफलता में IPL फ्रेंचाइजियों के निवेश को बेहद महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने कहा कि IPL दुनिया का बड़ा क्रिकेट ब्रांड है और उसकी फ्रेंचाइजियों के साउथ अफ्रीकी लीग में आने से SA20 को आर्थिक मजबूती मिली है।

रहाणे एसए20 में आए तो टीमों के लिए फायदेमंद

भारत के पूर्व बल्लेबाज अजिंक्य रहाणे के SA20 में खेलने की संभावना पर मॉरिस ने कहा कि वे किसी भी टीम के लिए शानदार विकल्प हो सकते हैं। उन्होंने रहाणे के अनुभव और शांत स्वभाव की तारीफ की। मॉरिस ने कहा कि रहाणे लंबे समय तक भारत के लिए खेले हैं और IPL में कप्तानी भी कर चुके हैं। वे युवा खिलाड़ियों को काफी कुछ सिखा सकते हैं।

मनोरंजन

भारत में बैन होने को लेकर पाकिस्तानी सिंगर आतिफ असलम बोले- लोग वीपीएन से गाने सुनते हैं

'मुझे वहां काम करने की याद नहीं आती'



इस्लामाबाद। पाकिस्तानी सिंगर आतिफ असलम ने भारत में लगे बैन पर बात करते हुए कहा कि लोग वीपीएन के जरिए उनका संगीत सुनते हैं और वो अपने फैंस को मिस करते हैं। यह बात उन्होंने रेडियो प्रेजेंटर क्रिस फेड के यूट्यूब चैनल पर बातचीत में कही।

बातचीत में आतिफ असलम ने कहा, "मुझे भारत में बैन हुए लगभग 10 साल हो गए हैं। यह भारतीय सरकार का फैसला था। उन्होंने पाकिस्तान के कलाकारों को बैन करने का फैसला किया। भारतीय कलाकार भी पाकिस्तान में बैन हैं। पिछले 10 साल से। मैंने वहां कोई गाना रिलीज नहीं किया है।"

उन्होंने भारतीय फैंस के लगातार अपने संगीत को सुनने का जिक्र करते हुए कहा कि लोग वीपीएन के जरिए उनका संगीत सुनते हैं और सीडी बनाकर दूसरों को देते हैं। उन्होंने कहा कि वह पाइरेसी को बढ़ावा नहीं देते, लेकिन संगीत जहां पहुंचना होता है, वहां पहुंच जाता है। मेरे पहले सिंगल के साथ भी ऐसा ही हुआ था।

सितंबर 2016 में उरी आतंकी हमले के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव बढ़ गया था। इसी दौरान IMPPA ने अपने निर्माता सदस्यों को भारत-पाकिस्तान के रिश्ते सामान्य होने तक पाकिस्तानी कलाकारों और तकनीशियनों को काम न देने का निर्देश दिया था।



फरवरी 2019 में पुलवामा आतंकी हमले के कुछ दिनों बाद ऑल इंडिया सिने वर्कर्स एसोसिएशन (AICWA) ने भी भारतीय फिल्म इंडस्ट्री में पाकिस्तानी एक्टर्स और कलाकारों पर पूरी तरह बैन की घोषणा की थी। इस हमले में 40 CRPF जवानों की जान गई थी। 2025 में पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत-पाकिस्तान के बीच तनाव बढ़ा। इसके बाद भारत सरकार ने पाकिस्तानी फिल्मों, वेब सीरीज, गानों और पॉडकास्ट पर रोक लगा दी।

आतिफ ने भारतीय फैंस को उदास नहीं होने कहा

भारतीय फैंस के लिए आतिफ ने कहा, "हां, इसे लेकर बुरा मत महसूस करो। उदास मत हो। मैं हमेशा से आप लोगों से कहना चाहता था कि मुझे आप लोगों की याद आती है। मुझे वहां काम करने की याद नहीं आती, लेकिन आप लोगों की याद आती है।" आतिफ ने आगे कहा कि मैंने प्लेबैक सिंगिंग से बहुत कुछ सीखा है। अगर यह बैन नहीं हुआ होता, तो शायद मैं अपना खुद का म्यूजिक नहीं बना पाता। इसलिए इसके लिए भी मैं आप लोगों का शुक्रिया अदा करता हूं।

एलियन मूवी के लिए अक्षय कुमार ने कसी कमर

नई दिल्ली, एजेंसी

हिंदी सिनेमा के सुपरस्टार अक्षय कुमार (Akshay Kumar) का नाम आए दिन चर्चा का विषय बना रहता है। जिसकी बड़ी वजह उनकी अपकमिंग फिल्में रहती हैं। लंबे समय से अक्की एक एलियन थ्रिलर मूवी समुक (Samuk) को लेकर लाइमलाइट में बने हुए हैं।

अब खबर आ रही है कि अक्षय कुमार की इस आने वाली फिल्म के लिए मेकर्स ने तैयारी शुरू कर दी है और जल्द ही इसकी शूटिंग का भी आगाज किया जा चुका है।

अभिनेता अक्षय कुमार इन दिनों अलग-अलग जॉनर और चुनौतीपूर्ण किरदारों के साथ प्रयोग कर रहे हैं। आने वाले दिनों में वह फिल्म 'हैवान' में नकारात्मक भूमिका में नजर आएंगे। वहीं अब अक्षय अपनी आगामी एलियन थ्रिलर फिल्म 'समुक' की शूटिंग 23 अगस्त से लंदन में शुरू करेंगे। खबरों के मुताबिक फिल्म की शूटिंग का लगभग 90 फीसदी हिस्सा लंदन में शूट किया जाएगा, जबकि बाकी शूटिंग मुंबई में होगी। फिल्म की टीम शूटिंग को लगातार चलने वाले शेड्यूल में पूरा करने की योजना बना रही है। फिल्म के निर्माता विपुल अमृतलाल शाह है।



एनर्जेटिक अंदाज और डांस स्टेप्स देख लोगों ने बजाईं सीटियां

सलमान ने 'जीने के हैं चार दिन' पर किया डांस

नई दिल्ली, एजेंसी

बॉलीवुड एक्टर सलमान खान का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। इसमें वो अपनी फिल्म मुझसे शादी करोगी के आइकॉनिक गाने 'जीने के हैं चार दिन' पर डांस करते नजर आ रहे हैं। उनके आसपास मौजूद लोग उनके एनर्जेटिक परफॉर्मेंस के दौरान चीयर और सीटियां बजाते सुनाई दे रहे हैं। हालांकि, अभी तक वीडियो को लेकर जानकारी सामने नहीं आई है कि यह कहां और कब का है।

वीडियो में सलमान नीले रंग की टी-शर्ट के साथ डेनिम जींस पहने नजर आ रहे हैं। उन्होंने ब्राउन जैकेट और फ्रेंच स्टाइल की हैट से अपना लुक पूरा किया है।



वहीं, टीवी पर सलमान खान बिग बॉस 20 के होस्ट के रूप में वापसी करने वाले हैं। शो का प्रीमियर 6 सितंबर, 2026 को कलर्स टीवी पर होगा और यह जियोहॉटस्टार पर स्ट्रीम किया जाएगा। नए सीजन का प्रोमो भी आ चुका है। वहीं, सलमान की फिल्म 'मातृभूमिः मे रेस्ट इन पीस' में दिखाई देंगे। फिल्म के पोस्ट-प्रोडक्शन और बदलावों के कारण इसकी रिलीज में देरी हो रही है।

सोहेल की पार्टी में सलमान पहुंचे थे

शनिवार को रियलिटी शो 'अलायंस' के खत्म होने के बाद अभिनेता सोहेल खान ने मुंबई में एक सक्सेस पार्टी रखी। इस पार्टी में सलमान ऑल ब्लैक लुक और सिर पर हैट पहनकर स्वैग वाले अंदाज में पहुंचे थे। पार्टी में एंट्री के दौरान जब बाहर खड़े पैपराजी जोर-जोर से चिल्लाने लगे, तो सलमान ने उंगली उठाकर उन्हें शांत रहने का इशारा किया। सलमान ने पैपराजी से इशारे में कहा कि रात काफी हो चुकी है, इसलिए शोर कम मचाएं।

सलमान खान ने हाल ही में बताया था कि इंटरनेशनल एक्शन थ्रिलर फिल्म '7 डॉग्स' 21 अगस्त को भारतीय थिएटर्स में लगेगी। इसमें सलमान और संजय दत्त कैमियो रोल में नजर आएंगे। फिल्म का निर्देशन बिलाल फल्लाह और आदिल एल अरबी ने किया है। इस फिल्म में मिस्र के स्टार्स करीम अब्दुल-अजीज और अहमद एज मुख्य भूमिकाओं में हैं। यह फिल्म इस साल की शुरुआत में मिडिल ईस्ट के देशों में रिलीज हो चुकी है।



बॉक्स ऑफिस पर तबाही मचाने को तैयार है 'शिवम'

एडवांस बुकिंग में धड़ल्ले से बिके आवारापन2 के टिकट

नई दिल्ली। 19 साल के लंबे अंतराल के बाद अभिनेता इमरान हाशमी (Emraan Hashmi) शिवम पंडित के किरदार में फिल्म आवारापन 2 के जरिए सिनेमा जगत में वापसी करने जा रहे हैं। कुछ ही दिनों बाद इस फिल्म को सिनेमाघरों में रिलीज किया जाएगा। इससे पहले एडवांस बुकिंग के मामले में आवारापन 2 (Awarapan 2) अभी तक शानदार प्रदर्शन करती हुई नजर आ रही है। रिलीज से पहले आवारापन 2 कि टिकटें धड़ल्ले से बिक रही हैं, जो इस बात की तरफ इशारा करती हैं कि इमरान की इस मूवी के लिए फैंस काफी क्रेजी हैं। आइए जानते हैं कि अब तक आवारापन 2 की कितनी टिकटों की बुकिंग हो चुकी है।

साल 2007 में आवारापन का पहला पार्ट रिलीज किया गया था। कमर्शियल तौर पर वह फ्लॉप रहा, लेकिन अपने गानों और बाद में टीवी पर आने के बाद फिल्म कल्ट बनी। यही कारण है, जो फिलहाल आवारापन 2 को लेकर जबरदस्त हाइप नजर आ रहा है। हाल ही में आवारापन 2 की एडवांस बुकिंग को ओपन किया गया है और इस मामले में इमरान हाशमी की फिल्म ने अब तक अपनी छाप छोड़ी है। सैकनिल्क की रिपोर्ट के अनुसार अब तक आवारापन 2 की 37 हजार 183 टिकट सोल्ड हो चुकी हैं। जिसमें फिल्म की स्क्रीनिंग के सभी भाषाओं के वर्जन शामिल हैं। इसके अलावा बात की जाए ग्रॉस लेवल पर फिल्म की एडवांस बुकिंग के आंकड़े की तरफ तो वह अब तक 1.3 करोड़ के करीब पहुंच गया है, जो ये बताने के लिए काफी है कि ओपनिंग डे पर बॉक्स ऑफिस पर आवारापन 2 को धमाकेदार शुरुआत मिल सकती है। इस तरह से फिलहाल आवारापन 2 एडवांस बुकिंग में अपनी धाक जमाए हुए है। गौर करने वाली बात ये है कि अभी आवारापन 2 की रिलीज में दो दिनों का समय और बाकी रह गया है। उस लिहाज से फिल्म की एडवांस बुकिंग टिकटों का ये आंकड़ा 50 हजार के पार आसानी से जा सकता है।

अजीबोगरीब वादों से सुर्खियां बटोर रहा, कहा- हर वोटर को सस्ता घर दूंगा

कट्टरपंथी नेता के सामने कूड़ेदान वाला उम्मीदवार

चर्चा

लंदन, एजेंसी

ब्रिटेन में इन दिनों एक ऐसा उम्मीदवार चर्चा में है, जो चुनाव प्रचार के दौरान कूड़ेदान जैसी पोशाक पहनता है और खुद को एलियन बताता है। काउंट बिनफेस नाम के ये उम्मीदवार क्लैक्टन उपचुनाव में रिफॉर्म यूके के कट्टरपंथी नेता नाइजेल फराज के खिलाफ मैदान में हैं।

काउंट बिनफेस का कहना है कि चुनाव का नतीजा कुछ भी हो, जीत उसी की मानी जाएगी। वह अपने अजीबोगरीब वादों की वजह से भी



इस साल मेकरफील्ड उपचुनाव में ब्रिटेन के मौजूदा प्रधानमंत्री एंडी बर्नहम (बीच में), काउंट बिनफेस (बाएं) और लोमड़ी की पोशाक पहनने वाले एनिमल राइट एक्टिविस्ट रॉबर्ट पाउनॉल भी उम्मीदवार थे।

खूब चर्चा में है। वे हर नागरिक को सस्ता घर देने का वादा कर रहे हैं। मौजूदा हालात में काउंट बिनफेस चुनाव जीत जाएंगे इसकी संभावना बहुत कम है। दरअसल, क्लैक्टन सीट से फराज सांसद रह चुके हैं। पिछले चुनाव में उन्हें 46% वोट मिले थे। हालिया सर्वे में उन्हें करीब 73% वोट मिलने का अनुमान जताया गया है।

जॉन हार्वे ने पहला चुनाव लॉर्ड बकेटहेड के नाम से साल 2017 में लड़ा था।

काउंट बिनफेस नाम का मतलब क्या है

यह नाम 2 शब्दों से मिलकर बना है। काउंट, बिनफेस। काउंट राजशाही से जुड़ी एक उपाधि है। जैसे कि लॉर्ड, अर्ल या बैरन भी एक उपाधि है। ऐसे में काउंट बिनफेस का मतलब है- कूड़ेदान के चेहरे वाला काउंट। काउंट बिनफेस ने 2019 में तत्कालीन प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन के खिलाफ चुनाव लड़ा। इसके बाद वे 2021 और 2024 के लंदन मेयर चुनाव, 2023 उपचुनाव, 2024 आम चुनाव और 2026 में एक उपचुनाव में भी उम्मीदवार रहे।

ब्रिटेन की लेबर, कंजर्वेटिव और लिबरल डेमोक्रेट जैसी बड़ी पार्टियों ने इस उपचुनाव में उम्मीदवार नहीं उतारा है। इससे फराज की जीत की संभावना और मजबूत हो गई है। काउंट बिनफेस इस चुनाव में फराज के सबसे चर्चित प्रतिद्वंद्वी हैं, लेकिन वे अकेले नहीं हैं। इस उपचुनाव में कुल 33 उम्मीदवार मैदान में हैं।



कॉपीराइट को लेकर विवाद हुआ, फिर नाम पड़ा काउंट बिनफेस

काउंट बिनफेस का किरदार 46 वर्षीय लेखक और कॉमेडियन जॉन हार्वे निभाते हैं। वे काउंट बिनफेस नाम से कई बार चुनाव लड़ चुके हैं।

हार्वे ने पहली बार 2017 के ब्रिटिश आम चुनाव में लॉर्ड बकेटहेड नाम से तत्कालीन पीएम थेरेसा मे के खिलाफ चुनाव लड़ा था। इस नाम को लेकर कॉपीराइट विवाद हो गया। दरअसल, लॉर्ड बकेटहेड भी एक व्यंग्यात्मक काल्पनिक किरदार है। यह काले रंग की टोपी पहनता है जो कि बाल्टी जैसा दिखता है। सबसे पहले 1987 में माइक ली नाम के एक शख्स ने लॉर्ड बकेटहेड नाम से यह चुनाव लड़ा था। इसके बाद हार्वे को लॉर्ड बकेटहेड नाम छोड़ना पड़ा। इसके बाद हार्वे ने काउंट बिनफेस किरदार को 2018 में चुनाव से कुछ महीने पहले लॉन्च किया।

काउंट बिनफेस के लिए असली जीत सीट जीतना नहीं, बल्कि अच्छा वोट हासिल करना होगा। अब तक उन्हें सबसे ज्यादा 2021 के लंदन मेयर चुनाव में करीब 1% वोट मिले थे।

'अगर वह आती हैं तो उन्हें पूरी सुरक्षा दी जाएगी'

शेख हसीना की वतन वापसी पर बोला बांग्लादेश

ढाका, एजेंसी



भारत में शेख हसीना के लगातार निर्वासन के बाद उन्होंने वापस बांग्लादेश लौटने की इच्छा जताई है। इस बीच बांग्लादेश की सरकार ने उनके वापस लौटने पर पूरी सुरक्षा का वादा किया है। साथ ही उनके भविष्य का फैसला अदालतों पर छोड़ दिया। प्रधानमंत्री के सूचना और प्रसारण सलाहकार जाहिद उर रहमान ने कहा, ₹हसीना ने कहा है कि वह दिसंबर में घर लौटेंगी। जब वह घर लौटेंगी तो उन्हें पूरी सुरक्षा दी जाएगी और उन्हें सभी तरह के कानूनी और संवैधानिक अधिकारों के साथ न्यायिक प्रक्रिया का सामना करना होगा। फिर अदालत जो भी फैसला सुनाएगी उसे सभी को मानना होगा। उन्होंने कहा कि सबसे गंभीर अपराधों के आरोपी लोगों के भी नागरिक और संवैधानिक अधिकारों की रक्षा की जाएगी (हसीना सरकार के खिलाफ 2024 के विद्रोह के दौरान) चाहे वह शाकिब अल हसन हों (जो अवामी लीग के पूर्व सांसद और बांग्लादेशी क्रिकेटर हैं) या खुद हसीना। जाहिद ने कहा, ₹हम इस देश में दोबारा हसीना जैसा माफिया शासन नहीं देखना चाहते। नई दिल्ली में 5 अगस्त को हसीना की वर्चुअल प्रेस कॉन्फ्रेंस के बाद (जिसमें उन्होंने कहा था कि उन्हें लौटने पर गिरफ्तार होने का डर नहीं है) बांग्लादेश के विदेश मंत्रालय ने उन्हें दोषी नरसंहारकर्ता (convicted genocider) कहा था।

फास्ट न्यूज

जिम्बाब्वे की करिबा झील में पलटी नाव

हरारे । जिम्बाब्वे की करिबा झील में क्षमता से ज्यादा यात्रियों से भरी एक नाव पलट गई। हादसे में कम से कम 15 लोगों की मौत हो गई, जबकि 27 लोग लापता हैं। राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन एजेंसी जानकारी देते हुए बताया कि 77 लोगों को बचा लिया गया और उन्हें झील में मौजूद एक द्वीप पर ले जाया गया। जिम्बाब्वे की सिविल प्रोटेक्शन यूनिट ने बताया कि टिकट बिक्री के रिकॉर्ड के आधार पर नाव में 114 वयस्क यात्री और चालक दल के पांच सदस्य सवार थे।

पाकिस्तानी सेना को भारी नुकसान पहुंचा रही बीएलए

इस्लामाबाद । बलूच लिबरेशन आर्मी (बीएलए) ने बलूचिस्तान में पाकिस्तानी सेना को निशाना बनाकर किए गए 38 हमलों की जिम्मेदारी ली है, जिसमें 32 से ज्यादा सैन्यकर्मी और उनके सहयोगी मारे गए और बड़ी संख्या में लोग घायल हुए। मंगलवार को जारी बयान में बीएलए प्रवक्ता जीयंद बलूच ने कहा कि ये हमले 1 से 8 अगस्त के बीच किए गए। सशस्त्र समूह ने पाकिस्तानी सैन्य काफिलों, कैंप, पैदल दस्तों, पुलों, रेलवे लाइनों, पुलिस चेक पोस्ट और सामान ढो रहे वाहनों को निशाना बनाया।

बाली में आग और ऊंची लहरों के बीच फंसा जहाज

इंडोनेशिया । इंडोनेशिया के टूरिस्ट आइलैंड बाली के पास बुधवार को ऊंची लहरों के बीच एक पैसेंजर जहाज में आग लग गया। जिसमें 172 लोगों को बचाया गया है। जिनमें 2 ऑस्ट्रेलियाई पर्यटक भी शामिल थे। वहीं, एक की मौत हो गई है। मृतक लड़की इंडोनेशिया की थी। मताराम सर्च एंड रेस्क्यू ऑफिस के प्रमुख मुहम्मद हरियादी ने कहा, 'हमारी सबसे बड़ी प्राथमिकता सभी यात्रियों और क्रू सदस्यों की सुरक्षा है।'

देश में बिजनेस परिवारों की संपत्ति 138 लाख करोड़ हुई

नई दिल्ली, एजेंसी



ये नीदरलैंड्स और सऊदी अरब जैसे देशों की इकोनॉमी से ज्यादा रोजाना 4,076 करोड़ जोड़े

भारत के 300 सबसे अमीर फैमिली बिजनेस की कुल संपत्ति रिकॉर्ड 138 लाख करोड़ पर पहुंच गई है। 2024 के मुकाबले इनकी संपत्ति करीब 30 लाख करोड़ रुपए और 2025 के मुकाबले 1.23 लाख करोड़ रुपए बढ़ी है। यह संपत्ति नीदरलैंड्स और सऊदी अरब जैसे देशों की इकोनॉमी से भी ज्यादा है। '2026 बार्कलेज प्राइवेट क्लाइंट्स हुरुन इंडिया मोस्ट वैल्युएबल फैमिली बिजनेस लिस्ट' के मुताबिक बीते दो सालों में इन बिजनेस फैमिली ने रोजाना औसतन 4,076 करोड़ जोड़े हैं। जिंदल परिवार ने पिछले तीन सालों में सबसे ज्यादा वेल्थ क्रिएट की है। जिंदल परिवार ने बीते 3 सालों में अपनी संपत्ति में 3.3 लाख करोड़ रुपए जोड़े हैं, जिससे उनकी कुल नेटवर्थ 70% बढ़कर 8.02 लाख करोड़ रुपए पहुंच गई है। हुरुन इंडिया के फाउंडर और मुख्य शोधकर्ता अनस रहमान जुनैद के अनुसार, भारत के सबसे मूल्यवान पारिवारिक व्यवसायों की कुल संपत्ति 1.46 ट्रिलियन डॉलर यानी करीब 138 लाख करोड़ रुपए पहुंच गई है। अनस रहमान ने बताया कि अगर इस लिस्ट में शामिल सभी परिवारों की कुल संपत्ति को मिलाकर एक देश मान लिया जाए, तो जीडीपी (GDP) के मामले में यह दुनिया की 18वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था होगी।

फरवरी 2027 तक जिम्मेदारी संभालते रहेंगे, नोएल टाटा से मतभेद, ट्रस्ट में खींचतान बनी वजह

टाटा संस के चेयरमैन एन चंद्रशेखरन का इस्तीफा

नई दिल्ली, एजेंसी

टाटा संस के चेयरमैन एन. चंद्रशेखरन ने आज 12 अगस्त को इस्तीफा दे दिया है। उनका इस्तीफा 18 अगस्त को होने वाली टाटा संस की एजीएम से ठीक पहले आया है। हालांकि, वे फरवरी 2027 तक पद पर बने रहेंगे। चंद्रशेखरन के तीसरे कार्यकाल को लेकर टाटा ट्रस्ट्स के साथ सहमति नहीं बन पाई थी। नए कारोबारों में भारी निवेश, उनके प्रदर्शन और टाटा संस के भविष्य को लेकर मतभेद इस फैसले की बड़ी वजह बने। एन चंद्रशेखरन के इस्तीफे की खबर के बाद टाटा ग्रुप की लिस्टेड कंपनियों के शेयरों में गिरावट है। टीसीएस, टाटा मोटर्स, टाटा स्टील और टाटा



एन चंद्रशेखरन ने 2017 में चेयरमैन पद की कमान संभाली थी।

कंज्यूमर के शेयर 3% तक नीचे हैं। चंद्रशेखरन के कार्यकाल में टाटा ग्रुप ने एविएशन, डिजिटल कारोबार, इलेक्ट्रॉनिक्स, सेमीकंडक्टर और बैटरी जैसे नए क्षेत्रों में बड़े निवेश किए। इनमें से कुछ कारोबार अभी घाटे में हैं। एअर इंडिया और एअर इंडिया एक्सप्रेस को FY26 में कुल 22,238 करोड़ का घाटा हुआ, जबकि टाटा डिजिटल का घाटा 4,974 करोड़ रहा। इन्हीं मुद्दों पर नोएल टाटा ने चंद्रशेखरन के प्रदर्शन को लेकर आपत्ति जताई थी। टाटा संस को शेयर बाजार में लिस्ट किया जाए या निजी कंपनी ही रखा जाए, इस पर टाटा ट्रस्ट्स के अंदर अलग-अलग राय सामने आई। नोएल टाटा लिस्टिंग के पक्ष में नहीं बताए जाते हैं, जबकि कुछ ट्रस्टी लिस्टिंग की वकालत कर चुके हैं। टाटा ट्रस्ट्स के पास टाटा संस की करीब 66% हिस्सेदारी है, इसलिए दोनों के बीच बड़े फैसलों पर सहमति बेहद अहम है।

चंद्रशेखरन ने इस्तीफा देते हुए क्या कहा

चंद्रशेखरन ने कहा कि, टाटा संस के चेयरमैन के रूप में मेरा मौजूदा कार्यकाल 20 फरवरी 2027 को खत्म हो रहा है। सर दोराबजी टाटा ट्रस्ट और सर रतन टाटा ट्रस्ट ने सर्वसम्मति से प्रस्ताव पास करके मेरे अगले 5 साल के कार्यकाल के विस्तार की सिफारिश की थी।

इसे टाटा संस की नॉमिनेशन एंड रेमुनरेशन कमेटी और बोर्ड ने दर्ज किया था और आगे बढ़ाने की सिफारिश की थी। इसके बाद, यह प्रस्ताव 24 फरवरी 2026 को टाटा संस बोर्ड के सामने रखा गया था। हालांकि, यह प्रस्ताव आगे नहीं बढ़ सका क्योंकि बोर्ड के एक सदस्य ने इसका समर्थन नहीं किया। सर्वसम्मत समर्थन न मिलने की वजह से मैंने इस फैसले को टालने का विकल्प चुना। उस बोर्ड मीटिंग को हुए 6 महीने बीत चुके हैं और आज तक कोई फैसला नहीं हो पाया है। टाटा संस एक बहुत बड़ा संस्थान है और कई बड़े रणनीतिक प्रोजेक्ट्स अभी अहम मोड़ पर हैं।

चंद्रशेखरन का कार्यकाल बढ़ाने पर मतभेद

फरवरी 2026 में टाटा संस बोर्ड ने चंद्रशेखरन के अगले 5 साल के कार्यकाल की सिफारिश की थी। बाद में टाटा ट्रस्ट्स के चेयरमैन नोएल टाटा ने इसका विरोध किया और सिर्फ 2 साल का कार्यकाल देने की वकालत की। 24 फरवरी 2026 को 5 साल के विस्तार का प्रस्ताव बोर्ड के सामने रखा गया। एक सदस्य के समर्थन न देने से इस पर सहमति नहीं बन सकी है।

3 पाकिस्तानी समेत 4 की मौत, रेड सी में अब तक 8 जहाजों को निशाना बनाया

हूती विद्रोहियों का सऊदी जहाज पर मिसाइल हमला

नई दिल्ली। यमन के हूती विद्रोहियों ने मंगलवार को बाब अल-मंदेब स्ट्रेट में सऊदी से जुड़े जहाज पर मिसाइल हमला किया। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, इसमें 4 क्रू मेंबर मारे गए। इनमें 3 पाकिस्तानी और 1 इंडोनेशियाई नागरिक था।

रिपोर्ट्स के मुताबिक, तंजानिया के झंडे वाले इस जहाज का नाम 'तिहामा' था। यह ओमान के सलालाह पोर्ट से जिबूती जा रहा था।

हूती विद्रोहियों ने 20 जुलाई को सऊदी जहाजों की नाकाबंदी शुरू की थी। इसके बाद से वे रेड सी में सऊदी से जुड़े 8 जहाजों पर हमला कर चुके है। इनमें एनसिलिया, लायला, गजल और वफा जैसे जहाज शामिल हैं। ईरान और सऊदी अरब यमन में युद्ध लड़ रहे हैं। दोनों देश वहां विरोधी पक्षों का समर्थन करते हैं। सऊदी अरब अंतरराष्ट्रीय मान्यता मिली सरकार का समर्थन करता है, जबकि ईरान हूतियों के साथ है। हूती संगठन यमन के बड़े हिस्से पर नियंत्रण रखता है।



बाब अल-मंदेब स्ट्रेट में शिप पर हुतियों के हमले की यह तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल हैं।

हूतियों ने 2023 और 2024 में भी रेड सी में लगातार जहाजों पर हमले किए थे। इससे समुद्री यातायात पर असर पड़ा था। इस समय हूतियों के हमलों का असर इसलिए ज्यादा महसूस हो रहा है, क्योंकि दुनिया पहले से ही होर्मुज स्ट्रेट के बंद होने से जूझ रही है। रेड सी दुनिया के सबसे अहम समुद्री रास्तों में से एक है। इसके एक तरफ सऊदी अरब और यमन हैं, जबकि दूसरी तरफ मिस्र, सूडान, इरिट्रिया, जिबूती और सोमालिया स्थित हैं।

होर्मुज के बाद बाब अल-मंदेब में भी खतरा बढ़ा

यह हमला ऐसे समय हुआ है, जब होर्मुज स्ट्रेट बंद होने से समुद्री कारोबार पहले ही दबाव में है। अब बाब अल-मंदेब में भी जहाजों पर हमले बढ़ रहे हैं। इससे शिपिंग कंपनियों की परेशानी और बढ़ गई है।

हूती विद्रोही रेड सी से गुजरने वाले जहाजों को निशाना बना रहे हैं। रॉयटर्स के मुताबिक सऊदी जहाजों पर हूतियों के हमलों में यह पहली बार है, जब किसी की मौत हुई है।

हूतियों के हमलों का असर सऊदी अरब के तेल निर्यात पर भी पड़ा है। समुद्र में जहाजों की आवाजाही कम हुई है। सुरक्षा के डर से कई जहाज रेड सी और स्वेज नहर के रास्ते से बच रहे हैं।

बाब अल-मंदेब से गुजरने वाले जहाज घटे

केप्लर के आंकड़ों के मुताबिक, पिछले हफ्ते बाब अल-मंदेब से रोज औसतन 32 जहाज गुजरे। पहले यहां रोज करीब 50 जहाज गुजरते थे। यानी अब इस रास्ते से करीब 18 जहाज कम गुजर रहे हैं।

कई जहाज अब अफ्रीका के चारों ओर से जा रहे हैं। यह रास्ता काफी लंबा है। इससे सामान पहुंचने में ज्यादा समय लग रहा है। इसका असर सप्लाई पर भी पड़ रहा है। सामान की कमी बढ़ सकती है। सप्लाई लाइन पर दबाव बढ़ रहा है। इससे रोजमर्रा की चीजों का खर्च भी बढ़ सकता है।

खैबर पख्तूनख्वा में सुरक्षा बलों की कार्रवाई में 10 आतंकी ढेर

इस्लामाबाद, एजेंसी



पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में कई खुफिया जानकारी के आधार पर सुरक्षा बलों ने 10 आतंकवादियों को ढेर कर दिया है, जबकि 16 अन्य घायल हुए हैं। बुधवार को पुलिस द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, आतंकवादियों के ठिकानों की निरंतर निगरानी के बाद खुफिया इनपुट के आधार पर बुधवार को बन्नू जिले में अभियान शुरू किया गया था।

यह कार्रवाई बन्नू में बढ़ाई गई सुरक्षा गतिविधियों के बीच हुई है। इससे पहले मंगलवार को भी सुरक्षा बलों ने जानी खेल इलाके में अदनान क्रिकेट स्टेडियम के पास चलाए गए खुफिया-आधारित अभियान में दो आतंकवादियों को मार गिराया था।

पुलिस के मुताबिक, आतंकवादी इस्लामिक मदरसे को अपने छिपने के ठिकाने के रूप में इस्तेमाल कर रहे थे। सैन्य कार्रवाई से पहले नागरिकों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए पूरे परिसर को सुरक्षित तरीके से खाली करा लिया गया था। इसके बाद, जब आतंकवादियों की तरफ से फायरिंग की गई, तब सुरक्षा बलों ने मदरसे के अंदर मौजूद आतंकियों पर जवाबी कार्रवाई की। पुलिस ने बताया कि बुधवार के अभियान के दौरान अलग-अलग जगहों पर छिपे आतंकवादियों को सटीक निशाना बनाने के लिए ड्रोन का बड़े पैमाने पर इस्तेमाल किया गया। बाद की कार्रवाइयों में, पेड़ों के नीचे छिपे और मोटरसाइकिल पर यात्रा कर रहे आतंकवादियों पर भी क्वाडकॉप्टर के जरिए हमले किए गए।

संधि : समुद्र में यह विवाद यूक्रेन के सरकारी स्वामित्व वाले बैंक ओशचाडबैंक द्वारा दायर किया गया

अरबों डॉलर के विवाद को सुलझाएंगे चंद्रचूड़

वहीं, ग्रीक मध्यस्थ और नेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ सिंगापुर के प्रोफेसर स्टावरोस ब्रेकोलाकिस को ओशचाडबैंक द्वारा नियुक्त किया गया है, जबकि जस्टिस चंद्रचूड़ को रूस द्वारा नियुक्त किया गया है।

मॉस्को, एजेंसी

रूस ने भारत के पूर्व मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ को निवेश संधि विवाद में अपना आर्बिट्रेटर नियुक्त किया है। यह विवाद यूक्रेन के सरकारी स्वामित्व वाले बैंक ओशचाडबैंक द्वारा दायर किया गया है। ग्लोबल आर्बिट्रेशन रिव्यू की रिपोर्ट में जानकारी सामने आई है। इस विवाद की सुनवाई 1998 की यूक्रेन-रूस द्विपक्षीय निवेश संधि के तहत तीन सदस्यीय आर्बिट्रल ट्रिब्यूनल द्वारा की जा रही है। कोस्टा रिका की मध्यस्थ और पूर्व व्यापार मंत्री डियाला जिमेनेज को दोनों पक्षों द्वारा संयुक्त रूप से ट्रिब्यूनल के अध्यक्ष के रूप में चुना गया है।

यह विवाद ओशचाडबैंक की उस पिछली मध्यस्थता प्रक्रिया से अलग है जो 2014 में रूस द्वारा क्रीमिया पर कब्जा करने के बाद उसकी गतिविधियों और संपत्तियों को लेकर शुरू हुई थी। उस पुराने मामले में परमानेंट कोर्ट ऑफ आर्बिट्रेशन के तहत गठित ट्रिब्यूनल ने रूस को अवैध अधिग्रहण के लिए जिम्मेदार ठहराया था और ओशचाडबैंक को ब्याज और मध्यस्थता लागत के साथ लगभग 1.1 अरब डॉलर का मुआवजा दिया था। हालांकि, रूस ने उस कार्यवाही में भाग लेने से इनकार कर दिया था, लेकिन ट्रिब्यूनल ने लागू मध्यस्थता नियमों के तहत अपना काम जारी रखा था।



यूक्रेन के चार क्षेत्रों की संपत्ति से जुड़ा है विवाद

ओशचाडबैंक का दावा डोनेत्स्क, लुहांस्क, खेरसॉन और जापोरिज्जिया में मौजूद उसकी संपत्तियों और गतिविधियों से संबंधित है। यूक्रेनी सरकारी बैंक का कहना है कि यूक्रेन में 2022 में रूस के आक्रमण के बाद रूसी सैन्य कार्रवाइयों ने इन क्षेत्रों में अपनी संपत्तियां खो दी हैं।

ऐसा माना जा रहा है कि यह दावा करोड़ों डॉलर का है। बार एंड बेंच के अनुसार, ओशचाडबैंक ने जुलाई 2025 में रूस को विवाद का नोटिस भेजा था, जिसका कथित तौर पर कोई जवाब नहीं मिलने के बाद बैंक ने मध्यस्थता प्रक्रिया की शुरुआत की। यह कार्यवाही रूसी संघ की सरकार और यूक्रेन के मंत्रिमंडल के बीच 1998 में हुए निवेश के प्रोत्साहन और पारस्परिक संरक्षण समझौते के तहत शुरू की गई है।

भारत-पाक दौरे पर जब यूएस राष्ट्रपति ने लिया था 'सीक्रेट प्लेन'

ट्रंप के गुप्त मिशन से याद आया 26 साल पुराना किस्सा

वाशिंगटन, एजेंसी

विदेशी दौरे के दौरान सुरक्षा उपाय के तौर पर डिकॉय विमान का इस्तेमाल करने वाले डोनल्ड ट्रंप पहले अमेरिकी राष्ट्रपति नहीं हैं। उनसे पहले भी अमेरिकी राष्ट्रपतियों की सुरक्षा के लिए इस तरह के बेहद गोपनीय और नाटकीय कदम उठाए जा चुके हैं।

द वाशिंगटन पोस्ट के अनुसार, जुलाई में ट्रंप एक सैन्य विमान से गुप्त रूप से तुर्की से रवाना हुए थे, जबकि व्हाइट हाउस ने सार्वजनिक रूप से यह दिखाया था कि वह अपने पारंपरिक एयर फोर्स वन विमान में यात्रा कर रहे हैं। यह कदम ईरान से संभावित खतरों से बचने के लिए उठाया गया था।

यूएसए टुडे के मुताबिक, पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति बिल क्लिंटन ने भी साल 2000 में अपने भारत और पाकिस्तान दौरे के समय इसी तरह की रणनीति अपनाई थी। क्लिंटन



बिना पहचान वाले विमान से भारत से पाकिस्तान गए थे, जो पारंपरिक एयर फोर्स वन के पीछे-पीछे उड़ान भर रहा था।

यह योजना तब तक गुप्त रखी गई जब तक कि कड़ी सुरक्षा के बीच इस्लामाबाद में उतरने के बाद क्लिंटन उस दूसरे विमान से बाहर नहीं आ गए। यह पाकिस्तान की उनकी छह घंटे की एक संक्षिप्त यात्रा थी। उस समय सुरक्षा की यह व्यवस्था इतनी असामान्य थी कि व्हाइट हाउस के अधिकारियों ने क्लिंटन के साथ यात्रा कर रहे प्रेस के सदस्यों को इन इंतजामों के बारे में पहले ही जानकारी दे दी थी।

तमसा संकेत
tamsa.newslko@gmail.com

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक विद्या देवी द्वारा कृष्णा डाइनेस्टी प्रिंटिंग प्रेस म0 न0 195 सेक्टर 6-बी, वृन्दावन योजना, रायबरेली रोड लखनऊ-226 029 (उ0प्र0) से मुद्रित व प्रकाशित।

सम्पादक : विद्यादेवी

समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा

समाचार पत्र में प्रकाशित लेख, राजनीतिक विश्लेषण, लेखकों के अपने विचार हैं। सम्पादक का इन विचारों से सहमत होना आवश्यक नहीं हैं।
मो0- 9415799533
R.N.I. NO. UPHIN/2021/83676